आनंद का सच्चा भाव*

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹89165/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹108900/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹118875/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

ANAND Jewels

Pandri, Raipur

*Conditions apply

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

98 साल के आडवाणी, पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार शाम को भारत रत्न और वरिष्ठ भाजपा नेता एवं भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी से उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। आडवाणी शनिवार को 98 वर्ष के हो गए हैं। पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा, 'महान दृष्टिकोण और तीक्ष्ण बुद्धिमत्ता वाले राजनेता आडवाणी जी का जीवन भारत की प्रगति को सुदृढ़ करने के लिए समर्पित रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन मुश्किल ही नहीं, ना-मुमकिन भी...

रायपुर रेलवे स्टेशन 13 एकड़ में, 24 एकड़ में बस स्टेंड, कुत्तों के घुसने के अनगिनत रास्ते

रेलवे स्टेशन के चारों तरफ फेसिंग लगाने के बाद भी मवेशियों के लिए खुले हैं दर्जनों रास्ते। इन्हें बंद करना रेलवे की बड़ी चुनौती। *फोटोः भूपेश जांगड़े*

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- रेलवे स्टेशन, बस स्टेंड और अस्पतालों में कुत्तों को रोकने के लिए करें बाड़बंदी

रेलवे करेगा प्लानिंग, कम समय में फंड जारी करना टेंडर करने की चुनौती

ललित राठौड़ ▶▶| रायपुर

सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश ने सरकार के साथ-साथ रेलवे प्रशासन की भी चिंता बढ़ा दी है। कोर्ट ने शुक्रवार को आदेश दिया है कि शैक्षणिक संस्थानों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अस्पताल परिसरों में आवारा कुत्तों की आवाजाही रोकने के लिए आठ हफ्तों के भीतर बाड़बंदी की जाए। आदेश का पालन नहीं होने पर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए हैं। अब प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कम समय में फंड जारी करना, टेंडर प्रक्रिया पूरी करना और कार्य प्रारंभ करना है। ▶▶|शेष पेज 7 पर

हरिभूमि लाइव

बेहतर प्लानिंग की जाएगी

सुप्रीम कोर्ट का आदेश है निश्चित रूप से प्लानिंग कर बेहतर व्यवस्था स्टेशन में बनाई जाएगी, ताकि आवारा पशु भीतर प्रवेश न करें। प्लानिंग में ध्यान रखा जाएगा कि यात्रियों के साथ-साथ ट्रैफिंग व्यवस्था में कोई दिक्कत न आए। आदेश के बाद उच्च अधिकारियों से बातचीत जारी है। समय से पहले कार्य पूरा करने लक्ष्य रहेगा।

- अवधेश कुमार त्रिवेदी, सीनियर डीसीएम, रायपुर मंडल

निगम से चर्चा कर योजना बनाएंगे

आदेश आने के बाद अब प्लानिंग की जाएगी। आवारा पशुओं के संदर्भ में निगम से मदद लेनें और चर्चा भी करेंगे। स्टेशनों में बेहतर व्यवस्था तैयार करेंगे। आवारा पशु न आए इसको लेकर सभी विषयों को ध्यान में रखते हुए प्लानिंग होगी।

- समीर कान्त माथुर, उप महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

20 करोड़ खर्च, इसके बाद भी छह सालों में 200 हादसे, 80 की मौत

मवेशियों को सड़कों से हटाने की योजना कागजों में

हाईकोर्ट का यह है निर्देश

- राज्य सरकार सभी नियमों और प्रावधानों को कड़ाई से लागू करे।
- यह सुनिश्चित किया जाए कि शहर और हाईवे पर मवेशी न दिखें।
- मवेशियों के लिए स्थायी आश्रय, पानी और चारे की व्यवस्था की जाए।
- पंचायत से लेकर निगम तक सभी जिमेदार इकाइयों को सक्रिय किया जाए

विकास चौबे ▶▶| बिलासपुर

सड़कों पर आवारा मवेशियों की समस्या गंभीर होती जा रही है। हर दिन सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं, जिनमें वाहन चालक और मवेशी दोनों की जान जोखिम में पड़ रही है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी प्रशासन कुछ कर नहीं पा रहा है, केवल कागजी योजनाएं बनाकर अपना पल्ला झाड़ा जा रहा है। अभियान चलाने की औपचारिकता कई बार पूरी की जा चुकी है लेकिन सड़कें मवेशी मुक्त नहीं हो सकी हैं। गलियों से लेकर मुख्य सड़कों और नेशनल हाइवे तक सिर्फ मवेशी दिखाई देतें हैं। खासतौर पर रात के समय ये समस्या ▶▶|शेष पेज 7 पर

हरिभूमि तत्काल

हाईकोर्ट ने की है कड़ी टिप्पणी

लगातार सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने यहां तक कह दिया है कि हम मॉनिटरिंग कर रहें हैं, इसके बाद भी लगातार ऐसी घटनाएं हो रही हैं। पहले भी सुनवाई के दौरान नगर निगम से लेकर पंचायतों तक जवाबदेही तय की गई थी, लेकिन अब भी ऐसी घटनाएं होना दुखद है। अब जवाबदेही तय करते हुए संबंधित अफसरों के सर्विस रिकॉर्ड में ▶▶|शेष पेज 7 पर

हाईवे पर 20 हजार से ज्यादा मवेशी, शहर की सड़कों पर संख्या लाखों में

गिरीश केसरवानी ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में 20 से ज्यादा राष्ट्रीय राजमार्ग हैं। इनमें 20 हजार से ज्यादा मवेशी बैठते हैं। शहरों की सड़कों पर लाखों की संख्या में मवेशी घूम रहे हैं। राजमार्ग जिन ग्रामीण इलाकों से होकर गुजरते हैं, उन गावों के मवेशी गांव से निकलकर राष्ट्रीय राजमार्ग में आकर बैठ जाते हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों में मवेशियों के आने की समस्या सबसे ज्यादा बारिश के समय रहती है। बारिश के समय राष्ट्रीय राजमार्गों में मवेशियों की संख्या और बढ़ जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों ▶▶|शेष पेज 7 पर

- मवेशियों को रेस्क्यू कर गोठान बनाकर रखने कई व्यवहारिक परेशानी

सरकारी बिक्री सिस्टम ही रहेगा लागू, नहीं होगा ठेका

खबरें थी कि शराब अब सरकार की जगह ठेकेदार ही बेचेंगे

शराब सरकारी निगम ही बेचेगा, ठेके पर देने का कोई विचार नहीं: आबकारी मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कुछ दिनों से आबकारी नीति में बदलाव की खबरों पर आबकारी मंत्री लखन लाल देवांगन ने चुप्पी तोड़ी है। श्री देवांगन ने कहा कि आबकारी नीति में कोई परिवर्तन राज्य सरकार नहीं कर रही है। सरकारी बिक्री सिस्टम राज्य में लागू रहेगा। उन्होंने फिर से ठेका पद्धति अपनाए जाने को अफवाह बताते हुए कहा कि फिलहाल ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा है। उल्लेखनीय है कि ▶▶|शेष पेज 7 पर

खास खबर

अवैध शराब रोकने शराब की थी सस्ती

राज्य सरकार ने अवैध शराब रोकने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर सेस और अतिरिक्त उत्पाद शुल्क घटाकर शराब सस्ती की थी। सरकार को 1,000 करोड़ रुपये के संभावित राजस्व नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, 67 नई शराब दुकानों की मंजूरी से इस नुकसान की ▶▶|शेष पेज 7 पर

पिछले माह हुई थी समीक्षा

आबकारी विभाग ने पिछले महीने विभागीय अधिकारियों, उद्योग प्रतिनिधियों और लाइसेंस धारकों के साथ बैठक हुई। बैठक में पारदर्शिता, प्रतिस्पर्धा और राजस्व के बेहतर संतुलन पर चर्चा हुई। बैठक के आधार पर ही यह कयास लगने शुरू हुए थे। विभागीय अधिकारियों ने कहा अवैध शराब बिक्री रोक कर राजस्व बढ़ाने के सारे उपाय किए गए है। दुकान बढ़ाने के अलावा बिक्री पारदर्शी तरीके से ▶▶|शेष पेज 7 पर

RCP
INFRATECH PVT. LTD.
READY TO USE

VIP CITY
A City in The City

छ.ग. राज्य के 25वें वर्षगाँठ पर तक के उपहार
25 लाख

BUNGALOWS में पायें 5 लाख 7 लाख 10 लाख

SHOPS मात्र 10 लाख से 12 लाख में
(3 लाख का SURPRISE GIFT)

PLOTS AVAILABLE ON SECTOR-07

* Terms & Conditions Apply

CALL-812 000 8290

Scan this QR code to find us Google Maps

Follow us on : @VIPCITYRPR

A Project by
RCP Infratech Pvt. Ltd.
Saddu-Urkura Road, Ring Road No. 3, Raipur (C.G.),
Email : rcpinfratech.vip@gmail.com, Website : www.rcpinfra.co.in

Member of : CREDAI CHHATTISGARH
RERA REGISTERED PROJECT :
(VIP VILLAS/SHOP) RERA NO. : PCGRERA130223001603
SECTOR-07 RERA NO.: PCGRERA050625001937
www.rera.cgstate.gov.in

फायनेंस उपलब्ध
सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया Central Bank of India
LIC HFL LIC HOUSING FINANCE LTD
kotak Kotak Mahindra Bank
HDFC HOME LOANS apni jagah bana
SBI

Follow us on : /vipcityrpr /vipcityrpr

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

एक पैर छत्तीसगढ़ में, दूसरा ओडिशा में, न बोर्ड न ही चौकी, 25 साल से कोई नेता नहीं झांका

हसन खान ⏭ मैनपुर

गरियाबंद के आखिरी छोर पर बसा है कोदोमाली गांव, राशन के लिए 8 किमी का सफर

गरियाबंद और ओडिशा के बॉर्डर इलाके में एक ऐसा गांव है, जहां कोई चेक पोस्ट ही नहीं है। जांच चौकी नहीं होने का सीधा लाभ लकड़ी तस्करों को मिला है। जिस वजह से यहां भारी मात्रा में लकड़ियों की तस्करी की जा रही है। हरिभूमि ने इस गांव का

अलग खबर

मुआयना किया तो यह बात सामने आई कि मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे इस गांव में रहने वाले लोगों को राशन लेने के लिए भी 8 किलोमीटर का लंबा सफर तय करना पड़ रहा है। गरियाबंद जिले के अंतर्गत आने वाले मैनपुर के अंतिम छोर में बसा ग्राम कोदोमाली, जो जंगल और पहाड़ी रास्तों को पारकर पहुंचा जाता है। इस गांव की जनसंख्या लगभग 730 के ⏭शेष पेज 7 पर

टाइगर रिजर्व का दंश झेल रहेः सरपंच

ग्राम पंचायत साहेबिन कछार की सरपंच चैतीबाई नायक ने बताया हमारे कोदोमाली गांव के उस पार ओडिशा का प्रथम गांव है, जहां बिजली, सड़क और सभी सुविधाएं है। हमारे यहां संवेदनशील क्षेत्र व टाइगर रिजर्व का हवाला देकर विकास कार्य नहीं हो रहा है। यदि सरकार चाहे तो एक दिन के भीतर हमारे इस क्षेत्र में बिजली पहुंच सकती है।

टाइगर रिजर्व क्षेत्र के कारण नहीं बन पा रही पक्की सड़क

बम्हनीझोला से साहेबिनकछार और साहेबिनकछार से आठ किलोमीटर कोदोमाली तक पहाड़ी पथरीली सड़क की स्थिति बेहद खराब है। टाइगर रिजर्व क्षेत्र होने के कारण यहां पक्की सडक का निर्माण नहीं किया जा रहा है। मैनपुर देवभोग नेशनल हाईवे मार्ग मे मैनपुर से 28 किलोमीटर दूर बम्हनीझोला और वहां से लगभग 25 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत साहे बिनकछार के आश्रित ग्राम कोदोमाली है। इस गांव तक पहुंचने के लिए छोटे-बड़े नदी-नालों और पहाड़ी खतरनाक रास्ते को पार किया जाता है। ग्राम पंचायत साहेबिनकछार की सरपंच चैतीबाई नायक, पूर्व सरपंच अर्जुन नायक, रूपसिंह मरकाम ने बताया कि छत्तीसगढ राज्य निर्माण के 25 वर्षों बाद भी आज तक कोई भी बड़े जन प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी इस गांव में नहीं आए हैं।

नक्सल प्रभावित राज्यों को नक्सल मुक्त करने घेराबंदी शुरू, तीन जिले के एसपी रख रहे निगरानी

आखिरी टारगेट अब हिड़मा, नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई के लिए जंगल में घुसे 2000 जवान

राजेश दास ⏭ जगदलपुर

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सल मुक्त करने का ऐलान किया है। मार्च में अब करीब पांच माह बचे हैं। इसे देखते हुए सुरक्षाबलों द्वारा नक्सल प्रभावित इलाकों में ऑपरेशन चलाया जा रहा है। कर्रेगुट्टा हिल्स में चलाए गए सबसे लंबे ऑपरेशन के बाद यह दूसरा ऑपरेशन है जो सुरक्षाबलों द्वारा हिड़मा समेत शीर्ष नक्सलियों को घेरने चलाया जा रहा है और इसकी मॉनिटरिंग कई जिले के एसपी कर रहे है।

माड़वी हिड़मा समेत सशस्त्र नक्सलियों की तलाश में सुरक्षाबलों की लगभग 12 टीम अलग अलग क्षेत्रों में ऑपरेशन चला रही हैं। जिसमें 2 हजार से अधिक जवान शामिल हैं। जवानों ने दक्षिण व पश्चिम बस्तर के जंगलों में नक्सलियों के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन शुरू किया है। बताया जा रहा है कि बीजापुर, सुकमा व दंतेवाड़ा जिले की संयुक्त कार्रवाई की तीनों जिले के एसपी नजर बनाए हुए हैं और यह ऑपरेशन पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) के बटालियन नंबर 1 के लीडर माडवी हिड़मा और उसकी बटालियन को घेरने के उद्देश्य से चलाया ⏭शेष पेज 7 पर

हरिभूमि खास

दूसरा सबसे बड़ा ऑपरेशन

कर्रेगुट्टा हिल्स में तीन सप्ताह तक चलाए गए सबसे बड़े ऑपरेशन के बाद इसे दूसरा सबसे बड़ा ऑपरेशन माना जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियां मान रही हैं कि हिड़मा, देवा, एर्रा जैसे बड़े लीडर इसी इलाके में छिपे हुए हैं। दक्षिण बस्तर के जंगलों में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन शुरू किया हैं जो की बीजापुर- सुकमा और दंतेवाड़ा जिले में चलाया जा रहा है। पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन में बड़ी मुडभेड़ की आशंका बनी हुई है। पूरे इलाके में ड्रोन से निगरानी रखी जा रही है और हेलीकॉप्टर भी स्टैंडबाय पर रखे गए हैं।

समर्पण के अलावा कोई रास्ता नहीं

पिछले कुछ माह में कई पोलित ब्यूरो व केन्द्रीय कमेटी मेंबर मुठभेड़ में मारे गए हैं और लगातार समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। बचे हुए माओवादियों को घेरने के लिए सुरक्षाबलों द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। प्रभावी कार्रवाई करने तीन जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

-सुंदरराज पी, आईजी बस्तर

हरियाणा में हमारे साथ अत्याचार हुआ तो नक्सली बना हथियार उठाना बेकार हुआ, अब कांकेर में खेती करूंगा

गरियाबंद में आत्मसमर्पित नक्सल कमांडर सुनील ने कहा, बंदूक से कुछ नहीं कर पाए, अब बंदूक नहीं, हल थामेंगे

गोरेलाल सिन्हा ⏭ गरियाबंद

गरियाबंद उदंती एरिया कमेटी के एरिया कमांडर सुनील उर्फ जगतार सिंह ने आत्मसमर्पण के बाद हरिभूमि से नक्सल आंदोलन के राज खोले। सुनील ने माना कि बंदूक उठाने से कोई लाभ नहीं हुआ। जनता के लिए कुछ कर नहीं पाए। आंदोलन भी अधूरा रह गया। सुनील ने कहा कि अब वह बंदूक छोड़कर खेती करना चाहता है। वह कहता है कांकेर मेरा ससुराल है, ⏭शेष पेज 7 पर

अब नक्सली संगठन बिखर चुका है

सीसी मेंबर और डीसीएम संगठन को दिशा नहीं दे पाए। जनता का भरोसा खत्म हो गया। सुरक्षाबलों के दबाव और जनता की दूरी ने संगठन को कमजोर कर दिया। उसने बताया कि वर्तमान में केवल 05 से 06 सीसी मेंबर बचे हैं जो छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड के सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय हैं। सुनील ने खुलकर बताया कि संगठन के खर्च का इंतजाम कैसे होता था। हम तेंदूपत्ता संग्रहण, ठेकेदार उगाही और जनता के स्वैच्छिक दान से फंड जुटाते थे।

हरियाणा से छत्तीसगढ़ तक का सफर, जंगलों में बीते 20 साल

सुनील 2015 तक हरियाणा में सक्रिय रहा, फिर 2016 में छत्तीसगढ़ के गरियाबंद क्षेत्र में स्थानांतरित हुआ और उदंती एरिया कमेटी में शामिल हुआ। वह कई बड़ी घटनाओं में शामिल रहा । 2018 में चिखली-अम्मोरा मुठभेड़, 2023 में करला झर जंगल की मुठभेड़, 2024 में गरीबा जंगल में कमांडर जग्गू की मौत और 2025 में मोतीपानी और कांडसरा मुठभेड़। उसने स्वीकार किया कि जब तक जंगल में थे, किसी की मौत का दुख नहीं होता था, लेकिन अब लगता है कि खून-खराबा बंद होना चाहिए।

जरिता लैतफलांग पर बृहस्पत का वार

कांग्रेस में फिर फूटा बृहस्पत बम, कहा-जरिता ने जिला अध्यक्ष बनाने मांगे पैसे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में एक बार फिर बृहस्पत बम फूटा है। कांग्रेस से निष्कासित पूर्व विधायक बृहस्पत सिंह ने संगठन सृजन के तहत अध्यक्ष बनाए जाने को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। बृहस्पत सिंह ने दो टूक लहजे में कहा कि सरगुजा संभाग के कई जिलों में जिला अध्यक्ष पद के दावेदारों को फोन आ रहा है। कथित तौर पर कांग्रेस की सहप्रभारी जरिता लैतफलांग के पीए फोन करते हैं। बाद में जरिता लैतफलांग से बात कराने की बात कही जाती है। जो ⏭शेष पेज 7 पर

जिला कांग्रेस ने थाने में दर्ज कराई शिकायत

बृहस्पति सिंह के बयान के बाद अब सरगुजा जिला कांग्रेस ने थाने में लिखित शिकायत देते हुए अपराध दर्ज करने की मांग की है। इसके साथ ही पार्टी स्तर पर भी कार्रवाई करने की बात कही है। जिला कांग्रेस कमेटी कोतवाली थाने पहुंचे थी। इस दौरान जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि बृहस्पति सिंह आदतन आधारहीन बयानबाजी करते है। इसी कारण आज वो पार्टी से निष्कासित हैं।

कपोल कल्पित बातें न करें बृहस्पतः डहरिया

कांग्रेस से निष्कासित पूर्व विधायक बृहस्पत सिंह के बयान ने पार्टी के भीतरखाने में एक बार फिर हलचल मचा दी है। पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने इस मामले में कहा कि बृहस्पत सिंह इस समय कांग्रेस से बाहर हैं। उन्हें इस तरह कपोल कल्पित बातें नहीं करनी चाहिए। कांग्रेस में पूरी पारदर्शिता से संगठन सृजन के तहत नियुक्तियां की जा रही हैं। कांग्रेस विधायक संगीता सिन्हा ने भी संगठन सृजन में पूरी तरह पारदर्शिता बरतने का दावा किया है।

रजिस्ट्री प्रक्रिया अब होगी आसान

छत्तीसगढ़ में जमीन की गाइडलाइन दर नियमों में बड़ा बदलाव, 77 से घटाकर किए 14 प्रावधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य शासन ने संपत्तियों के गाइडलाइन निर्धारण नियमों में बड़ा सुधार करते हुए नए नियम जारी किए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में वाणिज्यिक कर मंत्री ओ पी चौधरी ने विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया था कि नियमों को सरल बनाया जाए ताकि जनता को आसानी से समझ आए और क्रियान्वयन आसान हो। उसके बाद पूर्व प्रचलित नियमों में लगभग 77 प्रकार के निर्धारण प्रावधान थे, जिन्हें घटाकर अब गणना संबंधी केवल 14 प्रावधान रखे गए हैं। उल्लेखनीय है कि गाइडलाइन दरों की गणना इन नियमों के अनुसार की जाती है। जैसे मुख्य मार्ग की दूरी क्या होगी, कौन से तल में होने पर कितना वैल्यूएशन होगा, किन-किन परिस्थितियों में कितने-कितने मूल्य बढ़ेंगे आदि। इन नियमों के आधार पर जमीन की रजिस्ट्री के समय बाजार मूल्य का आकलन किया जाता है । गाइडलाइन दरों के निर्धारण संबंधी ये नियम वर्ष 2000 से बने हुए थे, इनमें कोई परिवर्तन या संशोधन नहीं हुआ था। वर्तमान नियमों में कई विसंगतियां थीं। संपत्ति के बाजार मूल्य की वास्तविक और तार्किक रूप से गणना जिसके कारण नहीं हो पाती थी। जैसे मुख्य मार्ग के आधार पर गाइडलाइन दरों की गणना का प्रावधान था, लेकिन पूरी गाइडलाइन में कहीं भी मुख्य ⏭शेष पेज 7 पर

खास खबर

एकीकृत तरीके से भूमि का मूल्यांकन

पूर्व प्रचलित नियमों में लगभग 77 प्रकार के निर्धारण प्रावधान थे, जिन्हें घटाकर अब गणना संबंधी केवल 14 प्रावधान रखे गए हैं। जिन्हें समझना आम जनता के लिए बेहद आसान होगा। पूर्व में कई अनावश्यक प्रावधान थे, जैसे नलकूप होने पर नलकूप का अलग मूल्य, सिंचित होने का अलग एवं दो फसली होने का अलग मूल्य जुड़ता था। यदि कोई गैर परंपरागत फसल लगी हो, तो उसका भी अलग मूल्य जुड़ता था। अब भूमि का मूल्यांकन एकीकृत तरीके से किया जाएगा। किसी एक कारक के परिणामी प्रत्येक प्रभाव के लिए अलग-अलग मूल्य गणना नहीं की जाएगी।नगर निगम, पालिका और नगर पंचायत एक ही गणना सिस्टम होगा।

साफ्टवेयर से स्वमेय लागू होंगे प्रावधान

गाइडलाइन संबंधी नियमों के पुनरीक्षण के लिए उद्देश्य निर्धारित किया गया था कि इन नियमों को सरल एवं संक्षिप्त और जनहितैषी बनाया जाए। साथ ही इसमें मानवीय हस्तक्षेप को कम करते हुए प्रक्रिया को सॉफ्टवेयर द्वारा स्वमेव लागू होने लायक प्रावधान तैयार किए जाएं। इन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए बनाए गए नए जारी बाजार मूल्य गणना संबंधी उपबंध 2025 में निम्नानुसार मुख्य प्रावधान किए गए हैं।

नया कॉलोनी विकसित करने पर बनेगा अलग गाइडलाइन

नए कॉलोनी-मोहल्ला मार्ग के लिए प्रावधान नगरीकरण के कारण शहरों में निरंतर नए कॉलोनी-मोहल्लों का निर्माण होता रहता है। विभाग द्वारा जारी नए नियम में यह प्रावधान किया गया है कि जब कोई नया मोहल्ला, कॉलोनी या परियोजना विकसित हो तो उसके लिए विशेष रूप से गाइडलाइन दर का निर्धारण किया जाएगा। गाइडलाइन पुनरीक्षण में इसके लिए प्रतीक्षा नहीं की जाएगी। राज्य शासन की मंशा संपत्ति के गाइडलाइन मूल्य निर्धारण को सरल, न्यायसंगत, पारदर्शी एवं जनहितैषी बनाना है। नए उपबंधों के माध्यम से मूल्य निर्धारण में मानवीय विवेकाधिकार समाप्त होगा और पूरी प्रक्रिया प्रौद्योगिकी-आधारित एवं निष्पक्ष बनेगी।

वैध दस्तावेज नहीं मिला

दुर्ग रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया बांग्लादेशी युवक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

शालीमार-कुर्ला एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को जीआरपी पुलिस ने बिना दस्तावेज के गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास पासपोर्ट, वीजा या भारत का कोई भी वैध दस्तावेज नहीं है। मिली जानकारी के मुताबिक दुर्ग ⏭शेष पेज 7 पर

मुंबई पुलिस साथ ले गई

दुर्ग जीआरपी ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद मुंबई पुलिस छत्तीसगढ़ पहुंचकर आरोपी को साथ लेकर गई। मुंबई पुलिस फ्लाइट से रायपुर पहुंचकर सड़क मार्ग से दुर्ग रेलवे स्टेशन पहुंची थी। अजमीर शेख मुंबई से भागकर कोलकाता के रास्ते बांग्लादेश लौटने का प्रयास कर रहा था। उसके अन्य साथियों का नेटवर्क भी भारत में सक्रिय हो सकता है।

भारत ने जीती टी20 सीरीज

2-1 से ऑस्ट्रेलिया को हराया, बारिश की वजह से रद्द हुआ 5वां मैच

एजेंसी ⏭ ब्रिसबेन

भारत ने शनिवार को यहां बारिश के कारण पांचवां और अंतिम मैच रद्द होने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैच की टी20 श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। गाबा मैदान पर बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद भारत ने सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (13 गेंद में नाबाद 23 रन) और शुभमन गिल (16 गेंद में नाबाद 29 रन) के साथ आक्रामक शुरुआत की। लेकिन बिजली चमकने से खेल रुक गया, तब भारत ने 4.5 ओवर में बिना किसी नुकसान के 52 रन बना लिए थे। इसके तुरंत बाद ही भारी बारिश आ गई जिससे मैच रद्द करना पड़ा।

प्लेयर ऑफ द सीरीज

अभिषेक शर्मा

05	मैच
163	रन
40.75	एवरेज
01	अर्धशतक

ऑस्ट्रेलिया में कभी भी टी-20 सीरीज नहीं हारा भारत

इस सीरीज के जीतने के साथ भारत का ऑस्ट्रेलिया की पिचों पर टी-20 सीरीज में नहीं हारने का रिकॉर्ड कायम है। टीम ने 2008 से अब तक ऑस्ट्रेलिया में 5 सीरीज खेली हैं। इनमें से 4 में जीत मिली है, जबकि दो ड्रॉ रही हैं।

पहला मैच भी चढ़ गया था बारिश की भेंट

श्रृंखला का पहला टी20 मैच भी बारिश की भेंट चढ़ गया था जबकि ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा मैच चार विकेट से जीता था। भारत ने तीसरे और चौथे मैच में क्रमशः पांच विकेट और 48 रन से जीत हासिल करते हुए जबरदस्त वापसी की। ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले एकदिवसीय श्रृंखला 2-1 से जीती थी।

बिहार चुनाव में डीएम को जांच करने के निर्देश

सड़क किनारे वीवीपैट पर्चियां, चुनाव अफसर सस्पेंड

एजेंसी ⏭ समस्तीपुर

बिहार के समस्तीपुर जिले में सड़क किनारे बड़ी संख्या में 'वोटर वेरीफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल' (वीवीपैट) मशीन से प्राप्त पर्चियां मिलने के बाद एक सहायक रिटर्निंग अधिकारी को शनिवार को निलंबित कर दिया गया और उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। यह जानकारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। जिले के सरायरंजन विधानसभा क्षेत्र में एक कॉलेज के पास सड़क किनारे वीवीपैट पर्चियां बिखरी हुई पाई गईं। इस घटना का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद निर्वाचन आयोग हरकत में आ गया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि जिलाधिकारी को तत्काल मौके पर जाकर जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। बयान में कहा गया, चूंकि ये पर्चियां 'मॉक पोल'

की हैं, इसलिए मतदान प्रक्रिया की अखंडता पर कोई असर नहीं पड़ा है। जिलाधिकारी ने इस संबंध में सभी प्रत्याशियों को भी सूचित कर दिया है। लेकिन लापरवाही बरतने के कारण सहायक रिटर्निंग अधिकारी को निलंबित किया जा रहा है और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। बयान में यह भी बताया गया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान छह नवंबर को 121 सीट के लिए हुआ था।

हाजीपुर स्ट्रांग रूम पर गड़बड़ी का आरोप

हाजीपुर में बनाए गए स्ट्रांग रूम को लेकर राजद ने गड़बड़ी का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार, वैशाली जिले में पहले चरण में आठ विधानसभा सीटों पर मतदान पूरा हुआ है। इसके लिए हाजीपुर के आर.एन. कॉलेज और आईआईटी कॉलेज हरिवंशपुर में स्ट्रांग रूम बनाए गए हैं, जहां 24 घंटे पुलिस और प्रशासन की निगरानी जारी है। इसी बीच राजद ने अपने एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट से एक वीडियो साझा करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी का दावा है कि देर रात एक पिकअप वैन को स्ट्रांग रूम से निकलते देखा गया, और उसी समय सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए गए।

संसद का शीत सत्र 1 दिसंबर से

19 दिन में 15 बैठकें, छोटे सेशन में हंगामे के आसार

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र एक से 19 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने शनिवार को घोषणा की। विपक्ष ने इसे बहुत देर से बुलाया गया और संक्षिप्त सत्र बताया। तीन सप्ताह के इस सत्र में कुल 15 बैठकें होंगी और इसके हंगामेदार रहने की उम्मीद है, क्योंकि यह सत्र निर्वाचन आयोग द्वारा 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को अंजाम दिए जाने के बीच हो रहा है।

इन मुद्दों पर हो सकता है हंगामा

यह सत्र 14 नवंबर को बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा के ठीक दो हफ्ते बाद शुरू होगा और इसके हंगामेदार रहने की उम्मीद है। कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्ष कई राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण और हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में कथित 'वोट चोरी' जैसे कई मुद्दे उठा सकता है।

भारत की महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीतकर न केवल खेल के मैदान में बल्कि देश के हर घर में गर्व, प्रेरणा और आत्मविश्वास का संचार किया है। यह विजय भारतीय खेल इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है, एक ऐसा क्षण जिसने यह साबित कर दिया कि अब महिला खिलाड़ी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि भारतीय नारी शक्ति की नई परिभाषा है। इस ऐतिहासिक जीत ने भारत की लाखों लड़कियों के दिलों में एक नया सपना जगाया है। जहां कभी क्रिकेट को पुरुषों का खेल माना जाता था, आज के बाद महिला क्रिकेट को भी बराबर का दर्जा दिया जाना चाहिए। 1983 की कपिल देव की टीम की तरह ही उन्होंने सिद्ध किया कि उनमें जोश जज्बे और देश के लिए कुछ करने के माद्दे की कमी नहीं है। अवसर को कैसे बनाया जाए इसकी मिसाल दी युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने, उनकी आक्रामक बल्लेबाजी, अनुभवी स्मृति मंधाना की सधी हुई पारी और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी, मिताली का कैच, रेणुका सिंह ठाकुर की गेंदबाजी का जिक्र तो होगा ही, सबसे ज्यादा जिक्र होगा इन खिलाड़ियों की टीम स्पिरिट और खेल भावना के नायाब प्रदर्शन का। महिला क्रिकेट के संघर्ष और सफलता का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

मुबारक हो उपेक्षित रात की स्वर्णिम सुबह

विश्लेषण

डॉ. घनश्याम बादल

स्वतंत्र पत्रकार

भारत की महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने अफ्रीका की मजबूत क्रिकेट टीम को 52 रन के भारी अंतर से हराकर आईसीसी महिला विश्व क्रिकेट कप पर ही कब्जा नहीं किया अपितु यह सिद्ध किया है कि अब भारत की लड़कियां दुनिया के किसी हिस्से की लड़कियों से कम नहीं हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीतकर न केवल खेल के मैदान में बल्कि देश के हर घर में गर्व, प्रेरणा और आत्मविश्वास का संचार किया है। एक ऐसा क्षण जिसने यह साबित कर दिया कि अब महिला खिलाड़ी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं।

दो नवंबर 2025 की रोशन रात भारतीय खेल जगत की एक ऐतिहासिक एवं स्वर्णिम घटना के रूप में याद की जाएगी जो भारत और यहां की लड़कियों तथा महिला खिलाड़ियों के लिए एक स्वर्णिम सुबह लेकर आई। यदि इस जीत को हमने देश के महिला जगत एवं खेल जगत के लिए एक अवसर के रूप में इस्तेमाल कर लिया तो आने वाली पीढ़ियों के लिए यह जीत यह एक 'टर्निंग प्वाइंट' सिद्ध होगी। भारत की महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने अफ्रीका की मजबूत क्रिकेट टीम को 52 रन के भारी अंतर से हराकर आईसीसी महिला विश्व क्रिकेट कप पर ही कब्जा नहीं किया अपितु यह सिद्ध किया है कि अब भारत की लड़कियां दुनिया के किसी हिस्से की लड़कियों से कम नहीं हैं।

भारत की महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीतकर न केवल खेल के मैदान में बल्कि देश के हर घर में गर्व, प्रेरणा और आत्मविश्वास का संचार किया है। यह विजय भारतीय खेल इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है, एक ऐसा क्षण जिसने यह साबित कर दिया कि अब महिला खिलाड़ी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि भारतीय नारी शक्ति की नई परिभाषा है।

खेल से मंत्रमुग्ध किया

पूरे टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम ने अपने खेल से मंत्रमुग्ध किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में टीम ने हर चुनौती, हार-जीत और उतार चढ़ाव का डटकर सामना किया और लीग चरण से लेकर फाइनल तक अपनी रणनीति, अनुशासन और टीम भावना के बल पर देश को विश्व चैंपियन बनाया। इस विश्व कप के फाइनल में जीत का परचम लहराने वाली इन लड़कियों का सामना हार से भी हुआ और वह लगातार तीन मैच ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड तथा दक्षिण अफ्रीका से हारी। जब वह हार रही थीं तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि ये शेरनियां पलट कर ऐसा वार भी कर सकती हैं। 1983 की कपिल देव की टीम की तरह ही उन्होंने सिद्ध किया कि उनमें जोश जज्बे और देश के लिए कुछ करने के माद्दे की कमी नहीं है। अवसर को कैसे बनाया जाए इसकी मिसाल दी युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने, उनकी आक्रामक बल्लेबाजी, अनुभवी स्मृति मंधाना की सधी हुई पारी और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी, मिताली का कैच, रेणुका सिंह ठाकुर की गेंदबाजी का जिक्र तो होगा ही, सबसे ज्यादा जिक्र होगा इन खिलाड़ियों की टीम स्पिरिट और खेल भावना के नायाब प्रदर्शन का। सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीम को हराना ऐतिहासिक था।

टीम का जज्बा और संकल्प

फाइनल में 52 रन की बड़ी जीत इस टीम के जज्बे और संकल्प को रेखांकित करती है। इस मैच में भारतीय टीम ने न केवल तकनीकी श्रेष्ठता बल्कि मानसिक दृढ़ता का परिचय दिया। हर खिलाड़ी ने टीम की सफलता में योगदान दिया, चाहे वह फील्डिंग में चपलता हो या आखिरी ओवरों में दबाव झेलने की क्षमता। इस विजय का सबसे बड़ा कारण टीम स्पिरिट और आपसी विश्वास था। हर खिलाड़ी ने अपनी भूमिका को बखूबी समझा और व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक टीम की जीत को प्राथमिकता दी। इस टीम के कोच और देश के अंदरूनी क्रिकेट के सचिन तेंदुलकर कहे जाने वाले अनमोल मजूमदार की कभी नीली जर्सी ना पहन पाने की टीस भी इन लड़कियों ने खत्म कर दी। उनकी कोचिंग,कोचिंग स्टाफ और सपोर्ट टीम की भी खिलाड़ियों को मानसिक रूप से तैयार करने में अहम भूमिका रही। टीम की यह एकजुटता और सामूहिक प्रयास उस परंपरा का प्रतीक है जिसमें सामूहिक सफलता को सर्वोच्च माना जाता है। महिला खिलाड़ियों ने यह दिखा दिया कि सफलता केवल व्यक्तिगत प्रतिभा से नहीं, बल्कि सामूहिक समर्पण और एक-दूसरे पर भरोसे से हासिल होती है। इस ऐतिहासिक जीत ने भारत की लाखों लड़कियों के दिलों में एक नया सपना जगाया है। जहां कभी क्रिकेट को पुरुषों का खेल माना जाता था, आज के बाद महिला क्रिकेट को भी बराबर का दर्जा दिया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि सरकार और समाज तथा प्रमोटर पैसे की बारिश कर सकते हैं लेकिन सबसे ज्यादा जरूरत है।

सामाजिक मानसिकता बदलेगी

'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ' की तर्ज पर ही 'बेटी खिलाओ, बेटी बढ़ाओ' जैसे अभियान यथार्थ के धरातल पर चलाए जाने चाहिए। बेशक, यदि सब ठीक रहे तो यह जीत सामाजिक मानसिकता में बड़ा परिवर्तन लाएगी। अब माता-पिता अपनी बेटियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। महिला खेल अकादमियों की स्थापना व वृद्धि के साथ वहां की दशा एवं दिशा दोनों में सुधार की गति को बढ़ाना होगा। उम्मीद करनी चाहिए कि यह जीत इन प्रयासों को और गति देगी। विश्व चैंपियन बनने के साथ ही भारतीय महिला क्रिकेट एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। यह विजय न केवल खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बढ़ाएगी बल्कि महिला क्रिकेट के बुनियादी ढांचे को भी सुदृढ़ करेगी और विश्व कप की जीत से इसकी लोकप्रियता और निवेश दोनों में वृद्धि होगी, ऐसी उम्मीद करना अनुचित नहीं होगा।

सरकार को देना होगा ध्यान

नए स्पॉन्सर, बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक मैचों की संभावना आने वाले वर्षों में भारत को विश्व की सबसे मजबूत महिला क्रिकेट संरचनाओं में से एक बना सकता है। महिला क्रिकेट की इस अभूतपूर्व सफलता को बनाए रखने के लिए सरकार और समाज दोनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सरकार को चाहिए कि वह महिला खिलाड़ियों को उचित आर्थिक सहायता, विश्वस्तरीय प्रशिक्षण केंद्र और खेल उपकरण उपलब्ध कराए। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में महिला क्रिकेट अकादमियों की स्थापना से नई प्रतिभाओं को मौका मिलेगा। साथ ही, खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स कोटा के तहत नौकरियों और प्रोत्साहनों से सम्मानित करना चाहिए ताकि वे आर्थिक रूप से सुरक्षित रहते हुए अपने खेल पर पूरा ध्यान दे सकें। मीडिया और निजी क्षेत्र को भी महिला क्रिकेट को उसी स्तर की पहचान देनी चाहिए जैसी पुरुष क्रिकेट को दी जाती है। यह ट्रॉफी भारत के लिए केवल एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण का प्रतीक है। इस जीत ने यह संदेश दिया है कि यदि अवसर मिले तो भारतीय महिलाएं किसी भी क्षेत्र में विश्व विजेता बन सकती हैं।

मगर याद यह भी रखना होगा कि जीत की परंपरा कायम रखना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। इसलिए इससे खुश होने के साथ-साथ इसे बरकरार रखने के लिए कड़े परिश्रम की भी जरूरत होगी।

क्रिकेट के आकाश पर छाई भारत की बेटियां

जय हो

रोहित माहेश्वरी

स्वतंत्र पत्रकार

नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीमों के बीच वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल मुकाबला खेला गया। इसमें टीम इंडिया ने मेहमान टीम को 52 रनों से हराकर इतिहास रच दिया है। इंडियन विमेंस क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारत ने ये करिश्मा करके दिखाया है। इसका जश्न आज पूरा भारत मना रहा रहा है। भारत की बेटियों की जय हो! वाह, क्या खेल दिखाया है? क्या जुझारू पारी और एकाग्रता की मिसाल कायम की है? विश्व कप में भारत की बेटियों ने जो खेल खेला है, वह वाकई अद्भुत, अप्रत्याशित, अभूतपूर्व, अकल्पनीय, अतुलनीय है! यह सिर्फ एक जीत नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के दिलों में बसी उम्मीदों का चरमोत्कर्ष था। यह आधी आबादी को संबल देने वाली जीत है जो नजीर बन गई उनके लिए जो एक मुकाम हासिल करना चाहती हैं। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच रोमांचक फाइनल मुकाबले पर हर किसी की नजरें बनी हुई थीं। 25 साल के विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप के इतिहास में एक बार फिर से महिला क्रिकेट टीम के सामने एक सुनहरा मौका था और उन्होंने इसमें बाजी मारते हुए विश्वे विजेता बनकर देश का मान और गौरव बढ़ा दिया है। विमेंस क्रिकेट वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत ने साउथ अफ्रीका जीत के लिए 299 रनों का बड़ा लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में पूरी मेहमान टीम 45.3 ओवर में 246 रनों पर सिमट गई और 52 रनों से टीम इंडिया ने ये मैच जीत लिया। भारत और हम भारतीयों को अपेक्षाएं ही नहीं थीं। हमने महिला क्रिकेट तो क्या, महिला खिलाड़ियों को कभी गंभीरता से नहीं लिया। फाइनल मैच से पहले सेमीफाइनल में भारत की बेटियों ने जो करिश्मा कर दिखाया। उसकी बात करना जरूरी जान पड़ता है। असल में वो मैच निर्णायक मैच तो था ही। वहीं उस मैच में मिली जीत ने टीम इंडिया के आत्मविश्वास का स्तर बहुत ऊंचा कर दिया था। महिला टीम इंडिया ने 7 बार की विश्व चैम्पियन और लगातार 15 मैचों की अजेय ऑस्ट्रेलिया टीम को पराजित कर विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया,वो पल खेल के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गए। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने ग्रुप स्तर पर टीम इंडिया के 330 रनों का सफल चेज कर जीत हासिल की थी। लिहाजा सेमीफाइनल मुकाबले में किसी अतिरिक्त करिश्मे की उम्मीद नहीं थी, लेकिन जेमिमा रोड्रिग्स के रूप में मानो कोई फरिश्ता उतर आया और उसने अभूतपूर्व करिश्मा कर दिखाया। जेमिमा को इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में 'ड्रॉप' किया गया था। जेमिमा की फॉर्म भी अच्छी नहीं थी। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसने 70 से अधिक रन ठोके थे। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने 338 रन का पहाड़-जैसा लक्ष्य दिया था। जवाब में जब टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज-शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना-अपेक्षाकृत कम स्कोर पर आउट हो गए, तो भारत की पारी डूबती-सी लगी। उन स्थितियों में जेमिमा ने नाबाद 127 रन (134 गेंद, 14 चौके) बनाकर न केवल विश्व कप का अपना पहला शतक लगाया, बल्कि कप्तान हरमनप्रीत कौर (88 गेंद पर 89 रन) के साथ तीसरे विकेट की साझेदारी में 167 रन (156 गेंद) बना कर 'पहाड़' की ऊंचाई को एक हद तक कम कर दिया।

> *विश्व कप में भारत की बेटियों ने जो खेल खेला है, वह वाकई अद्भुत, अप्रत्याशित, अभूतपूर्व, अकल्पनीय, अतुलनीय है! यह 140 करोड़ भारतीयों के दिलों में बसी उम्मीदों का चरमोत्कर्ष था।*

जेमिमा ने दीप्ति शर्मा के साथ 38 रन (34 गेंद), ऋचा घोष के साथ 46 रन (31 गेंद) और अमनजोत कौर के साथ नाबाद 31 रन (15 गेंद) जोड़े और एक अविश्वसनीय-सी लग रही जीत पर मुहर लगा दी। विश्व कप का यह सबसे बड़ा और सफल चेस रहा। भारत ने 1978 में पहली बार महिला विश्व कप में हिस्सा लिया था। 2005 व 2017 में मिताली राज की कप्तानी में भारत फाइनल तक पहुंचा, पर दोनों बार ट्रॉफी हाथ से फिसल गई। आखिरकार हरमनप्रीत की कप्तानी में टीम विश्व विजेता बन गई। महिला टीम की यह पहली आईसीसी ट्रॉफी है। यह जीत सिर्फ मैदान की नहीं, बल्कि मानसिकता की जीत है। अब गांव-शहर की लड़कियां क्रिकेट को करियर के रूप में देखेंगी। माता-पिता भी बेटियों को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। 'लड़की होकर क्रिकेट' जैसी पुरानी सोच को यह जीत हमेशा के लिए बदल देगी। शेफाली, दीप्ति और हरमनप्रीत जैसी खिलाड़ी अब हर लड़की की प्रेरणा बनेंगी। कोहली, गिल की तरह ही अब हमारी लड़कियां भी नए हेयरस्टाइल, टैटू के साथ युवाओं के लिए नई सुपरस्टार और रोल मॉडल होंगी। यह ट्रॉफी सिर्फ एक खिताब नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, समान अवसर और नए भारत की नारी शक्ति का उदाहरण बन जाएगी।

महिला क्रिकेट टीम ने रचा विश्व कप का नया इतिहास

कीर्तिमान

डॉ. प्रियंका सौरभ

स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर वर्ष 2025 का क्रिकेट विश्व कप जीत लिया है। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि उस अदम्य जज़्बे, संकल्प और संघर्ष का प्रतीक है जिसने वर्षों से भारतीय बेटियों को खेल के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है। यह क्षण हर भारतीय के लिए गर्व, उत्साह और प्रेरणा का है, क्योंकि यह सिर्फ़ मैदान की जीत नहीं, बल्कि मानसिकता की भी जीत है। भारतीय महिला क्रिकेट का यह गौरवशाली अध्याय उस लंबे सफर का परिणाम है, जो संघर्ष, सीमित संसाधनों और सामाजिक बाधाओं के बीच शुरू हुआ था। एक समय ऐसा भी था जब महिला क्रिकेट को गम्भीरता से नहीं लिया जाता था, न दर्शक होते थे, न प्रायोजक। लेकिन समय बदला, और इन बेटियों ने अपने खेल, समर्पण और प्रतिभा के बल पर पूरी दुनिया को दिखा दिया कि खेल का मैदान किसी एक लिंग की बपौती नहीं है। आज जब भारत विश्व कप जीतकर विश्व का सिरमौर बना है, तो यह जीत हर उस बेटी की आवाज़ है जिसने अपने सपनों को समाज की बंदिशों से ऊपर रखा। यह जीत केवल एक खेल प्रतियोगिता की विजय नहीं है, बल्कि यह उस मानसिक परिवर्तन का प्रतीक है जो भारत में महिलाओं की स्थिति और दृष्टिकोण को लेकर हो रहा है। कभी जिन बेटियों को कहा जाता था कि "खेल लड़कियों का काम नहीं", वही आज विश्व चैंपियन बनी खड़ी हैं।

> *यह जीत केवल एक खेल प्रतियोगिता की विजय नहीं है, बल्कि यह उस मानसिक परिवर्तन का प्रतीक है जो भारत में महिलाओं की स्थिति और दृष्टिकोण को लेकर हो रहा है।*

इस जीत ने समाज को यह संदेश दिया है कि अगर अवसर मिले तो भारतीय महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं। आज ये खिलाड़ी सिर्फ़ खेल नहीं रही हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नया रास्ता तैयार कर रही हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम का यह गौरवशाली प्रदर्शन वर्षों के परिश्रम का परिणाम है। महिला आईपीएल ने खिलाड़ियों को मंच और आत्मविश्वास दोनों दिया। छोटे शहरों और कस्बों से आने वाली खिलाड़ी जैसे कि प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, स्नेह राणा, राधा यादव और रेणुका ठाकुर ने दिखा दिया कि प्रतिभा किसी भौगोलिक सीमा की मोहताज नहीं होती। इन खिलाड़ियों ने न केवल मैदान में बल्कि देश के हर घर में प्रेरणा की नई कहानी लिख दी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और खेल मंत्रालय ने पिछले कुछ वर्षों में महिला क्रिकेट को लेकर जो नीतिगत बदलाव किए हैं, वे इस सफलता की बुनियाद बने। समान वेतन नीति ने खिलाड़ियों को आत्म-सम्मान दिया, जबकि बेहतर कोचिंग सुविधाएँ और घरेलू टूर्नामेंट्स ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया। यह देखना सुखद है कि अब महिला क्रिकेट को भी वही सम्मान और प्रसारण मिल रहा है जो पुरुष टीम को मिलता है।

जीत के जश्न का दमदार आगाज

मोनिका डागा

नई ऐतिहासिक जीत के जश्न का दमदार आगाज किया है,
घर में छुपी बंद मुस्कुराहटों को बिखेरने का साज दिया है,
बेटियों ने बेटियों को भविष्य का एक सुंदर ख़्वाब दिया है,
बुलंद हौसलों से कठिनाइयों को मुँह तोड़ जवाब दिया है ।

तोड़कर बंदिशें तपस्या से दृढ़ संकल्प को संजीव किया है,
प्रतिभाशाली व्यक्तिव से जड़ों को मजबूत अतीव किया हैं
ख़्वाबों को हक़ीक़त की धरातल पर श्रम से रंगीन किया है,
खुशियों के आँसू दे धड़कनों को आनंद यूं नवीन दिया हैं।

पैनी नज़र लक्ष्य की पकड़ संग धैर्य का समावेश किया है,
हार को जीत में ढालना है संभव श्रेष्ठतम परिवेश दिया हैं,
आत्म विश्वास और उत्साह की किरणों का प्रकाश दिया हैं,
अरबों आंखों में पल रहे रंगीन सपनों को आकाश दिया है ।

सर्पीले रास्तों पर पसीने का चमकता शीतल चंदन दिया है,
भारत का ही नहीं विश्व की धड़कनों को नया स्पंदन दिया है,
संगठन की ताकत और समर्पण का जज़्बा प्रस्तुत किया है,
जीत कर वूमेन्स वर्ल्ड कप अलग उदाहरण अद्भुत दिया हैं।

खुद पर करना होगा यकीं ऐसा महत्वपूर्ण अभ्यास दिया हैं,
जोर शोर हिलोर मचाने को रचने को नया इतिहास दिया है,
नीली जर्सी में बेटियों ने शानदार जीत को अंजाम दिया हैं,
दबी चाहतों को अर्जुन के तीर सा लक्ष्यभेदी पैगाम दिया हैं ।

म्हारी छोरियां, छोरों से कम नहीं...

इनामों की बरसात

आईसीसी महिला विश्व कप में भारतीय टीम की जीत के बाद से ही देश में जश्न है और लोग बेटियों को बधाई देते नहीं थक रहे हैं. इस जीत के साथ ही भारतीय टीम पर लगातार इनामों की बरसात हो रही है।

▶▶ बीसीसीआई ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को सम्मान के तौर पर 51 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। इसमें सभी खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ और राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य शामिल हैं।

▶▶ मध्यप्रदेश सरकार ने टीम की सदस्य क्रांति गौड़ को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए एक करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की है।

▶▶ हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर को 1 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि देने का ऐलान किया।

▶▶ रियल एस्टेट कंपनी ओमैक्स लिमिटेड ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमन प्रीत कौर को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है।

▶▶ उत्तर प्रदेश में दीप्ति शर्मा को उपाधीक्षक बनाया गया है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने लिख डाली नई गौरव-गाथा

विश्व कप क्रिकेट

सुनील कुमार महला

स्वतंत्र पत्रकार

दो नवंबर 2025 का दिन अपने-आप में ऐतिहासिक बन गया और हम सभी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। दरअसल, इस दिन हमारे देश की महिला क्रिकेट टीम 'विश्व विजेत्री' बन गई। रविवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में सात विकेट पर 298 रन बनाए तथा जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 45.3 ओवर में 246 रन पर ऑलआउट हो गई। इस मैच में साउथ अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी, लेकिन भारत ने यह मुकाबला 52 रन से जीत लिया और पहली बार महिला टीम वनडे विश्व कप का खिताब जीतने में कामयाब रही। हालांकि,लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वूलवार्ट ने अकेले दम पर लड़ाई लड़ी। उन्होंने दबाव में रहते हुए भी शानदार बल्लेबाजी की और लगातार दूसरा शतक जड़ते हुए 101 रन बनाए। कहना ग़लत नहीं होगा कि उनकी पारी ने मैच को काफ़ी रोमांचक बनाए रखा, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिल सका। इधर, हरमनप्रीत कौर ने भारतीय टीम का नेतृत्व किया और अब वह कपिल देव, एमएस धोनी और रोहित शर्मा जैसे महान कप्तानों की श्रेणी में शामिल हो गई हैं, विशेष बधाई और शुभकामनाएं। वास्तव में, यह दर्शाता है कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से कम नहीं हैं। आज हमारे देश की महिलाएं हर क्षेत्र में कीर्तिमान पर कीर्तिमान स्थापित कर रहीं हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो आज महिला सशक्तीकरण हो रहा है।

महिलाएं हर क्षेत्र में आगे

सच तो यह है कि आज महिलाएं जीवन के हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। वे राजनीति, विज्ञान, शिक्षा, खेल, रक्षा, अंतरिक्ष और उद्योग जगत तक में उत्कृष्ट योगदान दे रही हैं। और तो और तकनीकी और चिकित्सा क्षेत्र में भी उनकी भूमिका तेजी से बढ़ी है। यह साबित करता है कि महिलाएं अब सीमाओं को तोड़कर हर क्षेत्र में अग्रणी बन चुकी हैं। हम यहां यह बात खुले दिल से कह सकते हैं कि महिला सशक्तीकरण का स्वर अब क्रिकेट के मैदानों में भी गूंजने लगा है। आज भारतीय महिला खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से विश्वभर में देश का नाम रौशन कर रही हैं। खेल के माध्यम से

महिला सशक्तीकरण का स्वर अब क्रिकेट के मैदान में भी गूंजने लगा है। आज भारतीय महिला खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से विश्वभर में आत्मविश्वास, नेतृत्व और स्वतंत्र सोच का परिचय दे रही हैं।

महिलाएं आत्मविश्वास, नेतृत्व और स्वतंत्र सोच का परिचय दे रही हैं। जहां तक क्रिकेट की बात है तो, क्रिकेट भी अब सिर्फ पुरुषों का खेल नहीं रहा है, बल्कि यह अब समान अवसर और सम्मान का प्रतीक बन गया है। यह बदलाव समाज में महिलाओं की बढ़ती ताकत और उनकी नई पहचान का सशक्त उदाहरण है। बताते चलें कि 25 जून 1983 को कपिल देव के नेतृत्व में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार क्रिकेट विश्व कप जीतकर देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया था। वही इतिहास अब दोबारा लिखा गया है, पर इस बार बल्ला थामा हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को करारी शिकस्त देकर विश्व क्रिकेट में एक नया स्वर्ण अध्याय जोड़ दिया है।

भारतीय नारी शक्ति की जीत

यह जीत सिर्फ एक खेल की जीत नहीं, बल्कि भारतीय नारी शक्ति की उड़ान का प्रतीक है। हर महिला खिलाड़ी ने मैदान पर ऐसा जज़्बा दिखाया, मानो 1983 की आत्मा फिर से जीवित हो उठी हो। करोड़ों भारतीयों के दिलों में गर्व और खुशी का सैलाब उमड़ पड़ा है। महिला क्रिकेट की यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी कि मेहनत और हौसले से कोई भी सपना असंभव नहीं। अब भारत न केवल पुरुष क्रिकेट का, बल्कि महिला क्रिकेट का भी विश्व विजेता बन चुका है। कहना ग़लत नहीं होगा कि वास्तव में यह सच्चे अर्थों में 'नए भारत' का गौरव क्षण है। इस खिताबी जीत में शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा का अहम योगदान रहा। रोहतक की शेफाली ने पहले 78 गेंद पर 87 रन बनाए और फिर बाद में अपनी फिरकी का जादू चलाते हुए शीर्ष पांच में से दो साउथ अफ्रीकी बैटर्स के विकेट भी निकाले। दीप्ति शर्मा ने 58 रन बनाए और शानदार गेंदबाजी करते हुए अपनी ऑफ-स्पिन से 39 रन देकर 5 विकेट भी लिए। वास्तव में सच तो यह है कि भारतीय जीत की वास्तुकार बनीं ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा।

उन्होंने ही निर्णायक क्षणों में शतकवीर वूलवार्ट का विकेट लिया, जिससे दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदें टूट गईं। उनकी इस जादुई गेंदबाजी ने टीम इंडिया की जीत सुनिश्चित की। शेफाली वर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि दीप्ति शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक जीत से देशभर में महिलाओं के खेल के प्रति नजरिया और भी सकारात्मक होगा। यह जीत न केवल खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को नई ऊँचाइयाँ देगी, बल्कि आने वाली पीढ़ी की लड़कियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। दूसरे शब्दों में कहें तो यह जीत देश भर में महिला क्रिकेट के प्रति जागरूकता और समर्थन को भी बढ़ाएगी। उम्मीद है कि इस सफलता से महिला क्रिकेट को और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा

तुर्की का बड़ा कदम

नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

एजेंसी ▶▶ इस्तांबुल

तुर्की ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समेत 37 व्यक्तियों के खिलाफ गिरफ्तारी का वारंट जारी कर दिया है। तुर्की के इस्तांबुल मुख्य लोक अभियोजक कार्यालय ने गाजा युद्ध से जुड़े नरसंहार के आरोप में ये वारंट जारी किए हैं। अभियोजक कार्यालय का कहना है कि इजरायल गाजा पट्टी में नागरिकों को व्यवस्थित रूप से निशाना बना रहा है। इजरायल हमास के खिलाफ युद्ध लड़ रहा है। यह संघर्ष 7 अक्टूबर 2023 को आतंकवादी संगठन हमास द्वारा इजरायली नागरिकों पर किए गए हमलों के बाद शुरू हुआ था।

इजरायल बार-बार खारिज करता है आरोप

वारंट में कथित तौर पर युद्ध के शुरुआती दिनों की कुछ घटनाओं का उल्लेख किया गया है, जिनमें 17 अक्टूबर 2023 को अल-अहली बैपटिस्ट अस्पताल की घटना भी शामिल है।

वोटिंग से 3 दिन पहले लेडी एसएसपी सस्पेंड

तरनतारन। भारत चुनाव आयोग ने तरनतारन की एसएसपी डॉ. रवजोत कौर ग्रेवाल को सस्पेंड कर दिया है। यह कार्रवाई तरनतारन उपचुनाव से ठीक 3 दिन पहले की गई है। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) ने प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) सिबिन सी को ग्रेवाल के खिलाफ शिकायत दी थी। उन पर आम आदमी पार्टी की कठपुतली बनकर अकाली दल के कार्यकर्ताओं पर झूठे मुकदमे दर्ज कर गिरफ्तार करने का आरोप लगाया था।

स्कूटी सवार का कटा 21 लाख का चालान

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां पुलिस ने एक स्कूटी का 20 लाख 74 हजार रुपये का चालान कर दिया। अब यह विवादित चालान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिससे पुलिस महकमे में भी हड़कंप मच गया है। जिसके बाद अधिकारी इस मामले में अपनी सफाई दे रहे हैं। दरअसल बीती 4 नवंबर को नई मंडी कोतवाली क्षेत्र स्थित गांधी कॉलोनी चौकी पर एक स्कूटी सवार अनमोल सिंघल का 20 लाख 74 हजार रुपये का चालान कर दिया था।

कुपवाड़ा में एक्शन

एलओसी में घुसपैठ की कोशिश 2 आतंकी ढेर

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में शनिवार को सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। भारतीय सेना को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार से शुक्रवार को घुसपैठ की खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद आतंकियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन चलाया था। भारतीय सेना की यूनिट चिनार कॉर्प्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों की जवाबी फायरिंग में दो आतंकी मारे गए। ऑपरेशन अभी जारी है। सेना ने इसे 'ऑपरेशन पिंपल' नाम दिया है।

26 दिन पहले भी दो आतंकी मारे गए थे

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में 13 अक्टूबर को सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को मार गिराया था। यह ऑपरेशन भारत-पाकिस्तान बॉर्डर (एलओसी) के पास कुंबकडी के जंगल में चला था। आतंकियों ने यहां से घुसपैठ की कोशिश की थी, जिसे सुरक्षाबलों ने नाकाम किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सीतामढ़ी से विपक्ष पर बोला हमला

'राजद के लोग बच्चों को बड़े होकर 'रंगदार' बनने प्रोत्साहित करते हैं'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए दूसरे चरण के प्रचार के लिए सीतामढ़ी में पहुंचे और यहां उन्होंने विपक्षी गठबंधन पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आरजेडी के लोग बच्चों को बड़े होकर 'रंगदार' बनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि मुझे इस तरह के प्रचार से दुख होता है। ऐसी सरकार बिल्कुल नहीं होना चाहिए, जिसमें कट्टा, कुशासन, क्रूरता और भ्रष्टाचार हो। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी एक एक वायरल वीडियो का जिक्र कर रहे थे, जिसमें केशव कुमार नाम का एक बच्चा लालू यादव और तेजस्वी यादव का चेहरा वाला झंडा पकड़े हुए दिखाई दे रहा है। रिपोर्टर बच्चे से पूछता है कि बड़े होकर तुम क्या बनना चाहते हो? बच्चे ने जवाब दिया, बड़ा होकर, रंगदार बनना है। रंगदार बनकर लूट पाट करेंगे, मार देंगे।

बिहार में विस चुनाव के लिए 11 को होगा दूसरे चरण का मतदान

लोग नहीं दे रहे महागठबंधन को वोट

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि लोग बिहार में आरजेडी वाले महागठबंधन को वोट नहीं दे रहे हैं क्योंकि उन्हें डर है कि अगर वे सत्ता में आ गए तो उनकी सरकार उनके सिर पर कट्टा रख देगी और उन्हें हाथ ऊपर करने का आदेश देगी। उन्होंने कहा कि मैं जहां भी जाता हूं, वहां प्रचलित भावना यही पाता हूं कि हम कट्टा सरकार नहीं चाहते, हम फिर से एनडीए सरकार चाहते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि लोग ऐसा शासन नहीं चाहते जो उनके सिर पर कट्टा रखकर उन्हें हाथ ऊपर करने को कहे। लोग हाथ ऊपर नहीं, बल्कि स्टार्टअप चाहते हैं, जिसे एनडीए आगे बढ़ाएगा। एनडीए कट्टा से दूर रहता है और स्कूल बैग, कंप्यूटर, क्रिकेट बैट और हॉकी स्टिक को बढ़ावा देता है।

'बिहार से घुसपैठियों को निकाल बाहर करेंगे'

कटिहार। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को कटिहार जिले के कोढ़ा की चुनावी सभा में कहा, बिहार में हुए पहले चरण के चुनाव में लालू एंड कंपनी का सूपड़ा साफ हो गया है। प्रथम चरण में ही बिहार में प्रचंड बहुमत से एनडीए सरकार बनाने की नींव रखी जा चुकी है। उन्होंने जनता से आग्रह करते हुए कहा कि दूसरे चरण में सीमांचल वालों को इस तरह से मतदान करना है कि राजद और 'जंगलराज' वाले दूर-दूर तक दूरबीन से भी दिखायी न पड़े। शाह ने कहा कि आप लोगों ने जरा भी गलती किया तो जंगल राज वाले कपड़ा बदलकर, भेष बदलकर, चेहरा बदलकर आने के लिए तैयार है। जंगलराज आयेगा तो घुसपैठिये पूरे सीमांचल को बर्बाद कर देंगे। यह घुसपैठिये युवाओं का नौकरी खा जाते हैं। गरीबों के राशन खा जाते हैं। देश को असुरक्षित करते है। एनडीए सरकार बना दो, सीमांचल और बिहार से एक-एक घुसपैठिये को देश से बाहर कर देंगे।

'बाहरी बिहार को झुकाने में लगे, बिहारी झुकेगा नहीं'

एजेंसी ▶▶ नवादा

तेजस्वी ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को नवादा की सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने उनके पीछे 30-30 हेलीकॉप्टर लगा दिए हैं। बाहरी लोग बिहार को झुकाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन बिहारी झुकने वाले नहीं हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि बिहार का हेलीकॉप्टर हमेशा आगे रहेगा। अपनी चुनावी सभा में तेजस्वी यादव ने कई बड़े वादे किए। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार बनने पर हर घर में एक सरकारी नौकरी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बिहार को ऐसा बनाने का संकल्प लिया, जिससे किसी भी बिहारी भाई को रोजगार के लिए बाहर न जाना पड़े। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सिंचाई के लिए बिजली पूरी तरह मुफ्त करने और शराबबंदी कानून से पासी समाज को बाहर करने की बात कही।

'20 साल कुछ नहीं दिया और चुनाव आए तो दिए 10 हजार'

एजेंसी ▶▶ कटिहार

कटिहार की चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भाजपा पर तीखे और अनूठे अंदाज में हमला बोला। उन्होंने महिला मतदाताओं से भाजपा की तुलना एक ऐसे शराबी और अत्याचारी पति से की, जो सालों तक पत्नी को पीटने के बाद चुनाव के समय एक साड़ी देकर उसे बहलाने की कोशिश करता है। प्रियंका ने कहा कि ये लोग (भाजपा) आपको आज 10-10 हजार रुपये दे रहे हैं। क्या इन्होंने पहले कभी दिए थे? नहीं। ये इसलिए दे रहे हैं क्योंकि चुनाव है।

पैसे ले लेना पर वोट मत देना : *प्रियंका ने कहा कि सोचिए, अगर आपकी कोई सहेली होती जिसका पति रोज उसे डांटता, पीटता और फिर एक दिन अचानक उसके लिए एक साड़ी ले आता, तो आप अपनी सहेली को क्या सलाह देतीं? आप यही कहतीं ना कि इसकी बातों में मत आना। यह 10 साल से तुम्हें पीट रहा है। इसके बहकावे में मत आना। ठीक इसी तरह, बीजेपी वालों ने सोचा कि चुनाव आ गए हैं, तो महिलाओं को 10 हजार रुपये दे दो और वोट मिल जाएगा।*

फॉर्म–जी
रुचि की अभिव्यक्ति हेतु आमंत्रण
कैंडिड गार्ड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
रायपुर, छत्तीसगढ़ में जनशक्ति एवं सुरक्षा व्यवसाय में कार्यरत
(दिवाला और शोधन अक्षमता (कॉरपोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया) विनियमावली, 2016 के विनियम 36ए के उप-विनियम(1) के अधीन)

प्रासंगिक विवरण

1.	पैन/सीआईएन/एलएलपी संख्या के साथ कॉर्पोरेट ऋणदाता का नाम	कैंडिड गार्ड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड सीआईएन U74920CT2007PTC020429 पैन: AADCC2806J
2.	पंजीकृत कार्यालय का पता	ई-2/55, सेक्टर-7, अमलीडीह रोड, न्यू राजेंद्र नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत, 492001
3.	वेबसाइट का यूआरएल	उपलब्ध नहीं
4.	उस स्थान का विवरण जहां अचल संपत्तियों का बहुमत स्थित है	ई-2/55, सेक्टर-7, अमलीडीह रोड, न्यू राजेंद्र नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत, 492001
5.	कॉर्पोरेट ऋणदाता के मुख्य उत्पादों/सेवाओं की स्थापित क्षमता	लाग नहीं
6.	पिछले वित्तीय वर्ष में बेचे गए मुख्य उत्पादों/सेवाओं की मात्रा और मूल्य	लाग नहीं (मार्च 2024 के बाद कोई व्यवसाय नहीं)
7.	कर्मचारियों/श्रमिकों की संख्या	लाग नहीं
8.	दो वर्षों के अंतिम उपलब्ध वित्तीय विवरणों (अनुसूचियों के साथ), लेनदारों की सूची, प्रक्रिया की बाद की घटनाओं हेतु प्रासंगिक तिथियां सहित अधिक विवरण यहां उपलब्ध हैं:-	वित्तीय विवरण और सीडी के अन्य विवरण cirp.candidguardservices@gmail.com पर ईमेल भेजकर प्राप्त किए जा सकते हैं। लेनदारों की सूची आईबीबीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध है।
9.	संहिता की धारा 25(2)(एच) के तहत समाधान आवेदकों के लिए पात्रता यहां यूआरएल पर उपलब्ध है:	पात्रता मानदंड का उल्लेख विस्तृत रुचि अभिव्यक्ति में किया गया है, जिसे cirp.candidguardservices@gmail.com पर ईमेल भेजकर प्राप्त किया जा सकता है।
10.	रुचि की अभिव्यक्ति प्राप्त करने की अंतिम तिथि	24/11/2025
11.	संभावित संकल्प आवेदकों की अनंतिम सूची जारी करने की तिथि	04/12/2025
12.	अनंतिम सूची पर आपत्तियां प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	09/12/2025
13.	संभावित समाधान आवेदकों की अंतिम सूची जारी करने की तारीख	19/12/2025
14.	संभावित समाधान आवेदकों को सूचना ज्ञापन, मूल्यांकन मैट्रिक्स और समाधान योजनाओं के लिए अनुरोध जारी करने की तारीख	24/12/2025
15.	समाधान योजना प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	23/01/2026 को सायं 06.00 बजे
16.	रुचि की अभिव्यक्ति प्रस्तुत करने के लिए ईमेल आईडी प्रक्रिया	cirp.candidguardservices@gmail.com
17.	एमएसएमई के रूप में कॉर्पोरेट देनदार की पंजीकरण स्थिति का विवरण	Yes - UDYAM-CG-14-0000570 - Small

कृते कैंडिड गार्ड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
हस्ताक्षरकर्ता/-
प्रभात जैन
रिज.ल्यूशन प्रोफेशनल
आईबीबीआई पंजीकरण सं. IBBI/IPA-001/IP-P-02233/2020-2021/13480
एएफए 30.06.2026 तक मान्य
दिनांक: 09.11.2025
स्थान: भोपाल
एलआईजी 212, ई-7 अरेरा कॉलोनी, यूनियन बैंक के पास, स्टॉप नंबर 11, भोपाल, मध्य प्रदेश, 462016

विशेषः बाल दिवस 14 नवंबर

हम सब जानते हैं कि देश-समाज का भविष्य हमारे नौनिहालों के हाथों में है। इसलिए उनके लालन-पालन से लेकर उनके समग्र विकास पर बहुत ध्यान देने की जरूरत होती है। नए दौर में बच्चों के सामने कैसी चुनौतियां हैं, उन्हें किन स्तरों पर संघर्ष करना पड़ रहा है, इसे हमें समझना होगा। तभी उनका बचपन सुरक्षित होगा और उनके साथ देश-समाज का भविष्य भी बेहतर बन सकेगा।

हमारी सजगता से बच्चों को मिलेगा सुरक्षित बचपन-बेहतर भविष्य

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

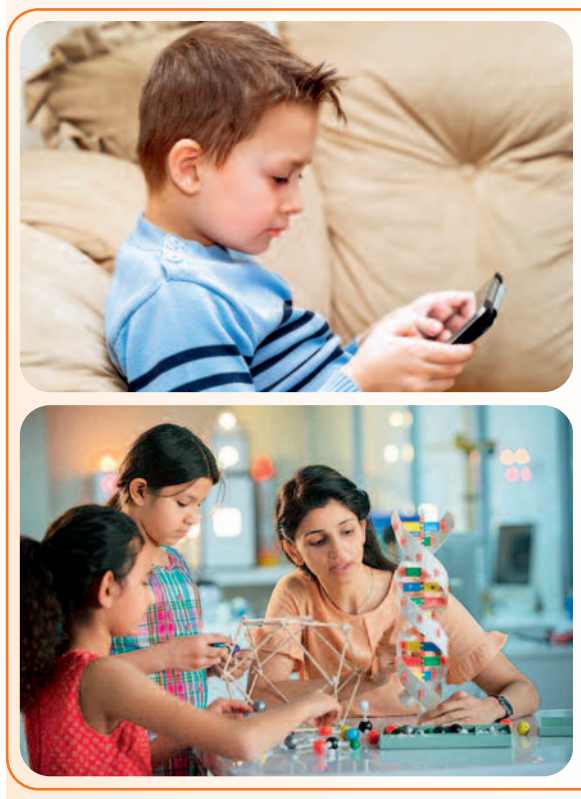

हर साल 14 नवंबर को पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस पर भारत में बाल दिवस मनाया जाता है, जिसका पारंपरिक अर्थ रहा है- बच्चों की मासूमियत और जिज्ञासा को सहेजना। लेकिन यह कहना गलत नहीं होगा कि जब से बाल दिवस शुरू हुआ था, तब से अब तक इसके भावनात्मक अर्थ पूरी तरह से बदल चुके हैं। कभी यह बच्चों को टॉफी देने, उनसे कार्यक्रम करवाने और स्टेज से उन्हें अच्छी-अच्छी बातें सुनाने का दिन हुआ करता था। लेकिन 21वीं सदी के इस 25वें साल में बाल दिवस का मतलब हर बच्चे को डिजिटल, मानसिक और पर्यावरणीय रूप से सुरक्षित बचपन देना है।

बदल गए बाल दिवस के मायने

आज बच्चों से मुखातिब होने का मतलब उन्हें केवल शिक्षा और पोषण तक सीमित रखना नहीं है बल्कि आज के बच्चों का एक्सपोजर- एआई, सोशल मीडिया, मोबाइल एडिक्शन, जलवायु संकट और करियर को लेकर तरह-तरह के दबावों से घिरा हुआ है। आज बचपन के चारों तरफ नई-नई चुनौतियां हैं, जिन्हें शायद आज के चार दशक पहले के बच्चे जानते तक नहीं थे। इसलिए साल 2025 में बाल दिवस का वही मतलब नहीं है, जो 1970 या 80 में हुआ करता था। आज बाल दिवस का मतलब बच्चों को सुरक्षित, स्वतंत्र और खुशहाल इंसान बनाने का सपना ही नहीं बल्कि उन्हें उचित अवसर देना भी है। इसलिए आज यह दिन बच्चों को याद करने का नहीं, उनकी दुनिया को बेहतर बनाने का दिन है। आज यह दिन हममें उनके भविष्य के निर्माण के प्रति चिंता पैदा करता है। नई सदी की नई चुनौतियों के अनुरूप आज बच्चों के बचपन को संजोने से आगे बढ़कर उन्हें भविष्य के अनुरूप इंसान गढ़ने का दिन है।

कई दबावों से घिरा है बचपन

पंडित नेहरू बच्चों को देश का भविष्य मानते थे। उनका सोचना था कि अगर बच्चों को सही दिशा में सोचने, सवाल करने और सीखने की आजादी मिले तो वे आपकी कल्पना से भी ऊंची उड़ान भर सकते हैं। लेकिन हमने आजादी के बाद के पिछले 80 सालों में बचपन को फलने-फूलने के लिए एक खुला वातावरण देने की बजाय आज के बच्चों को प्रेशर कुकर पीढ़ी बना दिया। आज दस साल का बच्चा भी अपने करियर की उस तरह चिंता करता है, जैसी चिंता आजादी के तुरंत बाद के दिनों में 40 साल के अधेड़ भी नहीं करते थे। उस जमाने में बचपन का मतलब होता था- खेलना, बेफिक्र होकर जीना और जीवन की असफलताओं से गुजरकर सफलता की ओर बढ़ना। लेकिन आज स्थिति एकदम बदल गई है। ऐसा माहौल बन गया है जैसे आज जीवन में असफलता के लिए कोई जगह ही नहीं है। आज की तारीख में दस-बारह साल के बच्चे एक नहीं कई-कई क्षेत्रों में पारंगत बनने के लिए वैसी गंभीर ट्रेनिंग लेते हुए मिल जाएंगे, जैसे कभी वयस्क लिया करते थे।

बच्चों के बीच न पनपे असमानता

डिजिटल युग में बचपन की बाधाएं बिल्कुल अलग हैं। आज 27 करोड़ बच्चे इंटरनेट से जुड़े हुए हैं। अब किताबों से पहले उनके हाथ में स्मार्ट मोबाइल होते हैं, जबकि दूसरी तरफ बड़ी संख्या में ऐसे भी बच्चे हैं, जिन्हें जीवन की बुनियादी सुविधाएं भी हासिल नहीं हैं। ऐसे में भला देश के सभी बच्चे एक तरह से कैसे आगे बढ़ सकते हैं? यहां स्मार्ट फोन रखने वाले बच्चे ऑनलाइन शिक्षा, कोडिंग, डिजाइन और उद्यमिता के भविष्य का पाठ अपनी स्कूल की पढ़ाई के दौरान ही पढ़ना शुरू कर देते हैं, वहीं करोड़ों गांवों, कस्बों के बच्चों के लिए ये पाठ उनकी जिंदगी शुरू हो जाने के बाद भी मुश्किल से शुरू हो पाता है। इसलिए जरूरी है कि किसी भी तरह से व्यवस्था करके भारत में बच्चों के बीच असमानता की इस बड़ी खाई को पाटना होगा। आज बड़े पैमाने पर नई पीढ़ी को यह समझाने की जरूरत है कि अब डिजिटल साक्षरता केवल तकनीकी नहीं बल्कि उस मोड़ पर आ गई है, जहां इसे नैतिक शिक्षा का भी हिस्सा बनना चाहिए। बच्चों को आज यह बताना जरूरी है कि डिजिटल माध्यम उनके अच्छे भविष्य को संवारने का साधन मात्र है, साध्य नहीं।

भविष्य के लिए करना होगा तैयार

आज बाल दिवस के मौके पर हम बच्चों को कोई चीज समझाने के लिए रटाने की जिद नहीं कर सकते बल्कि उन्हें समस्या का हल निकालने का मैथड समझाना होगा, साथ ही नैतिक निर्णय लेने की क्षमता भी उनमें भरनी होगी, ताकि वह भविष्य में सिर्फ रोजगार के क्षेत्र में ही सफल न हों बल्कि जीवन जीने के मामले में भी बेहद कामयाब हो सकें। आज बच्चों में पर्यावरणीय चेतना जगाना एक्स्ट्रा एक्टिविटी नहीं, न उनको विशेष बनाना है बल्कि यह जीने की जरूरी गतिविधि का हिस्सा है।

इसी तरह बच्चों में समानता और समावेशिता की सीख देना सिर्फ उन्हें बेहतर इंसान बनाने की कोशिश नहीं है बल्कि उन्हें आज की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया में योग्य बने रहने का जरूरी गुण है और याद रखिए, आज के बच्चों को न तो पूरी तरह से घर की जिम्मेदारी पर छोड़ा जा सकता है और न ही मां-बाप उन्हें बेहतर इंसान और सफल नागरिक बनाने की सारी जिम्मेदारी स्कूलों पर डाल सकते हैं। यह स्कूलों और घरों के साझे अभियान का समय है। अगर हम बच्चों को भविष्य का सफल और शिष्ट नागरिक बनाना चाहते हैं, तो उन्हें आगामी चुनौतियों के लिए तैयार करना होगा। तभी बाल दिवस मनाना भी सफल होगा। *

बच्चों के तनाव को करें दूर

साल 2024 के एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण के मुताबिक आज हर सात में से एक बच्चा किसी न किसी तरह के मानसिक तनाव से गुजर रहा है। मोबाइल युग के पहले ऐसा खतरा दूर-दूर तक नहीं होता था। आज बच्चों के सामने परीक्षा का डर, सोशल मीडिया की चिंता और माता-पिता की उम्मीदों की धुकधुकी उन्हें सहज नहीं होने देती। अगर हम बच्चों को भविष्य का स्वस्थ और सफल इंसान बनाना चाहते हैं, तो हमें उनके स्वास्थ्य को लेकर सहानुभूति से सुनने की सोच बदलनी होगी। स्कूलों में काउंसलिंग सेल, ओपन टॉक सेशन और इमोशनल लिट्रेसी प्रोग्राम लागू करने की बेहद जरूरत आन पड़ी है। आज बाल दिवस बड़ी शिद्दत से हमें याद दिलाता है कि बच्चों में भावनात्मक मजबूती, उनके सफल होने की बुनियादी शर्त है। साथ ही आज बदलते युग की जरूरतों में किसी न किसी कुशलता में दक्ष होना और अपनी गतिविधियों में वैल्यू एडिशन करने की क्षमता पाना भी जरूरी है। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि साल 2030 के बाद मशीनें सिर्फ मशीनें नहीं रहेंगी, वह इंसान से भौतिक प्रतिस्पर्धा करती नजर आएंगी। आने वाले दिनों में परंपरागत नौकरियां बदल जाएंगी। इसलिए आज की पीढ़ी को सीखना ही नहीं बहुत सतर्कता और सावधानी से अपनी क्रिएटिविटी और कोलेब्रेशन की क्षमता को भी साथ-साथ बढ़ाना है।

दायित्व
डॉ. अनिता राठौर

बचपन से किशोरावस्था तक बच्चों के जीवन में सबसे बड़ी भूमिका पैरेंट्स और टीचर्स की होती है। ऐसे में बच्चों के बेहतर, तनावरहित और उज्ज्वल भविष्य के लिए दोनों को उनकी जरूरतों और समस्याओं को गंभीरता से समझना होगा।

पैरेंट्स-टीचर्स जरूर समझें बच्चों की जरूरतें-समस्याएं

हर साल मनाए जाने वाले बाल दिवस का आशय हमें इस बात का एहसास भी कराना है कि कैसे आने वाले समय में बच्चे अपनी कल्पना, मासूमियत और संवेदनशीलता को बरकरार रखते हुए आगे बढ़ सकें? लेकिन सवाल है क्या आज अभिभावक और अध्यापक सचमुच बच्चों के रोजमर्रा की जरूरतों को समझते हैं? क्या तकनीक के बदलाव के इस दौर के बच्चों की जुबान और उनके मन पर तेजी से पड़ रहे प्रभावों को वो समय के अनुरूप समझ पा रहे हैं और इसको ध्यान में रखते हुए उनके विकास की जरूरत की भाषा बोल-समझ पा रहे हैं?

बदलें अपनी मानसिकताः जिस तरह से इंटरनेट, सोशल मीडिया, स्मार्ट क्लास, डिजिटल गेम्स और जूम्स गैदरिंग ने आज की समूची जीवनशैली को बदलकर रख दिया है, उस जीवनशैली को आज की एक दशक पुरानी भाषा से न तो समझा जा सकता है और न ही व्यक्त किया जा सकता है। लेकिन सवाल है, क्या आज भी कई दशक पुराने अध्यापक जो हमारी शिक्षा व्यवस्था की बागडोर अपने हाथों से संभाले हुए हैं, उन्हें डिजिटल युग के इन बच्चों की अभिव्यक्ति की भाषा समझ में आती है? क्या वे उन्हें उनके अनुरूप भाषा में जवाब दे पा रहे हैं? यह सिर्फ अध्यापकों के समक्ष का सवाल नहीं है। सच तो यह है कि यह बात अभिभावकों पर भी पूरी तरह से लागू होती है। आज के बच्चों का बचपन सिर्फ खेल के मैदान में नहीं बल्कि खेल के मैदान में कम, स्क्रीन की रोशनी के बीच ज्यादा बीतता है। लेकिन उनके अधिकांश अभिभावक साथ ही अध्यापक भी आज भी 90 के दशक की उस मानसिकता में अटके हुए हैं, जहां बच्चों से उम्मीद की जाती है कि वे किताबों में डूबे रहें, अपनी क्लास में सबसे ज्यादा नंबर लाएं, बड़ों की बातों को बिना सवाल किए मानें और घर में जब रिश्तेदार आएं तो उनके सामने वे अपने मां-बाप और रिश्तेदारों द्वारा पूछे गए हर सवाल का जवाब गर्दन नीची करके दें।

बदल गई बच्चों की मनःस्थितिः आज के बच्चों की मनःस्थिति बिल्कुल बदल गई है। सच तो यह है कि आज के तेज रफ्तार विकास और चमत्कारिक हो चली तकनीकी के इस युग में उनके मनो-मस्तिष्क में जिज्ञासाओं और आशंकाओं की तेज रफ्तार के अंधड़ चल रहे हैं। फिर भी अभिभावक हों या अध्यापक, उनसे 90 के दशक के बच्चों की तरह ही अनुशासन और आज्ञाकारिता की मांग करते हैं। मां-बाप और स्कूल टीचर बच्चों को आज भी पुराने खांचे और सांचे में ढाले रखना चाहते हैं। आज के मां-बाप और अध्यापक इस बात को समझ ही नहीं रहे कि तेजी से आ धमके डिजिटल युग ने किशोरों की समूची मानसिक संरचना को बदल कर रख दिया है। आज 14 से 16 साल के बच्चे न सिर्फ भविष्य के अपने करियर को लेकर चिंतित हैं बल्कि अपने लाइफस्टाइल को लेकर भी उन पर अभी से दबाव है। आज के बच्चे 'डिजिटल नेटिव्स' हैं यानी, ऐसी पीढ़ी जो तकनीक के साथ पैदा हुई है और समझती है कि उन्हें डांटने और रोकने की इजाजत भी मां-बाप के पास नहीं होनी चाहिए।

समझें नए दौर के बच्चों की जरूरतें: एक बड़ी समस्या यह भी है कि आज अभिभावक अपने बच्चों की ज्यादातर जरूरतों को भौतिक रूप ही समझते हैं। जैसे- उनका स्कूल अच्छा होना चाहिए, उनके पास अच्छी क्वालिटी का मोबाइल होना चाहिए, वो प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर या ट्यूटर से कोचिंग पढ़ें और उनके कपड़े अच्छे से प्रेस (इस्त्री) होने चाहिए। मां-बाप भूल जाते हैं कि बच्चों की इन सब चीजों के अलावा भी जरूरतें हैं। उनकी भावनात्मक और मानसिक जरूरतें। लेकिन यह सिर्फ मां-बाप की ही कहानी नहीं है, आज के अध्यापक भी भूल जाते हैं कि उनके छात्र, उनसे टेक्नोलॉजी में कुशलता के अलावा जीवन की कठिन गांठों को सुलझाने की उम्मीद भी रखते हैं। आज के किशोरों के दिल की बात सुनने वाला कोई नहीं है, न स्कूल में अध्यापक, न घर में मां-बाप।

जी लेने दें बच्चों को बचपनः आज अभिभावकों और अध्यापकों को ठहरकर इन बातों पर गौर करना चाहिए। ऐसे संक्रमण काल में यह जरूरी है कि अध्यापक और अभिभावक दोनों ही बच्चों के दिल की आवाज को गंभीरता से सुनें। आज भी बच्चों को उनकी रुचियों के मुताबिक जीने और बचपने का आनंद लेने की छूट दी जानी चाहिए, जिसके लिए जरूरी है कि अभिभावक और अध्यापक दोनों ही आज के बचपने की भाषा को गंभीरता से समझें, तभी इस सब कुछ की संभावना वाले युग में बच्चों का बचपन शानदार और खुशियों से भरा होगा। *

गजल
प्रताप सोमवंशी

वो सारा दर्द छुप जाता था जो घर-बार के अंदर
वही दिखने लगा है आज-कल अखबार के अंदर

वो घर के एक बूढ़े की तरह सबसे निभाता है
मुसीबत छह दिनों की छुप गई इतवार के अंदर

ये रिश्ते तौलना, गिनना, उठाना, देखना, रखना
ये हम परिवार के अंदर हैं या बाजार के अंदर

वहां रिश्तों की खिड़की पर हैं कितने कीमती पर्दे
घुटन महसूस होती है मुझे दीवार के अंदर

किसी को भी कभी शीशे के जैसे मत समझ लेना
बहुत चुभता है जब टूटा है कुछ किरदार के अंदर

भलाई सिर्फ इतना चाहती है सौंपकर सबकुछ
बदल जाए कहीं दुनिया में कुछ दो-चार के अंदर

बहुत मजबूत होते हैं ये मजबूरी के कांधे भी
जो पूरा गांव ढो कर रख गए बाजार के अंदर

व्यंग्य / विनय मोघे

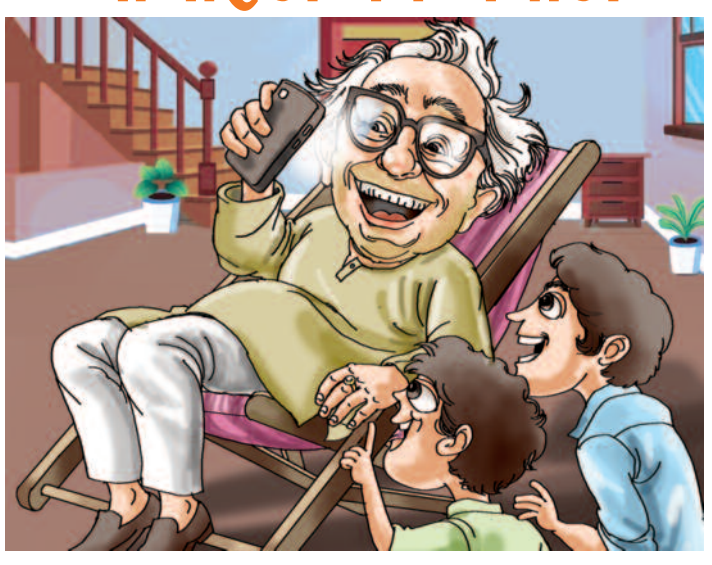

मोबाइल का बवाल

पिछले दिनों जब एक दूर के रिश्तेदार की मृत्यु का समाचार व्हाट्सएप पर आया तो ख्यालीराम के कांपते हाथों ने फूल की जगह तालियों के साथ बहुत बढ़िया प्रकट करने वाला इमोजी भेज दिया। उनकी इस गलती पर ग्रुप के बाकी लोग बहुत नाराज हुए।

सत्तर वर्षीय ख्यालीराम का परिवार चिंतित है, क्योंकि ख्यालीराम ने अन्न-जल त्याग देने की घोषणा कर दी है। कारण यह है कि घरवालों ने उनका मोबाइल उनसे ले लिया है। अब उनका फेसबुक, व्हाट्सएप सब बंद है। दुनिया से उनका संपर्क टूट गया है, इसीलिए उन्होंने अन्न-जल से अपना, संपर्क तोड़ लेने की ठान ली है।

दरअसल, कुछ महीने पहले ही उनके बेटे ने उनके जन्मदिन पर उन्हें अच्छा वाला स्मार्टफोन दिलाया था। उनके पौत्रों ने उनके मोबाइल पर कई सारे एप्स डाउनलोड कर दिए थे। ख्यालीराम की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। कांपते हाथों और कमजोर नजरों से ख्यालीराम उन एप्स का उपयोग करने लगे। बस यहीं से उनकी और उनके परिवार की परेशानी का सिलसिला शुरू हो गया।

पिछले दिनों जब एक दूर के रिश्तेदार की मृत्यु का समाचार व्हाट्सएप पर आया तो उनके कांपते हाथों ने फूल की जगह तालियों के साथ बहुत बढ़िया प्रकट करने वाला इमोजी भेज दिया। साथ ही में RIP की जगह दो बार PIP-PIP भी लिख दिया। उनकी इस गलती पर ग्रुप के बाकी लोग बहुत नाराज हुए थे। हर बर्थ-डे और एनिवर्सरी पर सेम गलती करते या उनसे कोई और गलती हो जाती है। केक के चित्र की जगह या तो दूध की बोतल वाला चित्र भेज देते या कुत्ते को दी जाने वाली हड्डी का। बधाई संदेशों को खुद टाइप नहीं कर पाते तो कॉपी पेस्ट कर दिया करते। ऐसे में कभी एनिवर्सरी के उनके संदेश में अकसर पति-पत्नी की जोड़ी बदल जाती थी। पतियों को शायद उनका ऐसा करना अच्छा लगता हो पर पत्नियां नाराज हो उठती थीं। उनकी गलतियों से बचने के लिए उनके दोनों पौत्रों ने उन्हें वॉइस मैसेज भेजने का आइडिया सुझाया। एक बर्थ-डे पर उन्होंने जो वॉइस मैसेज भेजा, जिसमें सिर्फ उनके खांसने की आवाज और दो बार 'हे राम, ये खांसी तो मार ही डालेगी मुझे।' सुनाई दिया। पूरे मैसेज में बर्थ-डे का जिक्र कहीं नहीं हुआ।

फेसबुक पर अपने पुराने मित्रों, सहेलियों को ढूंढने के चक्कर में उनके नाम से मिलते-जुलते नाम वाले कई लोगों को अपना मित्र बना लिया था। कुछ ही दिनों में उनके मित्रों की कुल संख्या सैकड़ा पार कर गई थी, जिनमें असली मित्र बहुत ही कम थे। कांपते हाथों और कमजोर नजरों के कारण उनके फेसबुक मित्रों की संख्या में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही थी। एक दिन किसी ऑनलाइन शॉपिंग एप पर उनके कांपते हाथों और कमजोर नजरों के कारण 43 इंच एलईडी टीवी ऑर्डर हो गया, वो भी 'कैश ऑन डिलीवरी।' जिस दिन यह घटना हुई, उसी दिन घरवालों ने उनसे मोबाइल वापस ले लिया। मोबाइल के आदी हो चुके ख्यालीराम अब अन्न-जल के बिना रह सकते हैं पर मोबाइल के बिना नहीं। घरवाले सोच रहे हैं, उन्हें अन्न-जल दें या मोबाइल? *

एआई इमेज

लघुकथा / बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

बड़ा आदमी

सुभाष के बारह वर्षीय बेटे राहुल ने मचलते हुए कहा, 'पापा, मुझे बड़ा आदमी बनना है।'

'इस सीढ़ी पर चढ़कर बैठ जा।' सुभाष ने दीपावली की सफाई के लिए निकाली गई सीढ़ी की ओर इशारा करते हुए मजाकिया ढंग से कहा।

राहुल भी हंसी-हंसी में सीढ़ी के तीन डंडों पर चढ़कर ऊपर बैठ गया।

पिता ने पहले अपने और फिर उसके सिर पर हाथ ले जाते हुए बताया, 'देखो, अब तुम मुझसे भी बड़े हो गए। ध्यान दो, तुम एक-एक सीढ़ी चढ़ते हुए बड़े बने हो।'

राहुल ने शिकायती लहजे में कहा, 'ऐसे नहीं, मुझे सचमुच का बड़ा आदमी बनना है।'

'इसके लिए तुम्हें अपने ही आस-पास के किसी बड़े आदमी को ढूंढना होगा, उसके समीप रहना होगा और फिर उसके जैसा बनने की कोशिश भी करनी होगी।'

राहुल ने सवाल किया, 'लेकिन कोई बड़ा आदमी है, मैं कैसे पहचानूंगा?'

'हां, यह समस्या तो है। पहले के समय में पहचान का तरीका अलग था। कोई सज्जन होता था, ज्ञानी होता था, समाज के हित के लिए काम करता था तो उसे बड़ा आदमी माना जाता था। आज के जमाने में किसी व्यक्ति के आस-पास के लोगों को व्यवहार देखकर यह जाना जाता है।' सुभाष ने बताया।

'उस व्यक्ति के बजाय उसके आस-पास के लोगों का व्यवहार देखकर पहचाना जाएगा कि वह कितना बड़ा आदमी है?' राहुल ने आश्चर्य से पूछा।

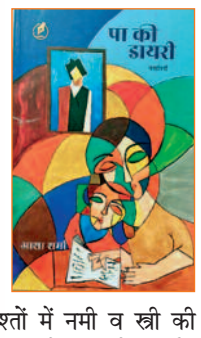

'हां!' पिता सुभाष ने मुस्कराते हुए जवाब दिया, 'कोई आदमी कहीं पहुंचे तो उसे आता देखकर वहां बैठे सारे लोग खड़े हो जाएं, वह आकर बैठ जाए तो सभी बैठ जाएं, वह आदमी चलने के लिए उठकर खड़ा हो तो शेष लोग भी खड़े हो जाएं, उसे छोड़ने बाहर तक जाएं, तब समझो कि वह बड़ा आदमी है।' *

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

जीने का रास्ता दिखाती कहानियां

समय के साथ बहुत कुछ बदल गया है। इस बदलाव की सबसे बड़ी मार परिवार, रिश्ते, नाते और हमारी संवेदनाओं पर पड़ी है। हर किसी की जिंदगी में हर दिन कुछ ना कुछ टूट रहा है, बिखर रहा है। तकनीक की तरक्की ने दूरियों को और बढ़ाने का काम किया है। इन्हीं दूरियों, बिखराव और भटकाव के बीच जीने का रास्ता तलाशती हैं 'पा की डायरी' की कहानियां। इस पुस्तक की लेखिका आशा शर्मा हैं। लेखिका अपनी इन कहानियों में एक स्वप्न बुनती हैं। स्वप्न जिसमें परिवार का साथ, रिश्तों में नमी व स्त्री की स्वतंत्रता हो। शीर्षक कहानी 'पा की डायरी' दांपत्य प्रेम की अनूठी बानगी है। एक डायरी जो जीवन भर पत्नी को परेशान करती रही। पति के मृत्यु के बाद उसका रहस्य खुलता है, जो पत्नी को हैरान कर देता है। 'दिमाग वाली लड़की' आज की आत्मचेता स्त्री के स्वाभिमान की कहानी है। 'अधबुना स्वेटर' में लेखिका ने रिश्तों की गर्माहट की बड़ी आत्मीय कहानी लिखी है। 'प्रतिरूप', 'पिघलती बर्फ', 'जी ले जरा' आदि कहानियां भी जीवन के उतार-चढ़ाव को खूबसूरती से उकेरती हैं। कह सकते हैं कि ये आज के जटिल समय की कहानियां हैं। मगर लेखिका ने इसे बड़े सरल तरीके से लिखा है। बिल्कुल सुलझे अंदाज में। *

पुस्तकः पा की डायरी (कहानी संग्रह), **लेखिकाः** आशा शर्मा, **मूल्यः** 260 रुपए, **प्रकाशकः** समृद्ध पब्लिकेशन, दिल्ली

भारत के इतिहास में पहली बार जीवन भर मुफ्त बिजली

मात्र 5 हजार रुपए प्रति किलोवाट के दर से भुगतान करके आज ही बुक करें सोलर सिस्टम एवं गिफ्ट पाए 20 हज़ार* से 5 लाख* तक का

भारत सरकार की पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत (केंद्र सरकार +राज्य सरकार +एडवांस सोलर) से पायें सब्सिडी 1,28,000 एवं 30 वर्षों के अनुभव एवं विश्वास के साथ एडवांस इंटरनेशनल ग्रुप अब सोलर के क्षेत्र में क्रांति ला रही है।

छत्तीसगढ़ के सभी गाँव, ब्लॉक, तहसील एवं जिला हेतु-मुफ्त बिजली अब सबके लिये मुफ्त बिजली के साथ अब अतिरिक्त बिजली बेचकर कमा भी सकते है

क्षमता	कुल सब्सिडी केंद्र सरकार + राज्य सरकार + एडवांस सोलर कंपनी द्वारा सब्सिडी* ("हर घर सोलर" अभियान योजना के तहत)	एडवांस सोलर कंपनी द्वारा गिफ्ट / डिस्काउंट (on MRP)	सभी ऑफर का लाभ लेने के के बाद अनुमानित मासिक EMI	मासिक बिजली बचत रुपये* (लगभग)
2kw	95,000/- 60,000 + 30,000 + 5000	20,000/-	290/-*	₹ 1600 से 2000 तक
3kw	118,000/- 78,000 + 30,000 + 10,000	30,000/-	650/-*	₹ 2400 से 3000 तक
4kw	118,000/- 78,000 + 30,000 + 10,000	30,000/-	1050/-*	₹ 3200 से 4000 तक
5kw	118,000/- 78,000 + 30,000 + 10,000	40,000/-	1670/-*	₹ 4000 से 5000 तक
8kw	118,000/- 78,000 + 30,000 + 10,000	80,000/-	3543/-*	₹ 6400 से 8000 तक
10kw	128,000/- 78,000 + 30,000 + 20,000	1,40,000/-	4668/-*	₹ 8000 से 10,000 तक
15kw	--------/-	160,000/-	7664/-*	₹ 15,000 से 18,000 तक
20kw	--------/-	2,00,000/-	10219/-*	₹ 20,000 से 25,000 तक
25kw	--------/-	2,00,000/-	12774/-*	₹ 25,000 से 30,000 तक
50kw	--------/-	5,00,000/-	24700/-*	₹ 50,000 से 60,000 तक

EMI Calculation 6.5% , It May Very As Per Civil Score And Bank

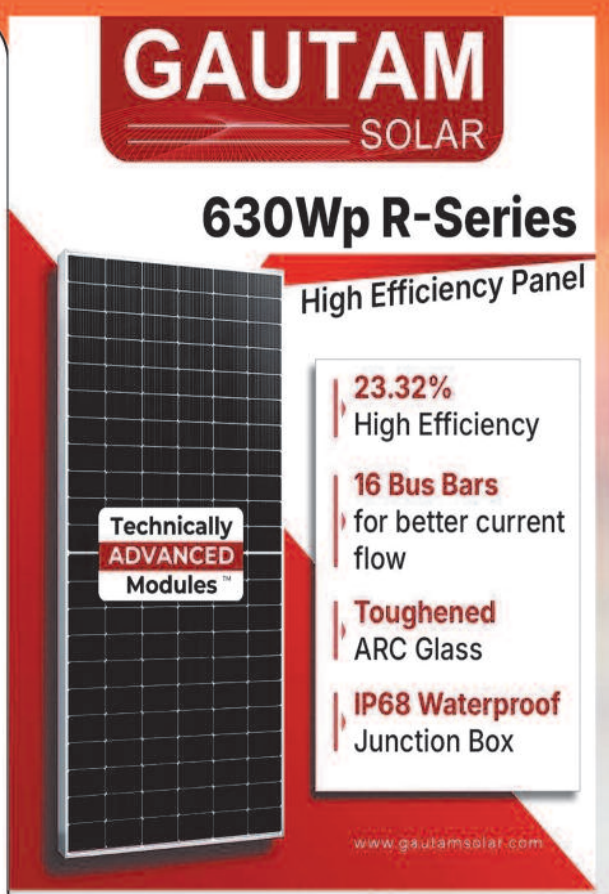

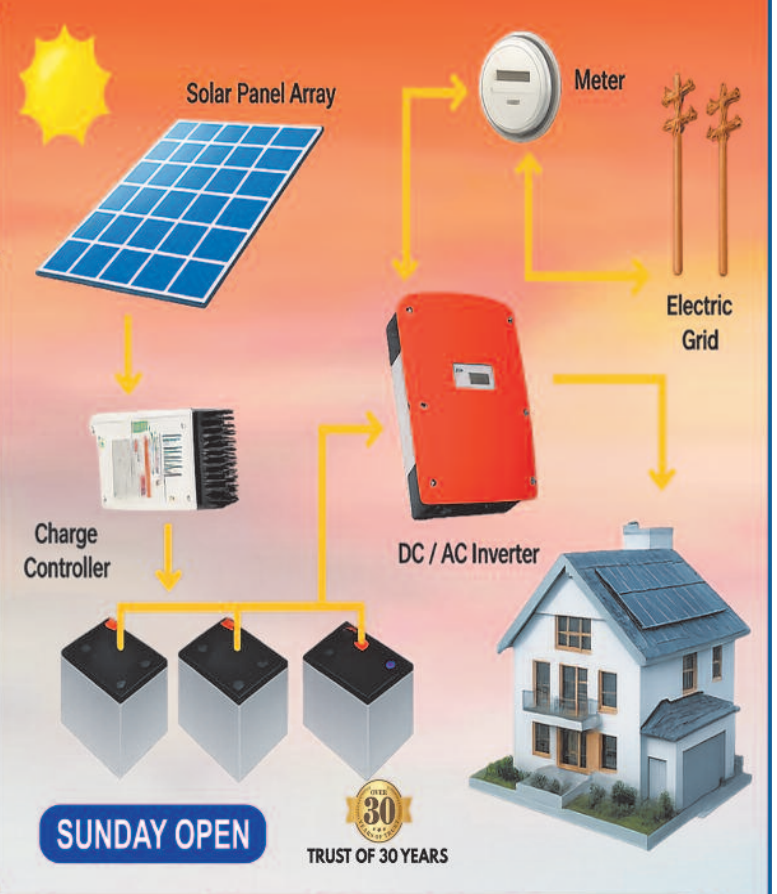

सोलर क्रांति योजना

ग्रुप कनेक्शन लीजिए और पाइए अतिरिक्त कैश डिस्काउंट

2,5,10 सोलर कनेक्शन एक साथ लेने पर प्रति कनेक्शन उतने हज़ार का डिस्काउंट प्रत्येक कनेक्शन पर मिलेगा-

यदि आप 10 सोलर कनेक्शन एक साथ लेते है तो 10 हज़ार का डिस्काउंट सभी 10 सोलर कनेक्शन पर मिलेगा (2 से 10 कनेक्शन तक)

ऑफर केवल 25 अक्तूबर से 5 नवंबर 2025 तक

एडवांस सोलर कंपनी द्वारा सोलर सिस्टम लगवाने के फायदे

- सर्विस इंडस्ट्री का सर्वाधिक 30 वर्षों का अनुभव
- सबसे ज़्यादा 30 वर्ष वारंटी सोलर पैनल में एवं 10 वर्ष रिप्लेशमेंट वारंटी इन्वर्टर में
- टॉप कॉन एन कट 600 वाट का सोलर मॉड्यूल तकनीक का उपयोग
- ई-बीम फायर प्रूफ डीसी वायर का उपयोग करने वाली एक मात्र कंपनी
- छतीसगढ़ की सबसे बड़ी टीम प्रत्येक ब्लॉक,तहसील एवं शहर हेतु
- 'सोलर क्रांति' एवं 'हर घर सोलर अभियान' सहित फ्री गिफ्ट एवं डिस्काउंट ऑफर

आज ही एडवांस सोलर रायपुर सिटी ऑफिस विजिट करें एवं स्पॉट बुकिंग करके आकर्षक गिफ्ट घर ले जाए।

अब दिन हो या रात-सीएसईबी की बिजली कट होने पर भी एडवांस हाइब्रिड सोलर से आपके घर की बिजली जलती रहेगी

- सोलर पैनल- भारत का टॉप ब्रांड # गौतम सोलर
- स्ट्रक्चर (फ्रेम)- हैवी गैल्वेनाइज्ड आयरन
- केबल्स- फिनोलेक्स, हैवल्स, माइक्रोटेक
- इन्वर्टर - हैवल्स, पॉलीकैब, लुमीन्स, एडवांस-पीवी ब्लिंक
- सोलर पैनल वारंटी- 30 वर्ष , इंवर्टर वारंटी- 10 वर्ष, फ्री सर्विस 5 वर्ष
- 2 KW से 200KW तक के लिये बैंक फाइनेंस उपलब्ध

OTP डिस्काउंट ऑफर

पूर्ण भुगतान एक बार में कीजिए एवं ओटीपी (वन टाइम पेमेंट)डिस्काउंट ऑफर में अतिरिक्त डिस्काउंट का लाभ लेवें ।

- 3 kw -3000/- OTP discount
- 5 kw-5000/- OTP discount
- 8 kw-8000/- OTP discount
- 10 kw-10000/- OTP discount

हाउसिंग सोसाइटी/अपार्टमेंट में कॉमन उपयोग हेतु 50KW तक का सोलर सिस्टम बिल्कुल मुफ्त

अब फ्लैट/अपार्टमेंट में सोलर सिस्टम लगाना हुआ आसान

कोई भी व्यक्ति या सोसाइटी व्यक्तिगत रूप से या सामूहिक रूप से फ्लैट या सोसाइटी में सोलर सिस्टम लगवा सकता है और सब्सिडी का लाभ ले सकता है। सामूहिक रूप से किसी भी सोसाइटी या अपार्टमेंट में 10 से अधिक कनेक्शन लेने पर प्रति 10KW पर एक किलोवाट का कनेक्शन सोसाइटी हेतु निःशुल्क दिया जायेगा।

एडवांस सोलर सिस्टम लगाने हेतु लिंक के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन करें

- उपभोक्ता द्वारा सोलर सिस्टम लगाने हेतु आवेदन फार्म / कोटेशन लिंक पर जाकर प्राप्त करें।

www.advancesolar.in पर भी आप आवेदन कर सकते है या इस लिंक के माध्यम से भी आप आवेदन कर सकते है https://advancesolar.in/quotation.php

Khanna

डीलरशिप ऑफर !!

एडवांस सोलर कंपनी द्वारा छत्तीसगढ़ के प्रत्येक ब्लॉक, तहसील एवं जिला हेतु डीलर बनने का ऑफर दिया जा रहा है। आज ही एडवांस सोलर कंपनी का डीलर बने एवं कमाये 3 लाख से 10 लाख तक प्रतिमाह । अपने क्षेत्र में डीलर बनने हेतु आवेदन हेतु करे

www.advancesolar.in पर भी आप आवेदन कर सकते है या इस लिंक के माध्यम से भी आप आवेदन कर सकते है https://advancesolar.in/dealer.php

Call / Whatsapp 8839871093/ 9109969159

कंपनी चैनल पार्टनर ऑफ़र

बिना किसी लागत के एडवांस सोलर का चैनल पार्टनर (एजेंट) बनने का सुनहरा मौका

जुड़िये भारत की तेजी से बढ़ती हुई कंपनी एडवांस इंटरनेशनल सोलर के साथ एवं पायें व्यवसाय के साथ बेहतर एवं सुरक्षित भविष्य के साथ ही लगभग 1 लाख तक या उससे अधिक आय प्रति माह पार्ट टाइम प्रतिदिन केवल 1 घंटा दे कर

कौन कौन बन सकते हैं कंपनी ऑथराइज़्ड चैनल पार्टनर

वर्तमान व्यवसायी | सरकारी कर्मचारी | प्राइवेट क्रमचारी | कोई भी महिला | संविदा कर्मचारी | एलआईसी एजेंट | किसान | एडवोकेट | जमीन /रियल एस्टेट एजेंट | टीचर/प्रोफेसर | आंगनबाड़ी कार्यकर्ता | सभी तरह के दुकानदार | कॉलेज स्टूडेंट | इंटेरियर /आर्किटेक्ट | डॉक्टर/इंजीनियर

www.advancesolar.in पर भी आप आवेदन कर सकते है या इस लिंक के माध्यम से भी आप आवेदन कर सकते है। https://advancesolar.in/channel.php

Contact: 7828123533

ADVANCE SOLAR

ONGRID -HYBRID SOLAR SYSTEM
DOMESTIC - COMMERCIAL - INDUSTRIAL

www.advancesolar.in
solaradvance4@gmail.com
Terms and condition apply

City office (For Customer Visit)
LAVISH LIFE BUILDING BESIDE MOWA BRIDGE, NEAR LODHIPARA CHOWK RAIPUR (79702 88888

Technical office
IIS CAMPUS KAVILAS NAGAR BHANPURI RAIPUR CG

ADVANCE SOLAR

4.8 kw topcon solar system with 5 kw inverter after all subsidy deduction Only at 142000/-*

अधिक जानकारी हेतु एडवांस कंपनी जिला अधिकारी से संपर्क करें एवं इंजीनियर विजिट हेतु आज ही रजिस्ट्रेशन करायें.

रायपुर-9109969109, दुर्ग -9109969116 धमदा दुर्ग- 7898351523, भिलाई 3- 9827931365, बालोद 9109969110, बेमेतरा 9109969107, कबीरधाम (वर्धा) 9109969116, राजनांदगांव 7000594271, डोंगरगढ़- 9329227744, मुंगोली 9109969109, बिलासपुर- 9109969119, सरकंडा- 8319991904, खैरागढ़ हुईखदान मंडई- 9109969107, मोहला मानपुर-8839871093, उत्तर बस्तर-7970288888, कोरिया-8839871093, सरगुजा-9109969109, बलरामपुर-रामानुजगंज-9926157982, सूरजपुर - 9129969110, जशपुर 9109969107, कोरबा -9109969116, गोरेला पेंड्रा मरवाही-9109969125, रायगढ़-9109969125, जांजगीर-चांपा-9109969110, सक्ती-9109969125, महासमुंद- 9109969109, गरियाबंद-9109969125, बलौदाबाजार-भाटापारा 9109969119, धमतरी 9109969125, कुरूद- 8435970600, कांकेर (उत्तर बस्तर) 9109969125, नारायणपुर-9109969110, कोंडागांव-9109969119, (जगदलपुर)-9109969125, बीजापुर-9109959116, सुकमा-9109969107 दंतेवाड़ा (दक्षिण बस्तर) 4109969110 धरमजयगढ़-सारंगढ़-9109969109

सीआईए के पूर्व अधिकारी रिचर्ड बार्लो का बड़ा दावा

'इजराइल था तैयार, पूर्व पीएम इंदिरा ने पाक परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले की नहीं दी मंजूरी, कई समस्याएं सुलझ सकती थीं'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

सीआईए के पूर्व अधिकारी रिचर्ड बार्लो का दावा है कि 1980 के दशक की शुरुआत में भारत और इजराइल ने एक ज्वॉइंट ऑपरेशन का प्रस्ताव रखा था। इस ज्वॉइंट ऑपरेशन के तहत पाकिस्तान के कहुता के परमाणु संयंत्र पर हमला किया जाना था लेकिन भारत की तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी ने इसकी अनुमति नहीं दी। उन्होंने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के एक फैसले पर उंगली उठाई है। रिचर्ड ने कहा कि मैं 1982 से 1985 तक सरकारी सेवा से बाहर था। मुझे लगता है कि यह योजना उस समय की हो सकती थी। मैंने इसके बारे में सुना था लेकिन मैंने कभी गहराई से इसके बारे में नहीं सोचा। यह शर्मनाक है कि इंदिरा गांधी ने इस मिशन को मंजूरी नहीं दी। इससे कई समस्याएं सुलझ सकती थी। उन्होंने कहा कि कई रिपोर्ट्स और खुफिया जानकारियों से पता चलता है कि इजराइल और भारत ने कथित तौर पर पाकिस्तान के कहुता यूरेनियम संवर्द्धन संयंत्र पर एयरस्ट्राइक की योजना बनाई थी।

अमेरिकी प्रशासन को आगाह किया था

रिचर्ड ने कहा कि 1989 तक सभी राष्ट्रपति कहते रहे कि पाकिस्तान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। हालांकि, हमने अमेरिकी प्रशासन को आगाह किया था कि पाकिस्तान परमाणु हथियार बनाने में जुटा है। सीआईए भी इससे खुश नहीं था, लेकिन हम सुझाव देने से ज्यादा कुछ नहीं कर सकते थे। हम निर्वाचित नहीं थे। हमारा काम सिर्फ वरिष्ठ अधिकारियों को खुफिया जानकारी देना है, वहां हमारा काम खत्म हो जाता है। इसके आगे कोई भी चीज हमारे नियंत्रण में नहीं होती, आगे की जिम्मेदारी अमेरिका के निर्वाचित लोगों की होती है।

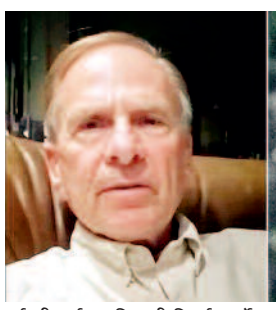

पूर्व सीआईए अधिकारी रिचर्ड बार्लो

पूर्व पीएम स्व. इंदिरा गांधी

तत्कालीन यूएस सरकार हमले का विरोध करती

बता दें, रिचर्ड बार्लो 1980 के दशक में पाकिस्तान की गुप्त परमाणु गतिविधियों के दौरान प्रतिरोधक प्रसार अधिकारी के रूप में सेवाएं दे रहे थे। उन्होंने कहा कि तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन सरकार इस तरह के किसी भी हमले का कड़ा विरोध करती। खासकर तब जब यह हमला इजराइल की ओर से होता। इसका कारण था अफगानिस्तान में सोवियत संघ के खिलाफ अमेरिका की सीक्रेट युद्ध रणनीति, जिसमें पाकिस्तान एक महत्वपूर्ण सहयोगी था। बार्लो ने कहा कि मुझे लगता है कि रीगन ने तत्कालीन इजराइली पीएम मेनाकेम बेगिन की कड़ी निंदा करते अगर उन्होंने ऐसा कुछ किया होता तो। क्योंकि भारत-इजराइल का यह कदम अफगानिस्तान के मसले में अमेरिकी रणनीति में बाधा डाल सकता था।

पाक को एफ-16 विमान देना गलती

रिचर्ड बार्लो ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति 1989 तक दावा करते रहे कि पाकिस्तान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। यही नहीं, अमेरिका ने जानबूझकर पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमान दिए, जबकि उन्हें पता था कि पाकिस्तान इन पर परमाणु हथियार तैनात कर सकता है। यह अमेरिका की बड़ी गलती थी। सीआईए भी पाकिस्तान के परमाणु संपन्न देश बनने से खुश नहीं था, मगर इसमें वो कुछ नहीं कर सके।

पाकिस्तान ने कबूल किया था

पाक परमाणु मिसाइल शाहीन-3

बार्लो ने बताया कि 1987 में पाकिस्तानी बम के पिता माने जाने वाले डॉक्टर अब्दुल कादीर खान ने कबूल किया था कि पाकिस्तान परमाणु संपन्न देश बन चुका है। इसके बाद 1993 में पता चला कि पाकिस्तान के द्वारा एफ-16 लड़ाकू विमान में परमाणु हथियार रखने की खुफिया जानकारी सामने आई थी। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के अनुसार, पाकिस्तान के तत्कालीन पीएम बेनजीर भुट्टो को इससे अलग रखा गया था। पाक आर्मी चीफ जनरल मिर्जा असलम बेग और राष्ट्रपति गुलाम इशाक खान ने परमाणु परीक्षण की बागडोर अपने हाथ में ली थी।

केरल में 4 दिसंबर को दिखेगा नौसेना का शौर्य

हरिभूमि न्यूज . तिरुवनंतपुरम। भारतीय नौसेना 4 दिसंबर 2025 को नौसेना दिवस मनाएगी। यह जश्न तिरुवनंतपुरम के शंगुमुघम बीच पर एक शानदार ऑपरेशनल प्रदर्शन के साथ होगा। यह नौसेना का प्रयास है कि यह कार्यक्रम बड़े नौसैनिक ठिकानों के बाहर आयोजित हो. पहले यह ओडिशा के पुरी और महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में हुआ था। यह बड़ा आयोजन आम लोगों को नौसेना के बहु-क्षेत्रीय संचालन देखने का दुर्लभ मौका देगा। प्रदर्शन में नौसेना के आधुनिक हथियार और प्लेटफॉर्म दिखाए जाएंगे। यह नौसेना की हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में 'पसंदीदा सुरक्षा साझेदार' बनने की प्रतिबद्धता को दर्शाएगा। यह महासागर पर फोक्स्ड है, जो क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र प्रगति पर जोर देता है।

दिल्ली हाईकोर्ट की दो-टूक, कोई भी हो सकता है दुष्कर्म का शिकार

रेप पीड़िता का पूर्व चरित्र बचाव का हथियार नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि बलात्कार के मामलों में पीड़िता के चरित्र (चाहे वह कितना भी दागदार क्यों न हो) को उसके खिलाफ हथियार नहीं बनाया जा सकता।

जस्टिस अमित महाजन की पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि यहां तक कि जो महिला या युवती कुछ पैसे के बदले किसी व्यक्ति के साथ जाती है वह भी दुष्कर्म की शिकार हो सकती है। पीठ ने यह टिप्पणी एक बलात्कार के आरोपी की याचिका पर सुनवाई करते हुए की, जिसने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने की मांग की थी। आरोपी एक विवाहित व्यक्ति है, जिस पर शादी का झूठा वादा करके बलात्कार व अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने का आरोप लगा है।

ड्रिंक में कुछ मिलाकर यौन उत्पीड़न किया

शिकायतकर्ता महिला ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने उसकी ड्रिंक में कुछ मिलाकर उसे यौन उत्पीड़न का शिकार बनाया। उसके बाद भी आरोपी ने उससे शादी का झूठा वादा कर के शारीरिक संबंध बनाना जारी रखा। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने उससे लगभग 8 लाख रुपए ले लिए और 10 लाख और मांगे। साथ ही धमकी दी कि यदि वह राशि नहीं देती है तो वह उसकी तस्वीरें और वीडियो वायरल कर देगा। आरोपी ने महिला के चरित्र पर सवाल उठाते हुए दलील दी कि वह खुद पहले भी इसी तरह के आरोपों पर मामला दर्ज करा चुकी है, जिसमें आरोपी बरी हो चुका है। महिला अनैतिक देहव्यापार के तहत भी एक मामले में फंसी थी। आरोपी का दावा था कि महिला ने खुद कहा था कि वह शारीरिक संबंध के लिए पैसे की मांग करती है।

भाजपा विधायक पर पॉक्सो के तहत केस दर्ज

शिमला। हिमाचल प्रदेश के बीजेपी विधायक हंस राज के खिलाफ राज्य पुलिस ने प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेस (पाक्सो) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। एक शिकायतकर्ता ने उन पर आरोप लगाया है कि जब वह नाबालिग थी, तब विधायक ने उसके साथ गलत काम किया था। चंबा जिले के चुराह विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के 42 वर्षीय विधायक पर पाक्सो एक्ट की धारा 6 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 (धोखे से यौन संबंध बनाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। शिकायत शुक्रवार को महिला पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी। पिछले हफ्ते, महिला फेसबुक पर लाइव आई और विधायक और उनके साथियों पर यौन शोषण और धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए, और दावा किया कि उसके पास इसके सबूत हैं।

बनारस में प्रधानमंत्री मोदी ने 4 वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

बनारस रेलवे स्टेशन से शनिवार की सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनारस से खजुराहो जाने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। पीएम ने यहां से देशवासियों को चार वंदे भारत की सौगात दी। इसके बाद उन्होंने कहा कि आज वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत जैसी ट्रेनें, भारतीय रेलवे की अगली पीढ़ी की नींव तैयार कर रही हैं।

ट्रेन में बच्चे से हाथ मिलाते और बात करते पीएम मोदी।

14 दिसंबर को शिलांग में असम राइफल्स हाफ मैराथन

हरिभूमि न्यूज . नई दिल्ली। भारत की सबसे पुरानी अर्धसैनिक बलों में से एक असम राइफल्स द्वारा आयोजित "असम राइफल्स हाफ मैराथन" का पाँचवाँ संस्करण इस वर्ष 14 दिसंबर को मेघालय की राजधानी शिलांग में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर शनिवार को नई दिल्ली स्थित कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें इस बहुप्रतीक्षित खेल आयोजन की जानकारी दी गई। असम राइफल्स, जो गृह मंत्रालय के अधीन कार्यरत है और वर्ष 1835 में स्थापित हुई थी, ने इस आयोजन की शुरुआत 2021 में फिटनेस, आपसी सौहार्द और जनता के साथ जुड़ाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की थी।

ट्रेन से टकराई चील टूटा गया कांच ड्राइवर घायल

श्रीनगर। श्रीनगर और अनंतनाग के बीच चलने वाली ट्रेन में एक अजीब हादसा हो गया। यहां एक चील ट्रेन के सामने आ गई और शीशे से टकरा गई। जिससे ड्राइवर घायल हो गया। ड्राइवर के घायल होते ही ट्रेन को रोकना पड़ गया। फिर ड्राइवर को चिकित्सकीय सहायता प्रदान की गई। हालांकि, इस दुर्घटना में किसी भी यात्री को नुकसान नहीं पहुंचा और सभी यात्री सुरक्षित हैं। ड्राइवर के घायल होने की एक फोटो भी सामने आई है। जिसमें देखा जा सकता है कि ड्राइवर के गर्दन में कांच के टुकड़े धंस गए हैं और कांच के टुकड़ों को मेडिकल टीम की तरफ से निकाला जा रहा है। **यात्री भी हैरान :** दुर्घटना के बाद चील ट्रेन के अंदर घायल अवस्था में पड़ा रहा. ड्राइवर ने बताया कि यह अजीब घटना उस समय हुई जब ट्रेन श्रीनगर और अनंतनाग के बीच चल रही थी।

त्रिपुरा में तस्करों का हमला, 5 बीएसएफ जवान घायल

सिपाहीजला। त्रिपुरा के सिपाहीजला जिले में शुक्रवार शाम संदिग्ध पशु तस्करों ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों पर हमला कर दिया, जिसमें पांच जवान घायल हो गए। हमलावरों ने बीएसएफ की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचाया। यह घटना भारत-बांग्लादेश सीमा के पास बिशालगढ़-कामठाना रोड पर हुई। पुलिस के अनुसार, बीएसएफ के जवान कामठाना बॉर्डर चौकी पर तैनात थे। उन्होंने एक संदिग्ध वाहन को रुकने का संकेत दिया, लेकिन वाहन तेजी से आगे बढ़ गया और एक स्थानीय पशु हाट की ओर भाग गया। मामले में बिशालगढ़ थाने के प्रभारी अधिकारी बिकाश दास ने बताया, 'बीएसएफ कर्मियों ने वाहन का पीछा करते हुए हाट तक पहुंचने की कोशिश की। वहां जवानों और पशु तस्करों के बीच बहस शुरू हो गई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

एजूकेशन स्पेशल

राजीव लोचन आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज चंदखुरी दुर्ग (छ.ग.)
आयुर्वेद पैरामेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश सूचना
छत्तीसगढ़ शासन चिकित्सा शिक्षा (आयुष) मंत्रालय द्वारा अनुमति तथा छत्तीसगढ़ सह-चिकित्सा परिषद छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त एक वर्षीय पैरामेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित हैं।

क्र.	पाठ्यक्रम	सीटों की संख्या
1.	आयुर्वेद कम्पाउंडर	05
2.	पंचकर्म सहायक (तकनीशियन)	29

योग्यता :- 10 + 2 प्रणाली की बायोलॉजी विषय के साथ छ.ग. माध्यमिक शिक्षा मंडल अथवा समकक्ष मान्यता प्राप्त बोर्ड से उत्तीर्ण
आवेदन शुल्क 1000/- रू. का बैंक ड्राफ्ट/नगद के साथ अंतिम तिथि 22.11.2025 तक सम्पूर्ण दस्तावेज के साथ महाविद्यालय के पते पर सीधे / डाक द्वारा कार्यालयीन अवधि में आवेदन पत्र जमा किए जा सकते हैं।
1. शासकीय / निजी संस्थान में नियुक्ति हेतु मान्य
2. छत्तीसगढ़ शासन पैरामेडिकल कांउसिल द्वारा पंजीयन
विस्तृत जानकारी एवं आवेदन पत्र हेतु महाविद्यालय के वेबसाइट www.rlamcollege.org का अवलोकन करें।

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षा गार्ड वेतन 13000/- सुपरवाइजर 16000/- फील्ड ऑफिसर 15000/- कंप्यूटर ऑपरेटर 3, वेतन योग्यतानुसार (आवास फ्री) संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, FF-6 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर, 7747000019, 7747000016, 7746000016. (RO-348)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षा गार्ड वेतन- 13000- 15000 तक, सुरक्षा सुपरवाइजर वेतन- 16000- 18000 तक, एरिया रिक्रूटमेंट ऑफिसर वेतन- 16000- 18000 तक, फील्ड ऑफिसर वेतन- 14000- 16000 तक एवं ऑफिस अस्सिसटानट वेतन योग्यतानुसार, रहने के लिए (आवास फ्री) संपर्क:- BISS सिक्यूरिटी, निमोरा रोड, रावाभाटा- बिरगांव, रायपुर. मोबाइल - 8889333550, 9111400666.(RO-16)

आवश्यकता है- रायपुर मे, मंदिर हसौद टोल, रशिनी टोल ,आरंग टोल, में 20 सुरक्षागार्ड चाहिये तुरन्त (वेतन छ.ग. सरकारी दर से) पी. एफ. ई एस आई सुविधा, संपर्क करे - 7869284963, 9329280863. (आरो न - 686)

क्लासीफाईड

शिक्षक

आवश्यकता है- महारानी लक्ष्मीबाई विद्यापीठ उ.मा.वि. तीन दर्शन मंदिर कैम्प-1 भिलाई को हॉयर सेकेंडरी में गणित, भौतिक पढ़ाने वाले शिक्षक की आवश्यकता है। विद्यालय में सम्पर्क करें।(RO-688)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- कपड़े की दुकान में काम करने हेतु लड़के या लड़कियों की आवश्यकता है। संपर्क:- सुमित बाजार ,सिरसा गेट भिलाई-3 (RO-687)

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। संपर्क:- खेतान इंटरप्राइजेस, खेतान गेराज बिल्डिंग, वीडियो वर्ल्ड के पास, मौदहापारा रायपुर (RO-464)

आवश्यकता है- सोना चांदी दुकान में सामान बेचने स्टाफ की आवश्यकता है । पेमेंट 10000 से 20000 तक माल बेचना सिखा दिया जाएगा, मार्केट में परिचय वाले की प्राथमिकता । संपर्क : सुरेश ज्वेलर्स हलवाई लाइन रायपुर समय 1 से 8 बजे तक । .(RO-7385)

आवश्यकता है- स्टेशनरी दुकान में कार्य हेतु लड़कों आवश्कता है। वेतन योग्यता अनुसार। संपर्क :- आशीष इंटरप्राइजेस न्यू शांति नगर जगदीश होटल के पास रायपुर (RO-512)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- घरेलू कार्य करने हेतु महिला/ लड़की की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध बायोडाटा सहित सम्पर्क करें - पाटलिपुत्र कॉलोनी लोयला स्कूल के बाजू में वसंत विहार चौक बिलासपुर 7974770055, 8889997826 (RO-38966)

नर्स

आवश्यकता है- नर्स की आवश्यकता है- हमारे निवास स्थान में एक नवजात शिशु की देखभाल के लिए नर्स की आवश्यकता है। कार्य की जानकारी निम्नलिखित है: स्थान: सिविल लाइन निवास, रायपुर, कार्य समय: प्रातः 9:00 बजे से रात्रि 11:00 बजे तक, वेतन: रु.30000- रु.35000/- प्रति माह, अनुभव: NICU या PICU में कार्य करने का अनुभव आवश्यक कृपया नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करें: 9644720222. (RO-14)

वार्डन

आवश्यकता है- गर्ल्स हॉस्टल वार्डन एवं बॉयज हॉस्टल वार्डन की आवश्यकता है , वेतन अनुभव एवं योग्यतानुसार। उचित सर्टिफिकेट्स एवं डाक्यूमेंट्स के साथ सम्पर्क करे। सी पी एस, टाटीबंध, रायपुर, फोन करे 9752148000, 9109166622. 7869190431. (RO-4842)

वेल्डर/ठेकेदार

आवश्यकता है- ट्रैक्टर ट्रॉली कारखाने में वेल्डर, हेल्पर एवं ट्राली बनाने वाले ठेकेदार की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9827683510. (RO-39079)

होटलकर्मी

आवश्यकता है- रेस्टोरेन्ट में कार्य करने हेतु असिस्टेंट कुक, तन्दूर रोटी कारीगर, किचन हेल्पर, सर्विस हेतु लड़के, लड़कियों एवं फ्रेशर लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- मुर्गा मसल्लम रेस्टोरेन्ट बिलापुर 7879121999. (RO-39077)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

ऑफिस/पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस एवं पैकिंग कार्य के लिए लड़की एवं महिलाओं की जरूरत है। ऑफिस - 2 पैकिंग - 2 संपर्क करें - ST ENTERPRISES भाटागांव पानी टंकी, बाजार के सामने रायपुर 9993685150, 8959850999, 9238536535.(RO-6564)

शिक्षक

आवश्यकता है- विज्ञान, गणित भौतिक व रसायन अंग्रेजी माध्यम हेतु शिक्षक की आवश्यकता है संपर्क ज्ञान भारती हायर सेकेंडरी स्कूल हीरापुर टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़ मोबाइल नंबर- 8319496635. MIG 1068 के सामने(RO-6557)

मेड

आवश्यकता है- प्रोफेशनल जापा वाली मेड की आवश्यकता है- एक नवजात शिशु की देखभाल के लिए 24 घंटा वाली प्रोफेशनल जापा वाली मेड (न्यूनतम आयु - 38 वर्ष) आवश्यकता है। सिर्फ़ मेड हेतु रहने की व 3 टाइम का केवल शुद्ध शाकाहारी खाना दिया जाएगा। सैलरी: रू. 30000- रू.45000/- प्रतिमाह दिया जाएगा व न्यूनतम 10 माह काम करना ही होगा। संपर्क: 9340730994. (RO-15)

मार्केटिंग/टेलीकॉलर

Requirement- In well reputed company at Bhatapara, Urgent requirements of marketing executive, telecaller, electrical technicians, we offer attractive salary and incentive, experienced and fresher can apply 7974308327. (RO-39080)

हरिभूमि क्लासीफाईड

ऑपरेटर/ड्रायवर

आवश्यकता है- पंडरी व मोतीबाग चौक स्थित क्लिनिक मे कार्य करने हेतु अनुभवी स्मार्ट युवती/ महिला (कम्प्यूटर मे दक्ष) पार्ट टाईम / फुल टाईम, अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर (न्यू राजेन्द्र नगर) व अनुभवी ड्राइवर (आटोमेटिक कार) की शीघ्र आवश्यकता है। संपर्क करे- 9302525707. (RO-16)

आवश्यकता है- मेडिकल होलसेल डिपो में निम्न पदों की आवश्यकता है (1) टाटा ऐस चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर की (2) गोडाउन कार्य हेतु मेहनती युवक/ युवतियों की। मणिधारी ट्रेडर्स औषधि वाटिका, डूमरतराई 9669164000, 9165929000. (RO-468)

सेल्समैन/ हेल्पर

आवश्यकता है- थोक कपड़े की दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समैन व कपड़े की दुकान में काम किया हुआ व्यक्ति एवं हेल्पर की आवश्यकता है समय 3 से 6 चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर 29- 30 प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर 9425506658, 9424200658, 9425206658.(RO-7263)

इंजीनियर/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- दुर्ग/ राजनांदगांव में निम्न पदों के लिए कर्मचारी (युवक/युवतियां) की आवश्यकता है। 5 साल अनुभवी को प्राथमिकता। * बी.ई./ डिप्लोमा सिविल इंजीनियर - 4 पद , * सुपरवाइजर भवन/सड़क निर्माण कार्य हेतु - 4 पद , * फार्म हॉउस मैनेजर -1 पद ,* फार्म हॉउस टेडेसरा साफ-सफाई कर्मचारी (फैमिली सहित) , के.पी.मिश्रा कन्स्ट्रक्शन पता- महाराजा चौक, डी-15, आदर्श नगर दुर्ग - 78698-77505, 70003-43771.(आरो 683)

डेकोरेशन कार्य

आवश्यकता है- शमियाना पैलेस बोरियाखुर्द मैरिज गार्डन में लाइट डेकोरेशन, किराया भंडार काम करने मेहनती लड़कों तथा सफाई कार्य हेतु परिवार की आवश्यकता है। निवास सुविधा उपलब्ध। संपर्क- 7869969886, 9826199578.(RO-909)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस में टेलीकॉलर काम के लिए लड़को की जरूरत है केवल अविवाहित 18 से 28 वर्ष आयु वाले ,ऑल इंडिया प्लेसमेंट शुरुआती वेतन 12000 रहने के लिए कमरा दिया जाएगा 7310671995, 6387630593. (RO-522)

अन्य

आवश्यकता है- नौकरी आवश्यकता है जिले अनुसार 875 लड़के लड़कियों की पढ़ाई 8वीं से ग्रेजुएशन ड्राइवर माली गार्ड सफाई कर्मचारी रहने खाने की सुविधा सैलरी (26500/58500) इच्छुक व्यक्ति अपना आधार कार्ड मार्कशीट पासपोर्ट साइज फोटो व्हाट्सएप करें 7054311719.(RO-1211)

Property प्रापर्टी

मकान/जमीन

मकान बेचना है- दो मंजिला मकान लगभग 800 वर्गफीट ईदगाह भाटा गली नंबर 13 विवेकानंद आश्रम के पीछे (एवं एक छोटा सा दुकान भी है) रायपुर संपर्क करें:- 7869898305, 9109118782.(RO-6561)

जमीन बेचना है- कसडोल से पिथौरा मेन रोड मे संजीवनी हॉस्पिटल से लगा हुआ 51 फिट सामने एवं 144 फिट गहरा प्लाट 8 लाख रुपये प्रति डिसमिल बेचना है खरीदार ही संपर्क करें, mob 9179475903.(RO-6562)

Home Buildup भवन निर्माण

सम्पूर्ण भवन निर्माण
SHREEJI CONSTRUCTION
कुशल इंजीनियर की निगरानी में बनाएं अपना घर।
सपनों का घर अब बजट के अंदर
स्ट्रक्चर केवल 699/-
फिनिशिंग वर्क 1299/-
पता- करसा पैलेस, 424, 4th फ्लोर, देवेन्द्र नगर, रायपुर,
मो.- 7067938445

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार)
17/09/82 हाइट 5'-11', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें
9131453175

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वादों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

CLASSIFIED RATE CARD
01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.
COLOUR 20% Extra Charge For Disply
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

तरकश
-संजय के. दीक्षित

तीन दिन का VVIP डेरा
छत्तीसगढ़ में अब तक के सबसे बड़े आयोजन की प्रशासनिक तैयारी शुरू हो गई है। 28 नवंबर से 30 नवंबर तक नवा रायपुर के आईआईएम में डीजीपी-आईजी सम्मेलन आयोजित होना है। इसमें हिस्सा लेने देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के डीजीपी, गृह सचिव, आईजी हिस्सा लेंगे। सबसे महत्वपूर्ण रहेगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नेशनल सिक्यूरिटी एडवाइजर अजीत डोभाल का तीन दिन तक रुकना। डीजीपी कांफ्रेंस में चार दिन कार्यक्रम शुरू होगा, इसलिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और एनएसए अजीत डोभाल संभवतः 27 नवंबर को रायपुर पहुंच जाएंगे। वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी 28 नवंबर की शाम आएंगे। और 30 नवंबर को सायं कांफ्रेंस के समापन के बाद दिल्ली रवाना होंगे। पीएम का मिनट-टू-मिनट प्रोग्राम अभी फायनल नहीं हुआ है मगर खबर है रायपुर पहुंचने के तुरंत बाद वे पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलने बीजेपी मुख्यालय जा सकते हैं। ऐसा दो-एक राज्यों में डीजीपी कांफ्रेंस के दौरान हुआ है।

कांफ्रेंस में नो इंट्री
पीएम नरेंद्र मोदी करीब पौने तीन दिन रायपुर में रहेंगे मगर बीजेपी मुख्यालय अगर वह तो ठीक..मगर उसके बाद उनसे कोई मिल नहीं पाएगा। डीजीपी कांफ्रेंस में राज्य सरकारों की भूमिका एयरपोर्ट पर उनकी अगुवानी और विदाई देने और व्यवस्था मुहैया कराने तक सीमित रहती है। इसके अलावा राज्य सरकार का इस आयोजन से कोई वास्ता नहीं रहता। यह कांफ्रेंस विशुद्ध रूप से केंद्रीय गृह मंत्रालय का है और उसमें प्रदेश के डीजीपी, एसीएस होम और पांचों आईजी के अलावा और किसी की इंट्री नहीं होगी। आईआईएम में रोज सुबह योगा से कांफ्रेंस की शुरूआत होगी और ब्रेक फास्ट, लंच, डिनर तक टेबल डिस्कशन जारी रहेगा। टाईम का यूटिलाइज करने के लिए शेड्यूल ऐसा तैयार किया जाता है कि नाश्ते और भोजनों के टेबलों पर भी मंथन का दौर जारी रहे। खुद पीएम मोदी कई-कई ग्रुपों में डीजीपी से टेबल पर चर्चा करते हैं तो जरूरत के हिसाब से उनकी वन-टू-वन भी होती है। मोदी जब से पीएम बने हैं, तब से डीजीपी कांफ्रेंस का महत्व और अनुशासन काफी बढ़ गया है।

NSA का फर्स्ट विजिट
छत्तीसगढ़ चूंकि शांतिप्रिय प्रदेश है, इसलिए नेशनल सिक्यूरिटी एडवाइजर को कभी यहां आने की जरूरत नहीं पड़ी। एनएसए को आमतौर पर जम्मू-कश्मीर, नार्थ ईस्ट के अशांत प्रदेशों की या फिर विदेशी मामलों में ज्यादा रहती है। मगर 2025 का डीजीपी कांफ्रेंस रायपुर में आयोजित हो रहा, लिहाजा पहली बार रायपुर में एनएसए का विजिट होगा। वो भी अजीत डोभाल जैसे बेहद ताकतवर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का। आईपीएस बैकग्राउंड के अजीत डोभाल लंबे समय तक रॉ में रहे हैं।

CIC, IC की नियुक्ति
छत्तीसगढ़ में मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। बिलासपुर हाई कोर्ट ने स्थगन समाप्त करते हुए याचिका खारिज कर दी। बताते हैं, कोर्ट में बड़ा दिलचस्प हुआ। जिस 25 साल के अनुभव की शर्त को चैलेंज किया गया था, कोर्ट ने उसे सही करार दिया। विरोधी पक्ष ने कोई तर्क-वितर्क भी नहीं किया। हाई कोर्ट से शुभ खबर आने के कुछ घंटे बाद शुक्रवार देर शाम CIC के एक मुख्य दावेदार ने मुख्यमंत्री से मुलाकात भी कर ली। इससे ऐसा प्रतीत होता है अगले हफ्ते किसी भी रोज मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में चयन कमेटी की बैठक के बाद आदेश निकल जाएगा।

करप्शन पर कंट्रोल नहीं
सरकार के दो बरस होने जा रहे हैं। इस दौरान सुधार के क्षेत्र में कई बड़े कदम उठाए गए। कुछ विभागों में रिफार्म की कोशिशें अच्छी हुईं। मगर एक बात लोगों को अभी भी खटक रहा, वो है करप्शन। तमाम कोशिशों के बाद सरकारी मशीनरी में करप्शन का लेवल डाउन नहीं हो रहा। आश्चर्य यह है कि ये तब भी नहीं रुक रहा, जब सरकार के पास साफ-सुथरी छवि की एक बेहतरीन टीम है। चीफ सिकरेट्री विकास शील हो या फिर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, डीजीपी अरुणदेव गौतम हों या फिर ख़ुफ़िया चीफ अमित कुमार। इन चारों शीर्ष अधिकारियों की ईमानदारी और निष्ठा पर विपक्ष के लोग भी सवाल नहीं खड़ा कर सकते। बावजूद इसके अगर भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लग पा रहा तो सिस्टम में बैठे लोगों को मंथन करना चाहिए कि लाइलाज बन चुकी इस बीमारी का निदान कैसे हो। हालांकि, सिस्टम को ऑनलाइन करने के प्रयास तेज हुए हैं..ई-ऑफिस से फाइलों को कोई ज्यादा दिन तक रोक नहीं पा रहा..मगर सिस्टम इतना खतरनाक हो चुका कि सिर्फ इससे काम नहीं चलेगा। पॉलीटिकल लेवल पर भी इस पर काम करना होगा। वास्तव में जरूरत है सौदान सिंह जैसे शख्सियत की, जो आवश्यकता पड़ने सायकिल चला सके, और डंडा भी।

मंत्रियों का जनदर्शन क्यों नहीं?
मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जनदर्शन फिर से प्रारंभ होने जा रहा है। 13 नवंबर को मुख्यमंत्री निवास में उनका जनता दरबार लगेगा। हालांकि, सीएम हाउस में पहले भी कुछ जनदर्शन हुए थे। मगर व्यस्तता की वजह से कुछ महीनों से यह कार्यक्रम बंद हो गया था। सरकार के रणनीतिकारों का कहना है कि मुख्यमंत्री का जनदर्शन अब अनवरत चलेगा। याने कोई बेहद विशेष परिस्थिति होगी, तभी इसमें बदलाव किया जाएगा। मगर, सरकार को कोशिश करनी चाहिए कि मंत्रियों का भी रेगुलर जनदर्शन हो। कुछ मंत्रियों की स्थिति ये हो गई है कि आम आदमी से मिलना दूर, पार्टी कार्यकर्ताओं को उनके पास फटकने नहीं दिया जाता। यही हाल, कलेक्टरों का है। सरकार ने कलेक्टरों को कई बार जनदर्शन लगाने कहा मगर ग्राउंड पर उसका पालन नहीं हो रहा। दो-चार को छोड़ दें तो शायद ही कोई कलेक्टर जनदर्शन करता हो। जाहिर सी बात है कि आम आदमी हो या कार्यकर्ता, संवेदनशीलता से कोई सुनने वाला मिल जाए तो उसकी आधी पीड़ा वैसे ही दूर हो जाती है।

पांच बेस्ट कलेक्टर!
छत्तीसगढ़ में 33 जिले हैं और स्वाभाविक तौर पर इतने ही कलेक्टर। मंत्रालय के कुछ अफसरों ने कलेक्टर कांफ्रेंस के बाद अनआफिसियल तौर पर इनकी ग्रेडिंग तैयार की है, उसमें पांच कलेक्टरों को परफार्मेंस की दृष्टि से सबसे ऊपर रखा गया है। हालांकि, ग्रेडिंग में परसेप्शन की भी भूमिका हो सकती है। क्योंकि, इन पांच में से दो-तीन को पहले से माना जाता है कि वे रिजल्ट देने वाले अफसर हैं। बहरहाल, 13 कलेक्टरों के वर्क को संतोषजनक माना गया है। और चार को खराब। अगर सियासी परिस्थितियां अनुकूल रहीं तो अगली लिस्ट में इन्हें बदला जा सकता है।

पुलिस कमिश्नर में ब्रेकर
सरकार बदलते ही पुलिस कमिश्नर सिस्टम पर चर्चा शुरू हुई थी। 2024 के स्वतंत्रता दिवस पर इसका ऐलान होना था। मगर 2025 का गणतंत्र दिवस निकल गया। इस साल 15 अगस्त को इस ऐतिहासिक सुधार की घोषणा हुई मगर अभी भी यह कागजों से बाहर नहीं आ पाया है। ऊपर से अकूत शक्तियों ने दुर्ग के साथ नाइंसाफी कर दी। जाहिर है, प्रारंभ में रायपुर और दुर्ग में इस सिस्टम को लागू करने पर बात हुई थी। घोषणा से पहले गृह विभाग ने रायपुर और दुर्ग आईजी से इस सिलसिले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी। मगर जब पुलिस कमिश्नर के लिए ड्राफ्ट बनाने का निर्देश जारी हुआ तो दुर्ग डिलिट हो चुका था। बहरहाल, डीजीपी के निर्देश पर बनी सात सदस्यीय कमेटी ने सितंबर में ड्राफ्ट तैयार कर गृह विभाग को भेज दिया। अंदेशा था कि राज्य निर्माण के रजत जयंती जैसे ऐतिहासिक मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों पुलिस के इस सबसे बड़े रिफार्म का आगाज हो जाएगा। मगर किन्हीं वजहों से ऐसा हो न सका। अब इसे कब और किस रूप में लागू किया जाएगा, कोई कुछ ठोस से बता पाने की स्थिति में नहीं है।

मंत्रियों की छुट्टी?
सियासी गलियारों में अटकलें बड़ी तेज है कि मंत्रिमंडल से दो-एक मंत्रियों को बदला जा सकता है। दावे यहां तक किए जा रहे हैं कि दिसंबर में किसी भी दिन मंत्रिमंडल में सर्जरी हो सकती है। जाहिर है, इस तरह की खबरों की कोई पुष्टि करता नहीं। ऐसी खबरें द्रुत गति से फैलती भी है। सो, हर तीसरा आदमी यह सवाल कर रहा...किन मंत्रियों को बदला जा रहा। हालांकि, इस उड़ी हुई खबरों के बीच यह सवाल भी गौरतलब है कि दो महीने पहले सितंबर में जब तीन मंत्रियों को कैबिनेट में शामिल किया गया...उसी समय मंत्रिमंडल का पुनर्गठन क्यों नहीं हुआ?

कलेक्टरों को अभयदान
छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य याने एसआईआर प्रारंभ हो गया है। 6 फरवरी 2026 तक सरकारी मुलाजिम डोर-टू-डोर जाकर मतदाता सूची को चेक करेंगे। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर राज्य सरकार ने कलेक्टरों, एडिशनल कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, नायब तहसीलदारों समेत इस कार्य में लगे कर्मचारियों के तबादले पर रोक लगा दी है। इससे वास्तविक से कलेक्टरों का ट्रांसफर प्रभावित होगा। सूबे में कलेक्टरों की एक छोटी लिस्ट काफी दिनों से ड्यू है। ऐसे संकेत भी थे कि राज्योत्सव के बाद एक लिस्ट निकलेगी। मगर एसआईआर शुरू हो जाने के बाद अब 7 फरवरी 2026 से पहले कलेक्टरों का ट्रांसफर मुमकिन नहीं होगा। अलबत्ता, सरकार चाहे तो निर्वाचन आयोग से परमिशन लेकर छोटे स्तर पर तबादले किए जा सकते हैं। मगर देखना यह होगा कि सरकार के लिए यह कितना जरूरी है।

आईपीएस की लिस्ट
पिछले महीने राज्य सरकार ने चार पुलिस अधीक्षकों समेत करीब आधा दर्जन आईपीएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया। मगर महासमुंद के एसपी आशुतोष सिंह का नाम लिस्ट से गायब देख लोगों को बड़ा आश्चर्य हुआ। आशुतोष डेपुटेशन पर दिल्ली जा रहे हैं। सीबीआई में उन्हें एसपी की पोस्टिंग भी हो गई है। पोस्टिंग मिलने के बाद चूंकि डेपुटेशन पर जाना अनिवार्य रहता है, इस लिहाज से समझा जा रहा था कि आईपीएस की लिस्ट में सबसे ऊपर उनका नाम होगा। मगर ऐसा हुआ नहीं। बहरहाल, जैसी कि सूचना है राज्य सरकार किसी भी दिन किसी आईपीएस को महासमुंद का एसपी अपाइंट कर आशुतोष को सीबीआई के लिए रिलीव कर देगी। हो सकता है, राजनांदगांव में नए एडीएसपी भी नियुक्त किए जाएं। एडीसी का मामला भी लंबे समय से लटका हुआ है। सरकार ने सुनील शर्मा की जगह उमेश गुप्ता को नया एडीसी नियुक्त किया था। मगर सुनील शर्मा को अभी भी कंटिन्यू करना पड़ रहा है।

अफसर का पावर
किसी अफसर का पावर और संपर्क कितना मजबूत हो सकता है, इस वाकये से आप अंदाजा लगा सकते हैं। असल में, स्कूल शिक्षा विभाग के मंत्री बनने के बाद गजेंद्र यादव कड़े तेवर दिखा रहे हैं। कई जेडी, डीईओ को सस्पेंड करने के बाद वे डीपीआई के कुछ अधिकारियों को बदलने का प्रयास शुरू किए थे। शिक्षकों के ट्रांसफर की नोटशीट लीक करने की वजह से एक अफसर उनके निशाने पर था। मगर इसकी भनक अधिकारी को लग गई। और उसका जलवा देखिए...अधिकारी की सिफारिश लेकर दो-दो मंत्री गजेंद्र यादव के पास धमक गए। गजेंद्र तब एक जिले के दौरे पर सर्किट हाउस में रुके थे। दो-दो मंत्रियों को देख वे हैरान रह गए।

अंत में दो सवाल आपसे?
1. सत्तारूढ़ पार्टी को 14 की 14 सीटें देने वाले संभागीय मुख्यालय अम्बिकापुर की सड़कें इतनी बदतर क्यों हो गई हैं?
2. क्या ये सही है कि बीजेपी के कुछ नेता भी विपक्ष का किरदार निभा रहे हैं?

जैकेट के शेष

सुप्रीम कोर्ट के ....
कठिन इसलिए भी है कि रायपुर रेलवे स्टेशन में कुत्तों के घुसने के अनगिनत रास्ते हैं। वहीं बस स्टेंड तो पूरी तरह खुला हुआ है। कोई रोक टोक है ही नहीं। हरिभूमि ने राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड की भौगोलिक स्थिति का जायजा लिया। करीब 13 एकड़ में फैले रायपुर रेलवे स्टेशन परिसर में चारों ओर बाड़ लगाना व्यावहारिक रूप से कठिन कार्य माना जा रहा है। वर्तमान में मुख्य मार्ग से लेकर गुढ़ियारी क्षेत्र की ओर से आवारा पशु और कुत्ते आसानी से स्टेशन परिसर में प्रवेश कर जाते हैं। प्लेटफार्म की सीमाओं पर बाड़ लगाने के बावजूद आवारा पशुओं की रोकथाम मुश्किल होगी, क्योंकि पटरियों के जरिए कॉलोनियों की ओर से उनका प्रवेश संभव रहेगा।

चारों तरफ घूम रहे हैं आवारा पशु-कुत्ते : वीआईपी गेट, जीआरपी स्टेशन की ओर जाने वाले मार्ग और गुढ़ियारी की ओर स्थित छोटे गेट से आवारा कुत्ते आसानी से स्टेशन में प्रवेश कर जाते हैं। इन स्थानों पर फेंसिंग लगाने से यात्रियों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है।

20 करोड़ खर्च, इसके ....
और गंभीर हो जाती है क्योंकि अंधेरे में मवेशी दिखाई नहीं देते। पिछले 6 सालों की आंकड़ों की ही बात करें तो 200 से अधिक हादसे हो चुके हैं जिसमें 80 के करीब लोगों की मौत और 140 से अधिक लोग घायल हो चुकें हैं। 20 करोड़ से अधिक अब तक खर्च किए जा चुके हैं। हरिभूमि ने पड़ताल की तो शहर से लेकर नेशनल हाईवे तक जगह-जगह मवेशियों का झुंड बैठा मिला, जिससे हादसे हो रहे हैं, वहीं जिम्मेदार दूर तक नहीं दिखाई दिए।

हाईकोर्ट ने की ....
दर्ज करने को कहना पड़ेगा। कोर्ट ने कहा है कि सरकार फंड देती है, अधिकारी नियुक्त करती है, लेकिन अगर वही ड्यूटी नहीं निभा रहे तो जिम्मेदार कौन है? आप गर्व करते हैं कि हाईवे और चौड़ी सड़कें बना लीं, लेकिन उन पर मवेशी मर रहे हैं, लोग हादसों का शिकार हो रहे हैं। यह कैसी व्यवस्था है?

हाईवे पर 20 ...
में चारागाह की जमीन पर अवैध कब्जा होने के साथ जगह का उपयोग रहवासी क्षेत्र के रूप में करने की वजह से स्थिति और भी विकराल हो गई है।

रेस्क्यू करना आसान नहीं : शहर की सड़कों के साथ स्टेट, नेशनल हाईवे में सड़कों पर कब्जा जमाए मवेशियों को रेस्क्यू करना आसान नहीं है। मवेशियों को रेस्क्यू करने वर्तमान में राज्य के अलग-अलग जिलों में जितने लोगों की टीम लगती है, वह नाकाफी है। मवेशियों को रेस्क्यू करने स्थानीय प्रशासन को अलग से विभाग बनाना पड़ेगा।

रेस्क्यू करने के बाद रखने की परेशानी : मवेशियों को रेस्क्यू करने के बाद रखना एक बड़ी चुनौती है। मवेशियों को रखने के लिए जो गोठान बनाए गए हैं, वह एक से डेढ़ एकड़ के क्षेत्र में हैं। उन गोठानों में क्षमता से कई गुना ज्यादा मवेशियों को ठूंस-ठूंस कर भर दिया जाता है। इसके कारण मवेशियों को पर्याप्त चारा-पानी नहीं मिलता और संक्रमण के शिकार होने के साथ मवेशी एक जगह खड़े रहते हैं। मवेशियों को चलने-फिरने के साथ बैठने की जगह नहीं मिलती। इसके कारण मवेशियों की आखिर मृत्यु हो जाती है।

शराब सरकारी निगम ...
राज्य में आबकारी के वित्तीय लक्ष्य को पूरा करने आबकारी नीति में परिवर्तन किए जाने के कयास लगाए जा रहे थे। खबरें थी कि शराब अब सरकार की जगह ठेकेदार ही बेचेंगे। हरिभूमि से मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा, वर्तमान आबकारी नीति को बदलने का कोई प्रस्ताव नहीं है। वित्तीय लक्ष्य प्राप्त करने सभी शराब दुकानों में व्यवस्थित रूप से बिक्री की जा रही है।उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में वर्ष 2017 से डॉ. रमन सिंह सरकार द्वारा सरकारी बिक्री प्रणाली शुरू की गई थी। भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार ने इसे जारी रखा था। अब भाजपा सरकार बनने के बाद इसमें परिवर्तन के कयास लग रहें हैं। यह कहा जा रहा है कि पिछले वर्ष आबकारी के लिए निर्धारित किए गए लक्ष्य से 3,000 करोड़ रुपए के राजस्व घाटे के बाद अब 2025-26 के लिए 12,500 करोड़ का लक्ष्य रखा गया है।

अवैध शराब रोकने ....
भरपाई का अनुमान है। बताया जाता कि छत्तीसगढ़ में शराब की कीमतें ज्यादा थीं। जिस कारण से दूसरे राज्य में अवैध रूप से शराब की तस्करी होती थी। अवैध रूप से शराब की तस्करी के कारण राजस्व को घाटा होता था। ऐसे में सरकार ने शराब की कीमतों को कम करने का फैसला लिया था।

पिछले माह हुई ....
हो इसे लेकर ऑनलाइन सिस्टम भी लागू किया गया है।

पेज एक के शेष

एक पैर छत्तीसगढ़ में दूसरा ओडिशा में...
आसपास बताई जाती है और छत्तीसगढ़ के इस गांव से सटे ओडिशा प्रदेश का पहला गांव का नाम आचला है। हरिभूमि ने देखा कि दोनों राज्य के बीच कोई भी जांच चौकी नहीं है। यही नहीं, यहां कोई सूचना पटल भी नहीं लगा है। जिससे राहगीरों को यह जानकारी हो कि उस पार ओडिशा है। हालांकि इस क्षेत्र के ग्रामीण आने जाने वाले राहगीरों को इतना जरूर बताते है कि जैसे ही डामरीकरण पक्की सड़क मिलेगी, समझ जाना यहीं से ओडिशा प्रारंभ होता है।

आखिरी टारगेट अब हिड़मा ...
जा रहा है। **हिड़मा को मार गिराना बड़ी चुनौती:** गौरतलब है कि माडवी हिड़मा पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की बटालियन नंबर 1 का प्रमुख है जो भाकपा (माओवादी) का सैन्य विंग है। हिड़मा माओवादियों की केंद्रीय समिति का सदस्य भी है- जिस पर 1 करोड़ रुपए का ईनाम घोषित है।

हरियाणा में हमारे साथ अत्याचार ...
वहीं रहकर खेती करना चाहता हूं। अब कोई आदेश नहीं, बस अपनी मर्जी से जीना है। सुनील ने हरिभूमि को बताया कि वह ग्राम थांडर थाना स्माइलबाद, जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा का रहने वाला था। जनवरी 2004 में यमुनानगर हरियाणा में माओवादियों द्वारा संचालित शोषित तुलनात्मक संघर्ष मंच में हुआ। सुनील ने बताया कि हरियाणा में जातिगत भेदभाव और जमीन की समस्या से परेशान होकर माओवादी संगठन से जुड़ा। दलित वर्ग पर अन्याय और शोषण हो रहा था। आत्मरक्षा और न्याय की लड़ाई के लिए हथियार उठाना मजबूरी थी। उसने कहा उस समय मास्टर सतीश और नवीन किसान-मजदूर संघर्ष संगठन का नेतृत्व कर रहे थे, उनके साथ जुड़कर सुनील ने आंदोलन का रास्ता चुना। सुनील उर्फ जगतार सिंह ने बताया कि 2006 में पहली बार पिस्टल मिला, किसी को मारने के लिए नहीं, खुद की रक्षा के लिए।

फोर्स के एनकाउंटर ने डराया, मौत का खौफ, जिंदगी को चुना : सुनील ने बताया कि गरियाबंद में हाल ही में हुई 10 नक्सलियों की मुठभेड़ में मौत ने उन्हें भीतर तक डरा दिया। तब लगा कि अब या तो मरेंगे या फिर आत्मसमर्पण करेंगे। हमने जीवन चुना, मौत नहीं उसने कहा कि अब आईजी अमरेश मिश्रा के समक्ष आत्मसमर्पण के बाद उसके मन का भय समाप्त हो गया है।

हम कुछ नहीं कर पाए, आंदोलन अधूरा रह गया : हमने बीस साल जनता की लड़ाई लड़ी, लेकिन अब लगता है कि जिस जनता के लिए हथियार उठाए, उनके लिए कुछ कर नहीं पाए। आंदोलन अधूरा रह गया। उसका मानना है कि सरकार यदि सच में गांवों में डॉक्टर, शिक्षक और रोजगार दे दे, तो कोई भी बंदूक नहीं उठाएगा।

कांग्रेस में फिर फूटा बृहस्पत बम ...
महिला फोन पर होती है, वह खुद को जरिता लैतफलांग बताकर अध्यक्ष बनाने के बदले पैसों की मांग करती हैं। बृहस्पत सिंह ने वीडियो जारी कर इस संबंध में बयान दिया है। उनके वीडियो में कांग्रेस के पूर्व प्रभारी कुमारी सैलजा का भी जिक्र है। उनके संबंध में बृहस्पत सिंह ने कहा है कि कुमारी सैलजा ने भी छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के लोगों से वसूली की और हाईकमान को गलत जानकारी दी। बता दें, इससे पहले बृहस्पत सिंह ने टीएस सिंहदेव पर भी टिप्पणी की थी। साथ ही निपटो निपटाओ के खेल में कांग्रेस के चुनाव हारने का दावा भी किया था।

कांग्रेस में लेनदेन का चलन: भाजपा : बृहस्पत सिंह के जिला अध्यक्ष बनाने के लिए पैसों के लेनदेन के आरोपों पर भाजपा की भी प्रतिक्रिया आई। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि कांग्रेस में पैसों के लेनदेन का चलन रहा है। पहले भी इस तरह की बातें होती रही हैं, लेकिन विपक्ष का यह हाल होना चिंताजनक है।

राहुलजी को संज्ञान लेना चाहिए: बृहस्पत सिंह ने अपने वीडियो में इस बात का उल्लेख किया है कि एक एक दावेदार से पांच से सात लाख रुपए की मांग की जा रही है। जबकि राहुल गांधी ने कर्मठ और समर्पित कांग्रेसी को जिला अध्यक्ष बनाने संगठन सृजन कार्यक्रम की शुरुआत की है। अगर रिश्वत लेकर ही अध्यक्ष बनाए जाएंगे, तो कैसे कैसे लोग अध्यक्ष बनेंगे, इस पर भी बृहस्पत सिंह ने सवाल उठाए हैं।

दुर्ग रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया ...
जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने ग्राम बुढी खाली जिला नोडल बांग्लादेश अजमीर अलीमीन शेख नामक युवक को पकड़ा है। अजमीर ने भारत आने के लिए दलाल से पांच हजार रुपए देने की बात पुलिस को बताई है। पुलिस को गोपनीय सूचना मिलने पर तुरंत दुर्ग रेलवे स्टेशन पहुंचकर अजमीर को पकड़ लिया। उसके बाद मुंबई पुलिस उसे लेकर लौट गई।

छत्तीसगढ़ में जमीन की गाइडलाइन ...
मार्ग को परिभाषित नहीं किया गया था। **जमीन की आकार के आधार पर मूल्य:** पूर्व में सिंचित, असिंचित भूमि के मध्य कोई अनुपात नियत नहीं था, जिसके कारण प्रत्येक स्थानों पर सिंचित, असिंचित भूमि के बीच अंतर गैर-अनुपातिक एवं अतार्किक थे। नए नियम में 20 प्रतिशत कम कर निर्धारित किया जाएगा। पूर्व उपबंध में छोटी जमीन का बाजार मूल्य अधिक तथा बड़ी जमीन का बाजार मूल्य कम आता था। अब मूल्यांकन इनक्रिमेंटल आधार पर किया जाएगा, जिससे बड़ी जमीन का मूल्य हमेशा छोटी जमीन से अधिक होगा।**वाणिज्यिक, औद्योगिक इकाई के लिए प्रचलित सामान्य दर समाप्त:** नए नियमों में मुख्य मार्ग को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है कि गाइडलाइन में उल्लेखित मार्ग यथा राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग तथा मुख्य जिला मार्ग तथा 18 मीटर या इससे अधिक चौड़ी सड़क को मुख्य मार्ग माना जाएगा। पूर्व में वाणिज्यिक या औद्योगिक इकाई द्वारा जमीन खरीदने पर पूरे राज्य के लिए अलग से दर निर्धारित थी। इसके कारण प्रत्येक स्थान में दो अलग-अलग प्रकार के क्रेता के लिए दो अलग-अलग दर होने से विरोधाभास की स्थिति बनती थी। अब वाणिज्यिक, औद्योगिक इकाई के लिए पूरे राज्य में प्रचलित सामान्य दर को समाप्त कर दिया गया है।

इन प्रावधानों को हटाया गया: कृषि, डायवर्टेड, नजूल एवं आबादी भूमि के लिए अब एक समान मूल्यांकन मानक लागू होगा, जिससे डायवर्टेड एवं नजूल भूमि होने मात्र से संपत्ति के बाजार मूल्य नहीं बढ़ेंगे तथा भ्रम और त्रुटियों की संभावना समाप्त होगी। नए नियमों में दो फसली भूमि होने पर 25 प्रतिशत वृद्धि, गैर परंपरागत फसलों पर 25 प्रतिशत वृद्धि, नलकूप-ट्यूबवेल होने पर उसकी अलग कीमत, बाउंड्रीवाल एवं फ्लिंट होने पर उसकी अलग कीमत वृद्धि करने जैसे प्रावधानों को हटा दिया गया है। इसका प्रत्यक्ष लाभ आम जनता को होगा।

भूमि के अलग अलग प्रावधान अब एक: पूर्व में नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत तथा इनमें कृषि, नजूल, डायवर्टेड प्रत्येक अलग-अलग प्रकार की भूमि के लिए अलग-अलग प्रकार के गणना के प्रावधान थे। अब इन्हें युक्तिसंगत बनाते हुए एक ही प्रकार का प्रावधान किया गया है। सभी वर्ग के नगरों एवं भूमि के लिए अब हेक्टेयर दर की सीमा 0.14 हेक्टेयर कर दिया गया है। पूर्व में निर्मित संरचनाओं के लगभग 21 प्रकार की दरें थीं, जिसके कारण अनावश्यक भ्रम पैदा होता था। संशोधित नियमों में निर्मित संरचनाओं के लिए केवल 8 दरें रखी गई हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विविध कार्य हेतु ई-निविदा सूचना
निविदा सूचना क्रमांकः 19-CEE-C-SECR-2025
DATE- 04.11.2025
कार्य का नामः द.पू.म. रेलवे के बिलासपुर मण्डल में अनुपपुर-कटनी के बीच तीसरी लाइन के संबंध में 2x25 केवी ए.सी. ओचईई प्रणाली द्वारा अनुपपुर और शहडोल यार्ड के यार्ड संशोधन सहित अनुपपुर-कटनी के बीच तीसरी लाइन का शेष विद्युतीकरण कार्य । **निविदा मूल्यः रू. 16,45,03,610.92/-** (सोलह करोड़ पैंतालीस लाख तीन हजार छह सौ दस और ब्यानबे पैसे) मात्र । **बयाना राशिः रू. 9,72,500/-** (नौ लाख बहत्तर हज़ार पांच सौ) मात्र ।
निविदा बंद होने का समय एवं दिनांकः 27.11.2025 को 15:30 बजे, निविदा खोलने का समय एवं दिनांकः 27.11.2025 को 15.45 बजे ।
कार्य पूर्णता की अवधिः स्वीकृति का पत्र जारी होने की तारीख से 12 (बारह) माह ।
वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थानः उपर दिए गए कार्य के लिए विस्तृत जानकारी/ई-निविदा दस्तावेज पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु ई-निविदा कागजात, जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर/ देख सकते हैं ।
उप मु.वि.अभियंता (निर्माण)/मुख्या.
सीपीआर/10/443 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

न्यायालय तहसीलदार गोबरा नवापारा जिला रायपुर (छ.ग.)
// ईश्तहार //
ग्राम खरखराडीह प.ह.नं. 03
रा.प्र.क्र. 202510114700055/
अ-6/ वर्ष 2025-26
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका/क्रेता श्रीमती पेमिन यादव पति श्री दीपक चंद यादव निवासी सेक्टर 01 गीतांजली नगर, तेलीबांधा तहसील व जिला रायपुर छ.ग. द्वारा ग्राम खरखराडीह प.ह.नं. 03 रा.नि.म. तोरला तहसील गोबरा नवापारा जिला रायपुर छ.ग. स्थित खसरा नं. 428/3 का भाग रकबा 1500 वर्गफुट भूमि को आवेदिका/क्रेता द्वारा अनावेदक/विक्रेता अजय वर्मा डेव्हलपर्स एंड बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड द्वारा अजय वर्मा पिता जी.एस.वर्मा से पंजीकृत विक्रय विलेख पत्र दिनांक 30/06/2023 के माध्यम से क्रय किया गया। पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 30/06/2023 के आधार पर नामांतरण हेतु भुईया सी.टी. 20252644033340006 में प्राप्त हुआ। साक्ष्य का विषय होने के कारण एवं हल्का पटवारी से विस्तृत जांच प्रतिवेदन लिये जाने हेतु प्रकरण न्यायालय में हस्तांतरित किया गया। तत्संबंध में राजस्व प्रकरण न्यायालय विचाराधीन है।
अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था / समूह को कोई दावा आपत्ति हो तो वे अपना दावा आपत्ति आवेदन इस न्यायालय में नियत पेशी तारीख 11/11/2025 तक न्यायालयीन समय में स्वतः अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर पेश कर सकते है, नियत तारीख के बाद प्राप्त आपत्ति आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से आज दिनांक 24/10/2025 को जारी किया गया।
मुहर
तहसीलदार
गोबरा नवापारा

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार पाटन, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार
रा.प्र.क्र. 20251014500085 अ-6
वर्ष 2025-26
पक्षकार मुकेश कुमार अवधिया अन्य 02
ग्राम खुड़मुड़ी
एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम खुड़मुड़ी प.ह.नं. 15 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक मुकेश कुमार अवधिया पता स्व. यादराम अवधिया अन्य 02 निवासी अवधिया पारा रायपुर द्वारा ग्राम खुड़मुड़ी प.ह.नं. 15 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित मथुरा प्रसाद पिता रामलाल वगैरह के नाम दर्ज भूमि खसरा नंबर 338, 339 रकबा क्रमशः 0.60, 0.70 हे. में दर्ज सहखातेदारों का मृत्यु हो जाने से आवेदन में अंकित वंशवृक्ष अनुसार फौती नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत आधार पर प्रकरण विचाराधीन है।
अतः उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 10/11/2025 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 16/10/2025 को जारी किया जाता है।
मुहर
अतिरिक्त तहसीलदार
पाटन

प्रधानमंत्री मोदी की भूटान यात्रा 11 से
हरिभूमि न्यूज .नई दिल्ली। घरेलू और वैश्विक स्तर पर बनी हुई चुनौतियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह 11 से 12 नवंबर तक भूटान की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर रहेंगे। जिसके जरिए दोनों देशों के बीच मौजूद विशेष दोस्ती और आपसी सहयोग को मजबूती मिलेगी। भारत-भूटान का यह संबंध उनके बीच परस्पर आधार पर नियमित रूप से होने वाले उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय आदान-प्रदान पर आधारित है। प्रधानमंत्री की ये भूटान यात्रा इसलिए भी खास होगी।

कार्यालय नगरपालिका परिषद् दन्तेवाड़ा जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)
क्रमांक/1166/तक./न.पा.परि./2025-26 दंतेवाड़ा, दिनांक 07/11/2025
//मैनुअल पद्धति से निविदा आमंत्रण सूचना//
एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्म/ ठेकेदारों/ एजेंसी / कंपनी से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु नगरपालिका परिषद, दंतेवाड़ा द्वारा मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रं.	कार्य का नाम	अनु. लागत राशि (रूपये लाख में)	निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि
1	वार्षिक निविदा अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में निकाय क्षेत्र के विभिन्न निर्माण एवं मरम्मत कार्य हेतु जोनल निविदा कार्य (प्रति कार्य अधिकतम 1.50 लाख)	9.99	17.11.2025
2	वित्तीय वर्ष 2025-26 में अध्यक्ष /पार्षद / एल्डरमेन निधि अंतर्गत विभिन्न निर्माण एवं मरम्मत कार्य	9.99	

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय के तकनीकी शाखा से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट https://www.uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् दन्तेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

कार्यालय नगरपालिका परिषद कांकेर, जिला उ.ब. कांकेर (छ.ग.)
क्रमांक / 1362 / एएचपी / न.पा.प./ 2025 दिनांक 07.11.2025
प्रधानमंत्री आवास योजना – सबके लिए आवास मिशन (शहरी)
प्रधानमंत्री आवास योजना अन्तर्गत निर्मित ईमलीपारा साईट एवं शिवनगर साईट में उपलब्ध आवासीय फ्लैटस के आंबटन हेतु विज्ञापन जारी किया जाता है। AHP घटक अंतर्गत "**मोर मकान मोर चिन्हारी**" एवं "**मोर मकान मोर आस**" योजना अंतर्गत 128 नग आवासों का वितरण किया जाना है-
1. मोर मकान मोर चिन्हारी योजना –
पात्रता – निकाय क्षेत्रान्तर्गत स्थित अस्थायी एवं अव्यावहारिक गन्दी बस्ती क्षेत्र के पात्र हितग्राही यथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्र, कैचमेंट एरिया सहित जलाशय क्षेत्र, हाईटेंशन विद्युत लाईन के नीचे मास्टर प्लान में सार्वजनिक प्रयोजन के उपयोग स्थल यथा मुख्य मार्ग (MR) एवं मार्ग चौड़ीकरण, उद्यान इत्यादि हेतु स्वीकृत भूमि पर स्थित अस्थायी गंदी बस्ती ।
परियोजना का लाभ लेने हेतु आवश्यक लागत –

प्रति आवास कारपेट क्षेत्र	प्रति आवास लागत (राशि रू. लाख में)			
	कुल	केन्द्राश	राज्यांश	हितग्राही अंश
30 वर्ग मीटर	4.75 (अधिकतम)	1.50	2.50	0.75

नियम शर्ते :-
01. हितग्राही को अपना वर्तमान निवास स्थान / भूमि शासन को सौपना होगा तउपरान्त आंबटन की कार्यवाही की जावेगी जिसके तहत हितग्राहियों को केवल हितग्राही अंशदान की राशि 0.75 लाख ही भुगतान करना होगा ।
02. मोर मकान – मोर आस

स्थान का नाम	तल का विवरण	फ्लैटस की संख्या	कारपेट एरिया (वर्गफीट में)	अनुमानित मूल्य (लाख में)
शिवनगर	भू-तल	12	325	3.90
	प्रथम तल	16	325	3.90
	द्वितीय तल	16	325	3.90
कुल योग :-		44		
ईमलीपारा	भू–तल	20	325	3.90
	प्रथम तल	32	325	3.90
	द्वितीय तल	32	325	3.90
कुल योग :-		84		
महायोग :-		128		

पात्रता की शर्ते :-
(1) निकाय क्षेत्र में दिनांक 31.08.2015 से पूर्व निवासरत हो। मतदाता सूची किरायानामा निवास प्रमाण-पत्र / अन्य शासकीय दस्तावेज / वर्ष 2011 की जनगणना सूची में नाम। (02) पूरे परिवार (पति, पत्नी एवं आवयस्क बच्चे) की आय राशि रू. 3.00 लाख से कम हो। नियोक्ता द्वारा प्रदत्त वेतन प्रमाण- पत्र / राशन कार्ड / सक्षम राजस्व अधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण-पत्र) (03) देश में किसी भी स्थान पर पक्का आवास न हो। (हितग्राही का शपथ - पत्र (नोटरी से सत्यापित)/पीएमएवाय के एमआईएस पोर्टल में भी पुष्टि की जावें। (04) प्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है । (मूल निवासी प्रमाण-पत्र / जन्म प्रमाण-पत्र / जाति प्रमाण-पत्र / वंशावली) (तहसीलदार / राजस्व विभाग के समक्ष अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण-पत्र) (05) आवेदक को आवेदन पत्र हेतु राशि रू. 100 / - का शुल्क जमा करने उपरान्त फार्म प्रदान किया जावेगा। (06) हितग्राहियों को आवास आंबटन हेतु उल्लेखित पात्रता (क्र. 01 से 04) की शर्तो का पालन प्राथमिकता के आधार पर किया जावेगा । यदि इन शर्तो के पालन उपरान्त निकायों द्वारा मोर मकान मोर आस" हेतु निकाले गए विज्ञापन के विरूद्व प्राप्त आवेदनों में पात्र हितग्राहियों की संख्या विज्ञापित आवासों से कम पायी जाती है। तो शेष आवासों का आंबटन भारत सरकार, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के पत्र क्रं N-11011/111/2019-HFA-IV-UD (FTS- 9081341) दिनांक 21.01.2021 द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना – सबके लिए आवास मिशन (शहरी) हेतु जारी दिशा- निर्देश के अनुसार पात्र हितग्राहियों को किया जावेगा।
संपूर्ण रूप से भरे गये आवेदन पत्रों को नगरपालिका परिषद कांकेर कार्यालय में जमा कराये जाने की अंतिम तिथि दिनांक 24.11.2025 सायं 5.00 बजे तक है। पंजीयन के उपरान्त पात्र / अपात्र आवेदनों की सूची । कार्यालय के सूचना पटल पर दिनांक 10.12.2025 को प्रदर्शित कर दिनांक 19.12.2025 को लॉटरी के माध्यम से आवासों का आंबटन किया जावेगा ।
नोट :-(1) जिन हितग्राहियों ने पूर्व में आवेदन किया है, उन्हें पुनः आवेदन करने की आवश्यकता है या नगर पालिका के प्रधानमंत्री आवास शाखा में संपर्क स्थापित कर आवेदन की स्थित पता कर सकते हैं । (2) आवेदन पत्र में स्थल का नाम अंकित करना अनिवार्य है। (3) कार्य की लागत राशि में कमी या वृद्धि होने पर हितग्राही अंशदान की राशि में कमी / वृद्धि की जावेगी तो हितग्राही को मान्य होगी।
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद कांकेर

शब्द पहेली - 6042

बाएं से दाएं
1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौत,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे
1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली- 6041 का हल

सूडोकु नवताल - 6052
कठिनतम

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल - 6051 का हल

अपने लिए सही फंड चुनना किसी निवेशक के लिए बड़ी चुनौती

अगर गलत ईटीएफ चुन लिया, तो उसका रिटर्न पर बुरा असर पड़ेगा

गलत फंड चुनने से बचना चाहते हैं तो निवेश से पहले जान लें ये टिप्स

- बाजार में मौजूद 250 से ज्यादा ईटीएफ में से अपने लिए सही फंड चुनना आसान नहीं
- लक्ष्य और कुछ बातों को ध्यान में रखेंगे तो सही फंड में निवेश करना आसान हो जाएगा

म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। वजह साफ है। ईटीएफ बेहद कम खर्च में डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाने का मौका देते हैं। इसके साथ ही उन्हें एक्सचेंज पर जाकर स्टॉक्स की तरह आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है, लेकिन बाजार में 250 से ज्यादा ईटीएफ मौजूद हैं। ऐसे में अपने लिए सही फंड चुनना किसी निवेशक के लिए बड़ी चुनौती हो सकता है। अगर गलत ईटीएफ चुन लिया, तो उसका आपके रिटर्न पर बुरा असर पड़ सकता है। अगर आप अपने निवेश के लिए सही ईटीएफ चुनना चाहते हैं, तो कुछ बातों पर ध्यान दें। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे की कुछ ऐसे ही टिप्स जो आपको सही फंड चुनने में मदद करेंगे।

आपका ईटीएफ किस इंडेक्स को ट्रैक करता है

हर ईटीएफ किसी न किसी इंडेक्स को ट्रैक करता है। यानी आप इनडायरेक्ट तौर पर उस इंडेक्स में शामिल कंपनियों या एसेट्स में निवेश कर रहे होते हैं। मसलन, अगर आपका ईटीएफ निफ्टी 50 या सेंसेक्स को फॉलो करता है, तो आप उनके जरिये देश की टॉप कंपनियों की हिस्सेदारी खरीद रहे होते

हैं। इसलिए यह जानना बेहद जरूरी है कि आपका चुना हुआ ईटीएफ किस इंडेक्स से जुड़ा है और क्या वह आपके निवेश के उद्देश्य से मेल खाता है। सही इंडेक्स का चुनाव लंबे समय में बेहतर रिटर्न की दिशा तय करता है।

ट्रैकिंग एरर पर रखिए खास नजर

हर ईटीएफ कोशिश करता है कि वह अपने बेंचमार्क इंडेक्स को हूबहू फॉलो करे, लेकिन हर बार ऐसा संभव नहीं होता. इस छोटे फर्क को ही ट्रैकिंग एरर कहा जाता है। अगर यह एरर कम है, तो ईटीएफ अपने इंडेक्स के रिटर्न से काफी हद तक मेल खाता है। वहीं, अगर ट्रैकिंग एरर ज्यादा है, तो आपके रिटर्न उम्मीद से कम हो सकते हैं। इसलिए हमेशा ऐसे ईटीएफ को चुनना बेहतर रहता है, जिसका ट्रैकिंग एरर कम से कम हो।

लिक्विडिटी यानी खरीदना-बेचना कितना आसान

निवेश का मकसद सिर्फ रिटर्न पाना नहीं होता, बल्कि आपके पास जरूरत पड़ने पर पैसा निकालने की बेहतर सुविधा होनी भी जरूरी है। इसलिए ईटीएफ की लिक्विडिटी बेहद अहम होती है। अगर किसी ईटीएफ में रोजाना अच्छा कारोबार होता है, यानी खरीदने और बेचने वालों की संख्या काफी है, तो उसे कभी भी बेचना आसान रहेगा, लेकिन अगर फंड का ट्रेडिंग वॉल्यूम कम है, तो आपको जरूरत पड़ने पर कम समय में अपनी यूनिट्स बेचने में दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। हमेशा ऐसे ईटीएफ का चुनाव करें जिसे जरूरत पड़ने पर आसानी से खरीदा या बेचा जा सके।

ईटीएफ के प्राइस और एनएवी में फर्क को समझें

ईटीएफ की नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) यह बताती है कि उसमें शामिल एसेट्स का मौजूदा मूल्य कितना है। आम तौर पर ईटीएफ का मार्केट प्राइस उसके एनएवी के आसपास होना चाहिए, लेकिन कई बार मार्केट प्राइस इससे काफी ऊपर या नीचे भी ट्रेड करता है। अगर ईटीएफ का प्राइस उसकी एनएवी से काफी ज्यादा है, तो आप जरूरत से ज्यादा पैसे चुका रहे हैं। इसलिए निवेश से पहले हमेशा देखें कि ईटीएफ की कीमत उसकी एनएवी के करीब हो, ताकि आपका पैसा सही वैल्यू पर निवेश किया जा सके।

एक्सपेंस रेशियो पर ध्यान देना न भूलें

हर ईटीएफ को चलाने के लिए मैनेजमेंट कॉस्ट लगती है, जिसे एक्सपेंस रेशियो कहा जाता है। इसका आंकड़ा पहली नजर में भले ही बेहद छोटा लगे, लेकिन लंबे समय में यह आपके रिटर्न पर बड़ा असर डाल सकता है। मिसाल के तौर पर अगर किसी ईटीएफ का एक्सपेंस रेशियो 0.05% है और दूसरे का 0.10%, तो शुरुआत में फर्क छोटा दिखेगा, पर साल दर साल यही फर्क आपके रिटर्न पर बड़ा असर डाल सकता है। इसलिए बाकी बातें समान रहने पर हमेशा उसी ईटीएफ का चुनाव करें, जिसका एक्सपेंस रेशियो कम हो। सही ईटीएफ का चुनाव करना किसी भी निवेशक के लिए बड़ा फैसला होता है, क्योंकि इसी से तय होता है कि आगे चलकर आपका निवेश कितना स्टेबल और फायदेमंद रहेगा।

सही फैसला लें

अगर आप ऊपर बताई गई बातों-बेंचमार्क इंडेक्स, ट्रैकिंग एरर, लिक्विडिटी, प्राइस-एनएवी डिफरेंस और एक्सपेंस रेशियो - को ध्यान में रखकर फंड चुनेंगे, तो सही फैसला लेना आसान होगा। याद रखें, सारे ईटीएफ एक जैसे नहीं होते। इसलिए जल्दबाजी में नहीं, बल्कि समझदारी के साथ सही ईटीएफ चुनें।

क्या है ईटीएफ

ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) एक प्रकार का निवेश उत्पाद है जो शेयर बाजार में ट्रेड किया जाता है। यह एक म्यूचुअल फंड की तरह होता है, लेकिन इसे शेयर बाजार में ट्रेड किया जा सकता है जैसे कि शेयर।

ईटीएफ की विशेषताएं

1. ट्रेडेबिलिटी : ईटीएफ को शेयर बाजार में ट्रेड किया जा सकता है।
2. डाइवर्सिफिकेशन : ईटीएफ में विभिन्न प्रकार के शेयर, बॉन्ड, या अन्य सिक्योरिटीज शामिल होते हैं।
3. लो कॉस्ट : ईटीएफ की फीस आम तौर पर म्यूचुअल फंड की तुलना में कम होती है।
4. ट्रांसपेरेंसी : ईटीएफ के पोर्टफोलियो की जानकारी दैनिक रूप से उपलब्ध होती है।

ईटीएफ के प्रकार

1. इक्विटी ईटीएफ : ये ईटीएफ शेयर बाजार में निवेश करते हैं।
2. बॉन्ड ईटीएफ : ये ईटीएफ बॉन्ड में निवेश करते हैं।
3. सेक्टोरल ईटीएफ : ये ईटीएफ विशिष्ट क्षेत्रों में निवेश करते हैं।
4. इंटरनेशनल ईटीएफ : ये ईटीएफ विदेशी शेयर बाजार में निवेश करते हैं।
5. गोल्ड ईटीएफ : ये ईटीएफ सोने में निवेश करते हैं।

ईटीएफ के लाभ

1. डाइवर्सिफिकेशन : ईटीएफ में विभिन्न प्रकार के शेयर या सिक्योरिटीज शामिल होते हैं।
2. लो कॉस्ट : ईटीएफ की फीस आम तौर पर कम होती है।
3. ट्रेडेबिलिटी : ईटीएफ को शेयर बाजार में ट्रेड किया जा सकता है।
4. ट्रांसपेरेंसी : ईटीएफ के पोर्टफोलियो की जानकारी दैनिक रूप से उपलब्ध होती है।

ईटीएफ के जोखिम

1. मार्केट जोखिम : ईटीएफ के मूल्य में उतार-चढ़ाव हो सकता है।
2. लिक्विडिटी जोखिम : ईटीएफ की लिक्विडिटी कम हो सकती है।
3. ट्रैकिंग एरर : ईटीएफ का प्रदर्शन उसके अंडरलाइंग इंडेक्स के प्रदर्शन से भिन्न हो सकता है।

सत्यमेव जयते
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
भारत सरकार

सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग
वर्ष 2025-26 के लिए
एससी छात्रों हेतु मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना
के अंतर्गत उच्चतर शैक्षिक अध्ययन हेतु
अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों को
छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने की घोषणा करता है।

पात्रता
- माता-पिता / अभिभावक की वार्षिक आय 2.50 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए
- मान्यता प्राप्त संस्थानों/ विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों/ विद्यालयों में पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने वाले छात्र

कार्य क्षेत्र
- कक्षा 11 एवं उसके बाद वाले सभी मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम
- लाभार्थियों का चयन राज्य सरकारों / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाएगा
- सबसे गरीब परिवारों के आवेदकों को प्राथमिकता

छात्रवृत्ति
- पूर्ण अप्रतिदेय शुल्क (ट्यूशन शुल्क सहित)
- प्रतिवर्ष 2500/- रुपए से लेकर 13500/- रुपए का अकादमिक भत्ता
- दिव्यांग छात्रों (विशेष रूप से सक्षम) के लिए 10% अतिरिक्त भत्ता

- छात्र के पास वैध मोबाइल नम्बर, आधार नम्बर (यूआईडी), आधार से जुड़ा बैंक खाता, आय प्रमाण-पत्र, पिछले वर्ष की मार्कशीट तथा जाति प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

- योजना के दिशा-निर्देश तथा विस्तृत पात्रता मानदंड नीचे दिए गए लिंक पर उपलब्ध हैं।
https://socialjustice.gov.in/schemes/25
योजना के दिशा-निर्देशों के लिए QR कोड स्कैन करें

cbc38101/11/0030/2526

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है। आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034वी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

निवेश का उद्देश्य लंबी अवधि के लिए पूंजी की वृद्धि

डिविडेंड ऑप्शन

- **निवेश का उद्देश्य :** नियमित आय प्राप्त करना।
- **डिविडेंड :** डिविडेंड का भुगतान किया जाता है, जिससे आपको नियमित आय मिलती है।
- **निवेश की वृद्धि :** निवेश की वृद्धि कम होती है, क्योंकि डिविडेंड का भुगतान किया जाता है।
- **कर लाभ :** डिविडेंड ऑप्शन में निवेश पर कर लाभ नहीं मिलता है, क्योंकि डिविडेंड का भुगतान किया जाता है।

कब ग्रोथ ऑप्शन चुनें

- **लंबी अवधि के निवेशक :** यदि आप लंबी अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं और पूंजी की वृद्धि करना चाहते हैं।
- **नियमित आय की आवश्यकता नहीं :** यदि आपको नियमित आय की आवश्यकता नहीं है और आप अपने निवेश को बढ़ाना चाहते हैं।

कब डिविडेंड ऑप्शन चुनें

- नियमित आय की आवश्यकता : यदि आपको नियमित आय की आवश्यकता है और आप अपने निवेश से आय प्राप्त करना चाहते हैं।
- अल्पकालिक निवेशक : यदि आप अल्पकालिक निवेश करना चाहते हैं और नियमित आय प्राप्त करना चाहते हैं।

बिजनेस साइट

गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्डस से सम्मानित हुआ गोयल टीएमटी

रायपुर में लगाया देश का सबसे बड़ा बिल्डिंग रैप

रायपुर। गोयल टीएमटी ने भारत का सबसे बड़ा बिल्डिंग रैप एडवरटाइजिंग राजधानी रायपुर के आर्क ब्रिज कैनॉल रोड पर लगाया है। इस बिल्डिंग रैप का साइज 23958 वर्गफीट है और रैप को भवन के कुल 5 फ्लोर कवर किया गया है, जिसे 5 दिन में 35 मजदूरों ने पूरा किया। बिल्डिंग रैप में उपयोग किए गए फ्लैक्स को मुंबई से विशेष रूप से बनवा कर मंगवाया गया है। इस बिल्डिंग रैप के लिए गोयल टीएमटी को गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्डस ने शनिवार को गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्डस से सम्मानित किया गया। कंपनी के डायरेक्टर संदीप गोयल ने बताया कि कंपनी पिछले 25 सालों से कार्यरत है। उन्होंने बताया कि बिल्डिंग रैप को लगाने का उद्देश्य यह है कि हम रायपुर के हर इंच में मौजूद है और देश को मजबूत बनाने में हमारा महत्वपूर्ण योगदान है। बता दें कि श्री बजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड (गोयल टीएमटी) अपने ब्रांड के विज्ञापन के हमेशा नए-नए प्रयोग करता है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

निवेद चेस्ट & आई केयर
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनोपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी | डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

सिंघानिया स्किन केयर
सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी, • सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण) • गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअल्वेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरायसिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर,
समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Appointments No.
7724035770
9329004557
9303724304

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

21 साल के राहुल वीएस बने भारत के 91वें ग्रैंडमास्टर

नई दिल्ली। भारतीय शतरंज खिलाड़ी राहुल वीएस छठी आसियान व्यक्तिगत चैंपियनशिप को एक राउंड शेष रहते हुए जीतकर देश के 91वें ग्रैंडमास्टर बन गए हैं। यह 21 वर्षीय खिलाड़ी एशियाई जूनियर चैंपियन भी है। वह 2021 में अंतरराष्ट्रीय मास्टर बने थे। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष नितिन नारंग ने लिखा, 'राहुल वीएस को एक राउंड शेष रहते आसियान व्यक्तिगत चैंपियनशिप जीतने और इस प्रक्रिया में देश के 91वें ग्रैंडमास्टर बनने पर हार्दिक बधाई। आपको आगे भी कई उपलब्धियां हासिल करने और भारत को गौरवान्वित करने में निरंतर सफलता हासिल करने के लिए शुभकामनाएं देता हूं।' फिलीपीन्स में आसियान व्यक्तिगत चैंपियनशिप में राहुल ने जीत हासिल करके अपना अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया। वह पिछले दो सप्ताह के अंदर ग्रैंडमास्टर बनने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले युवा खिलाड़ी इलमपर्थी एआर ने 30 अक्टूबर को यह उपलब्धि हासिल की थी।

अभिषेक ने 528 गेंदों में पूरे किए एक हजार रन

अभिषेक ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, सबसे तेज पूरे किए 1 हजार रन, बने दुनिया के पहले बल्लेबाज

एजेंसी ▶▶| ब्रिसबेन

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का अंतिम मैच ब्रिसबेन में खेला गया। इस मुकाबले में बारिश आने से पहले ही अभिषेक शर्मा ने एक बड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। अभिषेक ने जैसे ही अपनी बैटिंग के दौरान 11वां रन बनाया तो वह दुनिया में टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज एक हजार या उससे अधिक रन बनाने वाले पहले बैटर बन गए। ब्रिसबेन मुकाबले से पहले अभिषेक शर्मा के नाम 521 गेंदों में 989 रन दर्ज थे। लेकिन गाबा के मैदान में उन्होंने सात गेंद में जैसे ही 11 रन और बनाए तो उनके नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हो गया।

अभिषेक शर्मा ने 528 गेंद में 1 हजार रन पूरे किए और ऐसा करने वाले पहले बैटर बन गए हैं। जबकि इससे पहले 569 गेंद में टिम डेविड ने 1 हजार टी20 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए थे। 573 गेंद में सूर्यकुमार यादव और 599 गेंद में इंग्लैंड के फिल साल्ट ने टी20 में एक हजार रन पूरे किए थे।

अभिषेक का टी20 कॅरियर

भारत के लिए तूफानी सलामी बैटर के रूप में जगह बनाने वाले अभिषेक शर्मा भारत के लिए अभी तक 29 टी20 मैचों में एक हजार से अधिक रन बना चुके हैं और वह 37 के करीब की औसत और 189 के धांसू स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर रहे हैं। अभिषेक शर्मा का तूफानी अंदाज अगले साल 2026 टी20 वर्ल्ड कप में भारत के काफी काम आएगा। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को प्लेयर ऑफ द सीरीज घोषित किया गया। अभिषेक ने सीरीज में 163 रन बनाए। अभिषेक लगातार दूसरी सीरीज में प्लेयर ऑफ द सीरीज बने हैं। एशिया कप 2025 में भी वह प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे।

सिर्फ 4.5 ओवर का हुआ खेल

अभिषेक शर्मा की बात करें तो वह चार मैचों में 140 रन बनाकर टॉप में चल रहे थे। इसके बाद अंतिम टी20 मैच में भी उनका बल्ला चला लेकिन बारिश आने से पहले पांच रन और 11 रन पर अभिषेक के दो कैच छूटे। दो जीवनदान मिलने के चलते अभिषेक शर्मा 13 गेंद में एक चौके और एक छक्के से 23 रन बनाकर नाबाद रहे तो शुभमन गिल भी 16 गेंद में छह चौके से 29 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने बारिश आने तक 4.5 ओवर में बिना विकेट गंवाए 52 रन बनाए थे। इसके तुरंत बाद ही भारी बारिश आ गई, जिससे मैच रद्द करना पड़ा।

सबसे कम गेंदों पर 1 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज

528 गेंद - अभिषेक शर्मा
573 गेंद - सूर्यकुमार यादव
599 गेंद - फिल साल्ट
604 गेंद - ग्लेन मैक्सवेल
609 गेंद - आंद्रे रसेल/ फिन एलन

सबसे कम पारियों में 1 हजार रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी

27 पारी - विराट कोहली
28 पारी - अभिषेक शर्मा
29 पारी - केएल राहुल
31 पारी - सूर्यकुमार यादव
40 पारी - रोहित शर्मा

2008 के बाद ऑस्ट्रेलिया से नहीं गंवाई टी20 सीरीज

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार चौथी टी20आई सीरीज में जीत दर्ज की। साथ ही साथ भारत ने साल 2008 के बाद से ऑस्ट्रेलिया से कोई भी टी20 सीरीज नहीं गंवाई है। यही नहीं सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज खेली और इसमें भारत को शानदार जीत मिली।

विश्व चैंपियनशिप में रविंदर सिंह ने पहले दिन जीता गोल्ड

एजेंसी ▶▶| काहिरा

सेना के अनुभवी निशानेबाज रविंदर सिंह ने आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप (पिस्टल और राइफल) के पहले दिन 50 मीटर फ्री पिस्टल स्पर्धा में व्यक्तिगत स्वर्ण और टीम रजत पदक जीतकर भारत को गौरवान्वित किया। जम्मू-कश्मीर के भारतीय सेना के हवलदार के लिए यह सबसे बड़ी उपलब्धि है। इससे पहले 29 वर्षीय रविंदर ने बाकू में 2023 विश्व चैंपियनशिप में व्यक्तिगत कांस्य पदक जीता था।रविंदर 2019 से भारतीय टीम में अंदर-बाहर होते रहे हैं। उन्होंने गैर-ओलंपिक स्पर्धा में 569 अंक हासिल कर शीर्ष पोडियम स्थान हासिल किया। उन्होंने दक्षिण कोरिया के किम चेयोंगयोंग (556 अंक) और व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट एंटोन अरिस्तारखोव (556 अंक) को पीछे छोड़ दिया, जिन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। इस साल की शुरुआत में 10 मीटर एयर पिस्टल में राष्ट्रीय खेलों में रजत पदक जीतने वाले रविंदर ने 93 के कम स्कोर के साथ शुरुआत की लेकिन अगले पांच राउंड में 98, 94, 95, 93 और 96 अंक बनाकर 47 निशानेबाजों के बीच कुल 569 का स्कोर बनाया।

पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

मैराथन दौड़ के साथ हुआ भारत गोल्फ महोत्सव का आगाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जबलपुर

गोल्ड फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले हो रहे हैं भारत गोल्फ महोत्सव का शनिवार को शानदार आगाज हुआ। महोत्सव का आगाज प्रोमो रन के साथ हुआ, जो सुबह 7 बजे रिज रोड स्थित कोबरा ग्राउंड से शुरू हुई।

मैराथन को लेफ्टिनेंट जनरल पीएस शेखावत, गोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया के जनरल सेक्रेटरी आर्यवीर आर्या और परिवार कल्याण संगठन मध्य भारत एरिया की अध्यक्ष राजलक्ष्मी शेखावत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मैराथन में हजारों की संख्या में आर्मी के जवानों के साथ स्कूली बच्चों और महिलाओं ने हिस्सा लिया। मैराथन कोबरा ग्राउंड से शुरू होकर, सृजन चौक सदर एरिया से होते हुए सदर बाजार, गणेश चौक से वापस कोबरा ग्राउंड में समाप्त हुई। वृक्षारोपण अभियान का आयोजन मध्य भारत के मुख्यालय जबलपुर में हुआ। इसमें हजारों की संख्या में पौधे रोप कर पर्यावरण सरंक्षण का संदेश दिया गया।

लेफ्टिनेंट जनरल शेखावत और आर्यवीर आर्या ने दिखाई हरी झंडी

सबालेंका ने अनिसिमोवा को हराया अब रयबाकिना से खिताबी मुकाबला

एजेंसी ▶▶| रियाद

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 3-6, 6-3 से हराकर तीन साल में पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स के फाइनल में जगह बनाई। सबालेंका खिताबी मुकाबले में एलेना रयबाकिना से भिड़ेंगी, जिन्होंने पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है। विश्व में छठे नंबर की खिलाड़ी रयबाकिना ने एक अन्य सेमीफाइनल में 15 ऐस के दम पर विश्व की पांचवें नंबर की खिलाड़ी जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। सबालेंका को चौथे नंबर की अनिसिमोवा ने कड़ी टक्कर दी। पहला सेट एक घंटे तक चला। अनिसिमोवा ने ब्रेक प्वाइंट के पांच मौके गंवाए और 24 अनफोर्स्ड एरर किए। लेकिन दूसरे सेट में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया और तीन बार सबालेंका की सर्विस तोड़कर मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचाया। सबालेंका ने निर्णायक सेट के सातवें गेम में ब्रेक बनाकर स्कोर 4-3 कर दिया और फिर मैच अपने नाम किया।

FEDERAL BANK
YOUR PERFECT BANKING PARTNER

आम सूचना

एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि नीचे उल्लिखित खाते/खातों में स्वर्ण आभूषणों को फेडरल बैंक लिमिटेड, **रायपुर मुख्य शाखा, रायपुर/शंकर नगर शाखा, भिलाई शाखा तथा बिलासपुर शाखा** द्वारा **15.11.2025** या किसी भी बाद की तिथि/दिनों को नीचे दर्शाई गई शाखाओं में निजी बिक्री के लिए रखा जाएगा क्योंकि संबंधित उधारकर्ता गिरवी रखी वस्तुओं को भुनाने/ऋण खाते/खातों को नियमित करने में विफल रहे हैं। अधिक जानकारी के लिए संबंधित शाखाओं से संपर्क किया जा सकता है।

ग्राहक का नाम	ग्राहक का खाता क्रमांक
पूनम पटेल	14455600002828
सुंदरी खेमानी	14455600003107
किर्ती शुक्ला	14456100039328
अमरीन खान	14455600002844
राकेश खेमानी	14456400007090, 14455600002760, 14455600002901
श्रुति कुमारी	14455600003040
महेश किशोर अग्रवाल	14455600002570, 14455600002554, 14455600003099, 14455600003081
संजय सिंह सोनाये	14455600001697, 14455600002919
नदीविनती साय वैभवी	14455600002877
प्रद्युम बेहरा	14455600002976
हेमलता सिंह	19456900000723, 14456400006985, 14456400007017

नीलामी/निजी बिक्री 15.11.2025 को की जाएगी।
रायपुर मुख्य शाखा - एलसी आर्केड, भूतल, वंदना बजाज के पास, आश्रम चौक, रामकुण्ड, जी.ई. रोड, रायपुर (छ.ग.) - 492001, फोन नं. - 0771-2236278

ग्राहक का नाम	ग्राहक का खाता क्रमांक
पिंटू ब्रह्मा	19456400017995, 19456400019355, 19456400019348
रशिदा बेगम	19456900000657, 19456100029738
हेमलता सिंह	19456900000723
अमरप्रीत कौर भाटिया	19456900001192
अमर जादवानी	19456900001762
श्रावणी मुखर्जी	19456400018431
एल. जगदीश रेड्डी	19456900001143, 19456900001200, 19456900001911, 19456900001275
दीपक गैन	19456400018506
सुमीत सोनी	19456400018472, 19456400019892
अशोक कुमार श्रीवास	19456400018571, 19456100029753, 19456400019025

नीलामी/निजी बिक्री 15.11.2025 को की जाएगी।
रायपुर/शंकर नगर शाखा - 18/1421, कुशल वाटिका, न्यू शांति नगर, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.) - 492007, फोन नं. 07712422900

ग्राहक का नाम	ग्राहक का खाता क्रमांक
संतोष यादव	25036400003971, 25036400003963
समसुद्दीन	25036900000469
प्रशांत गुरव	25036400003864
जी. राजकुमार	25036400003542
पी. गौतम	25036900000410, 25036900000444
चंद्रेश नायक	25036400003047
कुंदन सिंह	25036400004276
अजय कुमार सिंह	25036900000402

नीलामी/निजी बिक्री 15.11.2025 को की जाएगी।
भिलाई शाखा - विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा), दक्षिण गंगोत्री, व्यवसायिक भूखण्ड योजना, सुपेला भिलाई नगर, दुर्ग (छ.ग.)-490023

ग्राहक का नाम	ग्राहक का खाता क्रमांक
ऋषि छाबड़ा	16665600002515
पिंकी कोरी	16666400054045
मकसुदा	16666100009679
साहिल ग्रायाकर	16666400050902

नीलामी/निजी बिक्री 15.11.2025 को की जाएगी।
बिलासपुर शाखा - फेडरल बैंक, गुरूकृपा बिल्डिंग, व्यापार विहार मेन रोड, बिलासपुर (छ.ग.), फोन नं. - 07752-261462

UCO BANK
(A Govt. of India Undertaking)
सम्मान आपके विश्वास का | Honours Your Trust

अंचल कार्यालय, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)
ई-मेल : zoraipur.rec@ucobank.co.in

अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी नोटिस

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।

आम लोगों को तथा विशेष रुप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है, का **भौतिक/सांकेतिक कब्जा** प्रतिभूत लेनदार यूको बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जहाँ है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर **28.11.2025** को **11.00** बजे से दोपहर **4.00** बजे तक बकाया राशि की वसूली के लिए बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य एवं अन्य विवरण नीचे दिए गए हैं। **बयाना राशि** प्रस्तुत करने की अंतिम समय नीलामी **28.11.2025, 3.00 बजे** के पूर्व सुनिश्चित की गई है। **ई-नीलामी की तिथि व समय- 28.11.2025** को सुबह **11.00 बजे** से उपरान्ह **4.00 बजे** तक प्रत्येक 10 मिनट के असीमित विस्तार के साथ।

संपत्ति निरीक्षण की तिथि: 27.11.2025 एवं ई-नीलामी की तिथि: 28.11.2025

क्र. सं.	शाखा का नाम/ संपर्क विवरण	ऋणी एवं गारंटर का नाम	बकाया राशि / कब्जा का प्रकार	मांग सूचना/ कब्जा सूचना तिथि	संपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य व बयाना राशि
01	TELIBANDHA Branch Mr. Dilip Kumar Sahu 7008516101	श्री धरम सिंह	₹ 20.02 Lakh + ब्याज सांकेतिक कब्जा	16.10.2024 14.01.2025	**संपत्ति के मालिक- श्री धरम सिंह एवं लखविंदर कौर**, ख.नं. 238/1, 579/2, 482/1579/2, 482/4, 481, 482/7, पीसी नं. 103, म. नं. एलआईजी-1/724, एसएलआईसी- द्वितीय और 1/725, स्लाइस- ।।, वीर सावरकर नगर, वार्ड नं. 01, हीरापुर, हाउसिंग बोर्ड, योजना रायपुर, जिला-रायपुर छ.ग. **क्षेत्रफल- 1923.88 वर्गफीट**	47,89,000/- 4,78,900/- 25000/-
02	Baloda Bazar Branch Mr. Sudama Roy (7751067350)	मेसर्स चैतन्य	₹ 16.22 Lakh + ब्याज सांकेतिक कब्जा	02.01.2025 28.03.2025	**संपत्ति के मालिक- श्री सरलता सचदेव पत्नी हरीश सचदेव**, फ्लैट नं. ईडब्ल्यूएस 15, तीसरी मंजिल, ख. नं. 446/2 (भाग) प.ह.नं. 37, छ.ग. हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, 36 मॉल के पीछे, विधायक कॉलोनी रोड, डॉ राजेंद्र प्रसाद वार्ड -6, मौजा- पुरेना तह. व जिला- रायपुर में स्थित संपत्ति। क्षेत्र- 321.61 वर्ग फुट	10,45,000/- 1,04,500/- 25000/-
03	Maroda Branch Mr. Jaywardhan Hota (9937017346)	श्रेया सिन्हा	₹ 36.31 Lakh भौतिक कब्जा	13.04.2023 15.06.2023	**संपत्ति के मालिकः श्री मलय चन्द्र पुत्र- श्री लालजी प्रसाद**, ख..नं. 316, प.ह.नं. 15/21, भूतल, ब्लॉक नं. इ4, चौहान टाउन, जुनावानी, भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) में स्थित फ्लैट नं. 03. **क्षेत्रफल- 1195 वर्गफीट.**	25,52,000/- 2,55,200/- 25000/-
04	Pandari Branch Mr. Rupak Sau 9593501406	रत्ना इंजीनियरिंग वर्क्स, पार्टनर- 1. ए.एन. रेड्डी	₹ 363.42 Lakh + उस पर लागू ब्याज भौतिक कब्जा	17.10.2019 15.01.2020	**संपत्ति के मालिकः ए. एन. रेड्डी**, सी.एस.आई.डी.सी., सिलतरा, रायपुर फेस-।।, प्लॉट नं.-19/12 (भाग) में स्थित फैक्ट्री एवं शेड। **क्षेत्रफल- 26792** वर्गफीट।	81,00,000/- 8,10,000/- 25,000/-
05	Bhilai Sector-I Mr. Shubhash 9805510068	श्रीमती नेहा मिश्रा एवं स्वप्निल मिश्रा	₹ 17.41 Lakh + उस पर लागू ब्याज भौतिक कब्जा	25.05.2024 07.08.2025	**स्वामित्व- नेहा मिश्रा पत्नी स्वप्निल मिश्रा**, ख.नं. 9296, प.ह.नं. 14/19, सोनिया रेसिडेंसी, रामनगर, अम्बेडकर नगर वार्ड, कोहका, भिलाई, तहसील व जिला- दुर्ग, फ्लैट नं. 204 द्वितीय तल) में स्थित आवासीय फ्लैट। **क्षेत्रफल- 598 वर्गफीट**	16,64,000/- 1,66,400/- 25,000/-
06	Bhilai Sector-I Mr. Shubhash 9805510068	मेसर्स लीजर स्पेस	₹ 40.68 Lakh भौतिक कब्जा	09.09.2024 28.05.2025	**संपत्ति के मालिक- 1. श्रीमती स्वेता मित्रा पत्नी श्री पुलक**, प्लॉट नं. 48, ख.नं. 372/3 एवं 372/1, इंजीनियरिंग पार्क, औद्योगिक क्षेत्र हथखोज, भिलाई, दुर्ग स्थित प्लांट एवं मशीनरी मेसर्स लीजर स्पेस की संपत्ति।	29,16,000/- 2,91,600/- 25,000/-
07	Palari Branch Mr. Gopal Badhei (9439331968)	मेसर्स ओम ट्रेडर	₹ 21.95 Lakh + ब्याज सांकेतिक कब्जा	03.05.2024 23.08.2024	**संपत्ति के मालिक- श्री बसावन लाल पुत्र श्री जेठूराम**, वार्ड नं.12, शाति नगर, पल्लारी, जिला- बलौदा बाजार छ.ग. में स्थित एक आवासीय मकान। भूमि क्षेत्र- 2153 वर्ग फुट. निर्मित क्षेत्र- 1674 वर्ग फुट.	22,00,000/- 2,20,000/- 25000/-
08	Naya Raipur Branch Mr. Nilesh Kumar (9572735565)	श्री कुलदीप सिंह गिल	₹ 19.80 Lakh + उस पर लागू ब्याज सांकेतिक कब्जा	09.04.2024 29.06.2024	**संपत्ति के मालिक- श्री कुलदीप सिंह गिल**, ब्लॉक 3, एमआईजी फ्लैट हिमालयन हाइट्स (फेस-।), तीसरी मंजिल, जनरल आवास, डुमरतराई, रायपुर (छ.ग.) में स्थित फ्लैट नं. एमआईजी 58. **क्षेत्रफल- 774.74 वर्गफीट**	14,82,000/- 1,48,200/- 25000/-
09	Jagdalpur Branch (2579) Mr. Jagjivan Naik (9439347578)	कशीश जनरल फैंसी	₹ 7.55 Lac + अप्रयुक्त ब्याज सांकेतिक कब्जा	01.05.2024 29.07.2024	**स्वामित्व- गौरी शंकर साव पुत्र- नीलकंठ साव** मेन रोड, प्रतापगंज पारा, जगदलपुर, जिला- बस्तर (छ.ग.) भूतल में स्थित एक मंजिला भवन। भूमि क्षेत्र- 886.78 वर्ग फुट. निर्मित क्षेत्र- 1000 वर्ग फुट.	2,10,44,000/- 21,04,400/- 25,000/-
10		लवी कलेक्शन	₹ 8.18 Lac सांकेतिक कब्जा	01.05.2024 29.07.2024		
11	Civic Centre Bhilai (0298) Soumya Ranjan Sahu 8000545448	श्री एम.पंकज	₹ 4.12 Lakh ₹ 2.73 Lakh + ब्याज	08.01.2025 18.03.2025	**संपत्ति के मालिक- श्री एम. वंदना देवी पत्नी श्री रमेश बाबू**, वार्ड नं. 22, भिलाई, प्लॉट नं.-25 ब्लॉक नं.-46, वार्ड नं.-22, मदर टेरेसा नगर, भिलाई, जिला- दुर्ग में स्थित भूतल+1 आवासीय भवन। भूमि क्षेत्र- 435.78 वर्ग फुट. निर्मित क्षेत्र- 522.94 वर्ग फुट.	15,09,000/- 1,50,900/- 25000/-
12		देशलहरे इंटरप्राईजेस प्रोप. संजय देशलहरे	₹ 8.72 Lakh + उस पर लागू ब्याज सांकेतिक कब्जा	05/02/2022 24/05/2025	**संपत्ति के मालिक- श्री संजय देशलहरे**, खसरा नं. 469/1, प.ह.नं. 13/18, वार्ड नं. 5, सांई मंदिर के पास, गणेश नगर, नगर पालिक निगम, जामुल, जिला- दुर्ग (छ.ग.) 490024 में स्थित आवासीय भवन। क्षेत्रफल- 2184 वर्गफीट.	29,09,000/- 2,90,900/- 25000/-
13		श्री उजागर सिंह एवं परमजीत सिंह गौर	₹ 13.92 Lakh + प्रयुक्त ब्याज सांकेतिक कब्जा	02.03.2024 01.06.2024	**संपत्ति के मालिकः श्री उजागर सिंह**, मकान नंबर एलआईजी-399, ख.नं. 547, छ.ग. हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, उम्दा वार्ड नंबर 06, भिलाई -3, चरोदा, पाटन, जिला- दुर्ग (छ.ग.) भूमि क्षेत्रफल- 600 वर्गफीट एवं निर्मित क्षेत्रफल- 484 वर्गफीट।	15,63,000/- 1,56,300/- 25,000/-
14		श्री विनोद गुप्ता एवं श्रीमती निशा गुप्ता	₹ 13.92 लाख भौतिक कब्जा	01.10.2016 09.07.2018	**संपत्ति के स्वामीः श्री विनोद गुप्ता पिता- श्री एस.डी. एस.गुप्ता**, फ्लैट नं. 302, क्षेत्रफल- 714 वर्गफिट, शिवम अपोर्टमेंट का द्वितीय तल, मैत्रीकुंज, वार्ड नं. 61, रिसाली, भिलाई छग 490006, प्लॉट नं. 102, खसरा नं. 141/32 व 289/6, प.ह.नं.19/22, बिल्टअप क्षेत्रफल- 714 वर्गफीट एवं भूतल में ढकी कार पार्किंग के साथ -साथ सामान्य भागों व सुविधाओं में आनुपातिक हिस्सेदारी।	15,63,000/- 1,56,300/- 25,000/-
15	Kasdol Branch (1029) Rohit Kumar Banjare 09770413913	मेसर्स न्यू छत्तीसगढ़ कलेक्शन एण्ड मेचिंग सेंटर, प्रोप. पवन कुमार अजगले	₹ 4.18 लाख भौतिक कब्जा	16.10.2023 02.03.2023	**संपत्ति का स्वामी**- एलआईजी- 245, हाऊसिंग बोर्ड कालोनी, दीनदयाल आवास योजना, गातापार, अभनपुर, जिला- रायपुर छ.ग. **क्षेत्रफल- 931.06 वर्गफीट।**	6,30,000/- 63,000/- 25,000/-

ई-नीलामी की तिथि एवं समयः 28.11.2025, सुबह 11:00 बजे से शाम 4.00 बजे तक एव **संपत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समयः 27.11.2025, दोपहर 1:00 बजे से शाम 4:00 बजे** तक। बिक्री की विस्तृत नियम व शर्तों के लिए, कृपया **https://baanknet.com** पर दिए गए लिंक को देखें। इसके अलावा, संभावित बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए ऊपर बताए गए शाखा प्रमुख से संपर्क कर सकते हैं। बैंक बिना कोई कारण बताए नीलामी प्रक्रिया को स्वीकार/अस्वीकार/रद्द करने का पूरा अधिकार सुरक्षित रखता है और इस संबंध में किसी भी प्रश्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

यह प्रकाशन उपर्युक्त उधारकर्ताओं/गारंटीकर्ताओं/बंधककर्ताओं को 15 दिनों की नोटिस भी है।

दिनांक : 08.11.2025 स्थान : रायपुर (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी/यूको बैंक, रायपुर (छ.ग.)

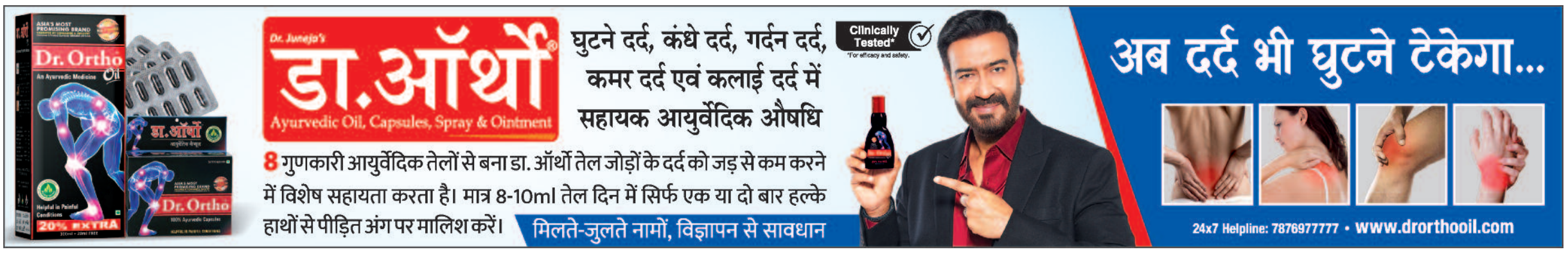

सफेद खाल, नुकीले कान और शेर जैसी चाल, स्पेन में दिखी दुर्लभ जंगली बिल्ली

स्पेन। स्पेन के पहाड़ी इलाके जाएन से आई ये खबर किसी फिल्म जैसी लगती है। यहां पहली बार एक सफेद इबेरियन लिंक्स को कैमरे में कैद किया गया है। आमतौर पर ये जंगली बिल्ली जैसी दिखने वाली प्रजाति सुनहरी या भूरे रंग की होती है, लेकिन इस बार जो नजारा दिखा, वो एकदम अनोखा था। इस दुर्लभ लिंक्स का वीडियो स्पेनिश वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर एंजेल हिडाल्गो ने कैप्चर किया। उन्होंने कहा, "सालों से कैमरे लगा रहा था, कई बार कोशिश नाकाम रही, लेकिन इस बार कुदरत ने मुझे कुछ ऐसा दिया जो जीवन भर याद रहेगा।

कुदरत का करिश्मा वायरल!

इस दुर्लभ इबेरियन लिंक्स का वीडियो सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर शेयर किया जा रहा है। उन्होंने कैप्शन लिखा - साउथ स्पेन में एक फोटोग्राफर ने दुनिया का पहला सफेद इबेरियन लिंक्स कैमरे में कैद किया है, जो इतना दुर्लभ है कि मानो कोई कहानी का जादुई जीव हो। पहले से ही दुनिया की सबसे दुर्लभ जंगली बिल्लियों में शामिल यह प्रजाति दो दशक पहले विलुप्ति के कगार पर पहुंच गई थी, जब इसकी संख्या 100 से भी कम रह गई थी।

क्यों खास है ये खोज?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस लिंक्स को ल्यूसिस्म नाम की एक दुर्लभ जेनेटिक कंडीशन है, जिससे शरीर का रंग हल्का पड़ जाता है। लेकिन अल्बिनो जानवरों के उलट, इसकी आंखें और शरीर पूरी तरह से सामान्य हैं। यानी यह सफेद होते हुए भी बिल्कुल स्वस्थ है। बता दें कि इस पोस्ट को 44.6 मिलियन से ज्यादा व्यूज, 1 लाख 91 हजार लाइक्स और डेढ़ हजार यूजर्स की प्रतिक्रियाएं मिल चुकी हैं।

कभी लुप्त होने वाली थी प्रजाति

कभी यह प्रजाति विलुप्ति के कगार पर थी। 2002 में पूरे स्पेन में 100 से भी कम इबेरियन लिंक्स बचे थे। लगातार कंजरवेशन प्रोजेक्ट्स, सरकारी कोशिशों और एनजीओ के सहयोग से अब इनकी संख्या 2000 के करीब पहुंच गई है। यह सफेद लिंक्स उसी उम्मीद की जीती-जागती मिसाल है कि जब इंसान नेचर के साथ मिलकर काम करे, तो चमत्कार होते हैं।

लोगों ने क्या कहा?

सोशल मीडिया पर इस वीडियो को देखकर लोग हैरान भी हैं और खुश भी। एक यूजर ने लिखा, "नेचर सच में जादू करती है जब हम उसे बचाने की कोशिश करते हैं।" दूसरे ने कहा, "यह खूबसूरती नहीं, उम्मीद की तस्वीर है।" भले ही सफेद रंग इसे जंगल में छिपने में मुश्किल दे, लेकिन इसकी मौजूदगी एक बड़ा संदेश देती है... जब इंसान नेचर को वक्त और जगह देता है, तो वो खुद अपनी खोई हुई सुंदरता लौटा देती है। हालांकि, कुछ यूजर को लगा कि यह वीडियो एआई से बना है।

ये हैं दुनिया के सबसे खतरनाक फूड्स गलत ढंग से खाए तो मौत आना निश्चित

दुनिया में कई ऐसे फूड हैं, जो दिखने में बहुत सुंदर व टेस्टी लगते हैं लेकिन अगर इन्हें जरा सी गलती से खा लिया जाए तो जानलेवा साबित हो सकते हैं। इस तरह के कुछ फूड में प्राकृतिक रूप से जहर पाया जाता है, जो इन्हें गलत तरह से पकाने या साफ न करने की वजह से होता है। कई देशों में तो ये फूड पारंपरिक खान-पान का हिस्सा भी होते हैं, लेकिन उनके पीछे छिपे खतरे इन्हें डेडली फुल फूड की लिस्ट में शामिल करते हैं। चलिए आज हम आपको बताते हैं ऐसे खतरनाक फूड्स के बारे में, जिन्हें खाते वक्त जरा-सी भी चूक आपकी जान ले सकती है।

बिना पका एकी फल बेहद जहरीला

एकी जमैका में पाया जाने वाला फल है। यह फल तब तक जहरीला होता है, जब तक यह पूरी तरह पक न जाए। इस कच्चे फल में जहर होता है, जो वोमिटिंग सिकनेस यानी लगातार उल्टियां का कारण बनता है। इसके अलावा यह इंसान को कोमा में भी पहुंचा सकता है। इस फल को तब खाया जाता है, जब यह फल खुद फटकर खुल जाए और इसका पीला हिस्सा साफ दिखने लगे।

टीक से नहीं पकाया तो जान ले लेता है कसावा

कसावा भी दुनिया का सबसे खतरनाक फूड माना जाता है। अफ्रीका और एशिया में खाए जाने वाले इस रूट फूड को अगर ठीक से पकाया या भिगोया न जाए तो यह साइनाइड छोड़ सकता है। इससे उल्टी चक्कर और यहां तक कि मौत भी हो सकती है। खास बात यह है कि कच्चा या अधपका कसावा खाना सीधे साइनाइड प्वाइजनिंग का कारण बन सकता है।

सन्नाकजी जिंदा ऑक्टोपस, सबसे खतरनाक फूड

सन्नाकजी जिंदा ऑक्टोपस होता है। यह भी दुनिया के सबसे खतरनाक फूड में शामिल है। कोरिया की इस डिश में छोटे-छोटे ऑक्टोपस काटकर जिंदा परोसे जाते हैं। हालांकि, इसके टेंटेकल गले में फंसने से दम घुटने से मौत हो सकती है। ऐसे में इसे खाते वक्त बहुत सावधानी रखना और पूरी तरह चबाकर खाना जरूरी होता है।

पैगियम कच्चा खाते ही हो जाएगी मौत

दक्षिण पूर्व एशिया में मिलने वाला पैंगियम एक जहरीला बीज फल होता है। इस फल के बीजों में हाइड्रोजन सायनाइड पाया जाता है। वहीं, लोग इसे महीने भर तक जमीन में दबाकर और फर्मेंटेड करके ही खाते हैं। अगर कोई इसे कच्चा खा ले तो उसकी तुरंत मौत हो सकती है।

सबसे तीखी मिर्च ड्रैगन ब्रेथ

ड्रैगन ब्रेथ दुनिया की सबसे तीखी मिर्च है. यह भी बहुत खतरनाक फूड में से एक मानी जाती है। यह मिर्च 2.48 मिलियन स्कोविल यूनिट की तीव्रता वाली है। इसका मतलब है यह घोस्ट पेपर और कैरोलिना रीपर से भी ज्यादा खतरनाक होती है। इसे खाने से गले में जलन, सांस रुकना या शॉक जैसी स्थिति हो सकती है।

फुगु पफर फिश, साइनाइड से 1000 गुनी जहरीली

जापान की फुगु पफर फिश को भी सबसे खतरनाक डिश में गिना जाता है। इसमें मौजूद टेरोडोटॉक्सिन जहर साइनाइड से 1000 ज्यादा गुना ताकतवर होता है। ऐसे में इसे सिर्फ लाइसेंस प्राप्त शेफ ही बना सकते हैं, क्योंकि जरा सी गलती भी इसे मौत का कारण बना सकती है।

जब हज करने गया इतिहास का सबसे अमीर शख्स, अरब देशों में गुड़ के दाम बिकने लगा था सोना

लोगों को खूब बांटा सोना

कुछ रिपोर्ट्स में कहा जाता है कि उन्होंने अपने हज के सफर के दौरान रास्तों में गरीबों को इतना सोना बांटा कि लोगों की जिंदगियां संवर गई थीं। जगह-जगह मस्जिदों के लिए चंदा दिया और उस समय के विद्वानों को भी इनामों से नवाजा।

नई दिल्ली। आज जब हम दुनिया के सबसे अमीर लोगों की बात करते हैं तो उनमें एलन मस्क, जेफ बेजोस, अडानी, अंबानी जैसे लोगों का जिक्र जरूर आता है लेकिन अगर हम कहें कि इतिहास का सबसे अमीर इंसान कौन था? तो इसका जवाब बदल जाएगा और फिर कई अन्य कहानियों भी खुलकर सामने आएंगी। इतिहास का सबसे अमीर इंसान माली साम्राज्य के बादशाह मनसा मूसा को माना जाता है। मनसा ने वर्तमान के माली, सेनेगल, गिनी, नाइजर और मौरिटानिया के हिस्सों पर सन 1312–1337 तक शासन किया है। उनकी राजधानी का नाम टिंबकटू था।

मनसा मूसा आज भी चर्चा में रहते हैं

मनसा मूसा आज भी धन, धार्मिकता और दूरदर्शिता को लेकर चर्चा में रहते हैं। फोबर्स और टाइम मैग्जीन जैसी आधुनिक संस्थाओं ने भी उन्हें इतिहास का सबसे अमीर व्यक्ति बताया है। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने मनसा को 'सोने का राजा' के तौर पर प्रदर्शित किया था. उनकी दौलत का अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। कहा जाता है कि उनके शासनकाल में माली अफ्रीका का सबसे ताकतवर साम्राज्य बन गया था। कहा जाता है कि यूरोप के मानचित्र बनाने वालों ने पहली बार अफ्रीका के पश्चिमी हिस्से को मैप में दिखाया।

मनसा ने हजयात्रा में कौड़ियों के दाम बेचा सोना

मनसा मूसा की हज यात्रा भी काफी सुर्खियों में रहती है। जिस समय वो हज यात्रा पर जा रहे थे तो उनके साथ 60000 से ज्यादा लोग ऊंटों पर सवार थे और उन सभी पौशाकें सोने से सजी हुई थीं। इसके अलावा वो अपने साथ इतना सोना लादकर ले गए थे कि मिस्र के मिस्र और अरब के बाजारों में कई सालों तक सोना कौड़ियों के दाम बिका था।

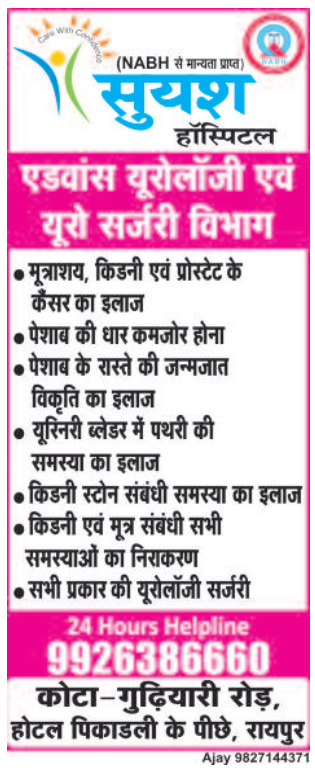

बास्केटबॉल खिलाड़ी जॉर्डन के जूते होने वाले हैं नीलाम, करोड़ों रुपए है कीमत

न्यूयार्क। माइकल जॉर्डन अमेरिका के पूर्व बास्केटबॉल खिलाड़ी हैं, जिन्होनें अपने कौशल के जरिए दुनियाभर के लोगों को अपना प्रशंसक बना लिया। लोग उन्हें प्यार से ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम्स कहकर पुकारते हैं। जॉर्डन को जूतों का बहुत शौक है और नाइकी के साथ मिलकर बनाए गए उनके 'एयर जॉर्डन' पहनना लाखों का सपना है। अब उनके प्रशंसकों के लिए एक खुशखबरी है कि जल्द ही जॉर्डन के 5 जूते नीलाम होने वाले हैं।

जॉर्डन के जूतों की नीलामी का आयोजन 'जूपिटर' नामक नीलामीघर द्वारा करवाया जा रहा है। यह नीलामी 6 नवंबर से शुरू हो गई जो 18 नवंबर तक चलेगी। इसमें दुनियाभर के लोग बोली लगा सकते हैं और जॉर्डन के जूतों को हासिल कर सकते हैं। इन सभी जूतों को खिलाड़ी ने अपने जीवन के अहम पड़ावों में पहना था। ये सभी जूते खास तौर से जॉर्डन के लिए ही बनाए गए थे और इन्हें 'जॉर्डेन्स जॉर्डेन्स' बिक्री के तहत बेचा जाएगा।

इस नीलामी में जिस जूते की सबसे ज्यादा मांग है, वह है 'एयर जॉर्डन 1S'। इन्हें 1985 में तैयार किया गया था और इन दोनों जूतों का आकार अलग है। इन पर जॉर्डन के हस्ताक्षर भी मौजूद हैं। इस बिक्री के दौरान 2 'एयर जॉर्डन 11S' भी बेचे जाएंगे, जो पूरे संग्रह में से खिलाड़ी का पसंदीदा जूता है। इनमें कॉनकॉर्ड-11 की दोहरी हस्ताक्षरित जोड़ी और काले और लाल एयर जॉर्डन 11 की खेल में पहनी गई जोड़ी शामिल है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्प्लेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com